ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार ने बारिश प्रभावित इलाकों की उपेक्षा की है: बीवाई विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 30 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-269

भारत-भूटान के बीच हुआ ऐतिहासिक करार, रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे

दोनों देशों को जोड़ने वाली दो रेल परियोजनाओं का ऐलान

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने सोमवार को भूटान के साथ दो नई रेल परियोजनाओं का ऐलान किया। भूटान के शहरों समत्से और गेलेफू के लिए 4,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से दो सीमा पार रेल संपर्क स्थापित किए जाएंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इन रेल परियोजनाओं की जानकारी दी। बताया गया कि भारत और भूटान सरकार बानरहाट (पश्चिम बंगाल) को समत्से से और कोकराझार (असम) को गेलेफू से जोड़ने के लिए दो सीमापार रेल संपर्क स्थापित करने पर सहमत हो गई है।

4033 करोड़ के खर्च से बनेंगे येलो और ब्लू रेल कॉरिडोर

रेल मंत्री और विदेश सचिव ने कहा, भारत और भूटान के बीच असाधारण विश्वास, पारस्परिक सम्मान और समझ का रिश्ता है। रेल संपर्क स्थापित करने के लिए समझौते पर पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। रेल मंत्री ने बताया कि ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के नेटवर्क से शुरू होंगी। इस पर लगभग 4,033 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इस पहल के तहत 89 किलोमीटर लंबा रेलवे नेटवर्क बनाया जाएगा। रेलवे की इन नई परियोजनाओं से दोनों देशों के बीच संपर्क, व्यापार और पर्यटन बढ़ेगा। इनमें सबसे अहम बात यह है कि आम लोग भी ट्रेन के जरिए सीधे भूटान की यात्रा करेंगे। अभी ट्रेन पश्चिम बंगाल में हासीमारा तक ट्रेन थी, अब यह सीधे भूटान के गेलेफू तक चलाई जाएगी। इसमें पहला प्रोजेक्ट असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू तक रेल लाइन बिछाने का है। इस 69 किलोमीटर लंबी लाइन पर 3,456 करोड़ रुपए खर्च होंगे। दूसरा प्रोजेक्ट पश्चिम बंगाल के बानरहाट से भूटान के समत्से को जोड़ने का है। इसकी लंबाई 20 किलोमीटर होगी और इस पर 577 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

भारत और भूटान के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देश एक दुसरे बड़े व्यापारिक साझेदार है। भूटान के समत्से और गेलेफू बड़े एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हब हैं, जो भारत-भूटान की करीब 700 किलोमीटर लंबी सीमा को जोड़ते हैं। यह भूटान में बनने वाला पहला रेल प्रोजेक्ट है, जो भारत से सीधा जोड़ेगा। इससे लोगों और सामान की आवाजाही पहले से कहीं आसान हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट से इलाके के लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। गेलेफू को एक माइंडफुलनेस सिटी (शांतिपूर्ण और आधुनिक शहर) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

भारत सरकार इन दोनों रेल प्रोजेक्ट्स में पूरी मदद करेगी। भारत की तरफ की रेलवे लाइन का खर्च रेल मंत्रालय उठाएगा। भूटान की तरफ का हिस्सा भारत सरकार की मदद से भूटान की 5-वर्षीय योजना के तहत बनेगा। इस समझौते के तहत भारतीय रेल भूटान के लिए दो कॉरिडोर (गलियारे) बना रहा है। इनमें येलो लाइन आर्थिक गलियारा, व्यापार के लिए है।

▶10 पर

31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य

अधिक खतरनाक साबित हो रहे हैं शहरी नक्सली: शाह

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र नक्सलवाद पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा है और इसे हर हाल में हासिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, जो लोग हथियार छोड़ना चाहते हैं, उनके लिए सीजफायर की जरूरत नहीं। आप हथियार डाल दीजिए, पुलिस की ओर से एक भी गोली नहीं चलेगी। बल्कि आपको समाज में पुनर्वासित किया जाएगा।

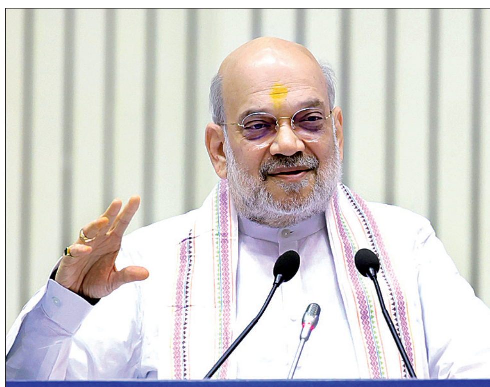

सरेंडर करने वाले नक्सलियों का स्वागत, उनका पुनर्वास होगा

भारत मंथन 2025: नक्सल मुक्त भारत के समापन सत्र में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि उन शहरी नक्सलियों को भी चिन्हित कर रोकना होगा जो वैचारिक, कानूनी और आर्थिक मदद देकर आंदोलन को जिंदा रख रहे हैं। शहरी नक्सली अधिक घातक जहर की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने सीपीआई (माओवादी) के सीजफायर प्रस्ताव को भ्रामक बताया और वामपंथी दलों पर निशाना साधा कि वे नक्सलियों के साथ क्यों ज्यादा सहानुभूति रखते हैं। अमित शाह ने याद दिलाया कि एक समय रेड कॉरिडोर पशुपति से तिरुपति तक फैलने का सपना था, पर अब नक्सलवाद देश के केवल 17 प्रतिशत हिस्से में सीमित है। संबोधन के दौरान गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ में पिछले दो वर्षों में 2,106 नक्सलियों के आत्मसमर्पण, 1,770 गिरफ्तारी और 560 के मारे जाने का आंकड़ा भी बताया, साथ ही दावा किया कि पिछले दो सरकारों (मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी) के 10-10 साल की तुलना में सुरक्षा बलों की शहादत और नागरिकों की मौतें काफी कम हुई हैं।

अमित शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने नक्सलवाद से लड़ने के लिए बिखरी और प्रतिक्रिया आधारित नीति अपनाई थी, जबकि मोदी सरकार ने एकजुट और कठोर रणनीति पर काम किया। उन्होंने कहा, जो हथियार डाल देंगे, उनका स्वागत रेड कार्पेट बिछाकर किया जाएगा, लेकिन जो निर्दोषों की हत्या करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। यह हमारी नो कन्फ्यूजन पॉलिसी है। गृह मंत्री ने बताया कि पिछले दो साल में सुरक्षाबलों ने 108 बड़े नक्सलियों को मार गिराया है। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त एंटी-नक्सल फोर्स ने नक्सलियों के खिलाफ आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर बड़ी सफलता हासिल की है। इसमें लोकेशन और मोबाइल ट्रैकिंग, फॉरेंसिक जांच, सोशल मीडिया विश्लेषण और हथियारों व फंडिंग की सप्लाई लाइन को काटना शामिल है।

भारत का नक्सलवाद के खिलाफ दशकों पुराना संघर्ष अब अपने सबसे निर्णायक दौर में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्षों की कार्रवाई के बाद सीपीआई (माओवादी) का शीर्ष नेतृत्व अब सिर्फ 13 लोगों तक सिमट गया है, जिसमें 4 पोलित ब्यूरो और 9 केंद्रीय समिति के सदस्य हैं। हालांकि, खुफिया एजेंसियों की ओर से आशंका जताई गई है कि पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के कुछ बचे हुए गुट हमला तेज कर सकते हैं। डोजियर के अनुसार, पीएलजीए का मुखिया और मोस्ट वांटेड मदवी हिडमा अब कई शीर्ष नेताओं के संपर्क में नहीं है, जिससे माओवादी संगठन का नेटवर्क और कमजोर हुआ है।

दिल्ली भाजपा के नए दफ्तर का उद्घाटन कर बोले प्रधानमंत्री

भाजपा का दिल्ली से रिश्ता सुख दुख में साथ निभाने का है

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा, आज नवरात्र के इन पावन दिनों में दिल्ली भाजपा को अपना नया कार्यालय मिला है। दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। भाजपा की स्थापना को 45 वर्ष हो गए हैं, लेकिन जिस बीज से भाजपा इतने विशाल वटवृक्ष के रूप में विकसित हुई है, उसका बीजारोपण अक्टूबर 1951 में हुआ था, जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में जनसंघ की स्थापना हुई थी। आज दिल्ली भाजपा के पास जो ताकत है, वह पिछले दशकों में हमारे लाखों कार्यकर्ताओं के त्याग और कड़ी मेहनत का परिणाम है। साथ ही देशभर के

कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए कहा, हमें यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी सुधार का लाभ आम आदमी तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दिल्ली और भाजपा का रिश्ता सिर्फ एक शहर और एक पार्टी का नहीं है, ये सेवा, संस्कार और सुख-दुख में साथ निभाने का है। पहले जनसंघ और फिर भाजपा के रूप में, हमारी पार्टी हमेशा दिल्ली के हितों के लिए प्रतिबद्ध रही है। जनसंघ की स्थापना के बाद से, हमने हर तरह से दिल्ली के लोगों की सेवा की है। आपातकाल के दौरान, जनसंघ के नेताओं ने दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर सरकारी दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। यहां तक कि 1984 के सिख दंगों के दौरान, जिसने दिल्ली की आत्मा पर गहरा आघात पहुंचाया, दिल्ली भाजपा ने हमारे सिख भाइयों की रक्षा की।

प्रधानमंत्री ने कहा, कई वर्षों के अंतराल के बाद आज दिल्ली में भाजपा की सरकार है। दिल्ली के लोगों ने अपने बेहतर भविष्य के सपने और उम्मीदें भाजपा में लगाई हैं। इसलिए नए प्रदेश कार्यालय में बैठे हर व्यक्ति की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार दिल्ली के पुनर्निर्माण में जुटी है। इसलिए जब दिल्ली भाजपा सरकार और दिल्ली भाजपा कार्यालय कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे, तो हम विकसित भारत, ▶10 पर

कनाडा सरकार के नीतिगत बदलाव का संकेत

लॉरेंस बिश्नोई गैंग आतंकी संगठन घोषित

ओटावा (कनाडा), 29 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत विरोधी खालिस्तानी आतंकियों से सहानुभूति रखने के आरोपों से कनाडा धीरे-धीरे उबरने की कोशिश रहा है। इसका प्रमाण है कनाडा सरकार का नया फैसला। कनाडा सरकार ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है और यह रेखांकित करते हुए कहा है कि कनाडा में हिंसा और आतंक के लिए कोई जगह नहीं है। कनाडा की जन सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने इस फैसले की आधिकारिक घोषणा की। सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि कनाडा सरकार ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को घोषित एवं प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल किया गया है। कनाडा में हिंसा और आतंक के कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है, खासकर उन कृत्यों के लिए जो किसी खास समुदाय को निशाना बनाकर भय और धमकी का माहौल बनाते हैं। इसीलिए, कनाडा सरकार ने बिश्नोई गिरोह को आपराधिक संहिता के तहत एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है।

जन सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने कहा, कनाडा में हर व्यक्ति को अपने घर और समुदाय में सुरक्षित महसूस करने का अधिकार है। बिश्नोई गैंग ने कुछ समुदायों को डर और हिंसा के माध्यम से निशाना बनाया है। इस गैंग को आतंकवादी सूची में डालने से हमें उनके अपराधों को रोकने और समाज में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी उपकरण मिलते हैं। कनाडा सरकार के अनुसार, अब क्रिमिनल कोड के तहत कनाडा में कुल 88 आतंकवादी संगठन सूचीबद्ध हैं। ▶10 पर

भारतीय तटरक्षक बल के कमांडरों के सम्मेलन में बोले रक्षा मंत्री

अब चुनौतियां अधिक और अत्याधुनिक हमें सक्षम होना होगा

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय तटरक्षक बल के कमांडरों के सम्मेलन में कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल गया है। अब यह मिनटों और सेकंडों में तय होता है। उन्होंने साइबर एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध को मौजूदा हकीकत बताया और भारतीय तटरक्षक बल को अत्याधुनिक तकनीक अपनाने की जरूरत पर भी बल दिया।

भारतीय तटरक्षक बल के कमांडरों के 42वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अब सिर्फ कल्पना नहीं, बल्कि हकीकत है। कोई भी दुश्मन देश हमारे सिस्टम को मिसाइल से नहीं, बल्कि हैकिंग, साइबर हमलों और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग से पंगु बना सकता है। ऐसे हालात से निपटने के लिए भारतीय तटरक्षक बल

समय के मुताबिक ट्रेनिंग और यंत्र निरंतर अपग्रेड करने होंगे

को अपने प्रशिक्षण और उपकरण लगातार अपग्रेड करने होंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वचालित निगरानी नेटवर्क और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम बेहद जरूरी हैं ताकि प्रतिक्रिया समय सेकंडों में तय किया जा सके। 7,500 किलोमीटर लंबा तटीय इलाका और अंडमान-निकोबार एवं लक्षद्वीप जैसे द्वीप भारतीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पेश करते हैं। इसके लिए प्रशिक्षित कर्मियों और आधुनिक तकनीक का होना अनिवार्य है। रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री खतरे अब बहुआयामी और तकनीकी आधारित हो गए हैं। पहले जो तस्करी या समुद्री डकैती के पैटर्न तयशुदा होते थे, अब वे जीपीएस स्पूफिंग, रिमोट-कंट्रोल नावों, एन्क्रिप्टेड संचार, ड्रोन और डार्क वेब नेटवर्क का इस्तेमाल करने लगे हैं। रक्षा मंत्री ने आगाह किया कि आतंकी संगठन भी अब डिजिटल मैपिंग और रीयल-टाइम इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं। पारंपरिक तरीके अब पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए भारतीय तटरक्षक बल को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ड्रोन, साइबर-डिफेंस ▶10 पर

बीएसएफ में निर्णय समर्थन प्रणाली का श्रीगणेश

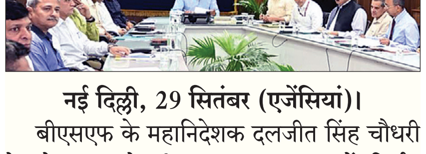

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने सोमवार को बीएसएफ मुख्यालय में निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) का शुभारंभ किया। यह निर्णय समर्थन प्रणाली, बल में सभी स्तरों पर कमांडरों की निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है। डीएसएस, बीएसएफ कमांडरों की निर्णय क्षमता को बढ़ाएगा और इसके जरिए बॉर्डर पर तस्करी के हॉटस्पॉट/घुसपैठ मार्गों का सटीक पूर्वानुमान लग सकेगा।

डीएसएस, बीएसएफ कमांडरों को कस्टम डिजाइन किए गए डैशबोर्ड के माध्यम से सिस्टम की भूमिका-आधारित पहुंच सूचित निर्णय लेने की प्रक्रिया के आधार पर संचालन की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में सक्षम बनाएगा। ▶10 पर

कप्तान सूर्य कुमार यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की बधाई पर कहा

देश का लीडर फ्रंट-फुट पर बैटिंग करे तो टीम खुल कर खेलेगी ही

दुबई/नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान को रौंदकर एशिया कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बधाई-संदेश पर कहा, अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस जीत को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़ते हुए भारतीय क्रिकेटरों को बधाई दी थी।

भारत को मिली शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बधाई संदेश में कहा था, खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर। यहां भी नतीजा वही... भारत जीता। हमारे क्रिकेटरों को इसके लिए बधाई। पीएम मोदी के इसी संदेश पर कप्तान सूर्य कुमार यादव ने कहा, अच्छा लगता है जब देश का लीडर फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करता है। यह ऐसा है जैसे वह खुद स्ट्राइक लेकर रन बना रहे हैं। यह देखकर बहुत अच्छा लगा और जब सर सामने खड़े हों तो निश्चित रूप से खिलाड़ी खुलकर खेलेंगे।

भारत की जीत के बाद उस वक्त विवाद हुआ जब भारत ने एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। भारतीय टीम ने ट्रॉफी नहीं उठाई और पुरस्कार समारोह वहीं खत्म कर दिया गया। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि नकवी ट्रॉफी लेकर अपने होटल के कमरे में चले गए हैं और बोर्ड आईसीसी से इसकी शिकायत करेगा।नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेने पर सूर्यकुमार ने कहा, मैं इसे विवाद नहीं कहूंगा। अगर आपने देखा हो, तो लोगों ने ट्रॉफी की तस्वीरें इधर-उधर पोस्ट की हैं। लेकिन असली ट्रॉफी तो तब मिलती है जब आप लोगों का, खिलाड़ियों का, अपने द्वारा अर्जित विश्वास का, सपोर्ट स्टाफ का, उनके द्वारा दिखाए गए विश्वास का और पर्दे के पीछे काम करने वाले लोगों का दिल जीतते हैं। वही असली ट्रॉफी होती है। असली ट्रॉफी मैदान पर मौजूद इतने सारे लोगों की मेहनत होती है। एशिया कप जीतने पर भारतीय कप्तान ने कहा, यह बहुत ही सुखद अहसास है। जब आप अजेय रहते हुए टूर्नामेंट जीतते हैं तो यह काफी अच्छा होता है। पूरी टीम और देश के लिए यह काफी अच्छा क्षण है।

पीएम ने कहा था: बधाई... खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर

▶10 पर

26/11 के बाद पाक पर हमले की मंजूरी नहीं दी गई थी

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

साल 2008 में मुंबई 26/11 हमले के चार दिन बाद कांग्रेस की यूपीए सरकार में गृह मंत्री बने पी चिदंबरम ने कहा कि भारत को बदला लेना चाहिए था। चिदंबरम ने कहा कि इस बारे में उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री से चर्चा भी की थी। उन्होंने कहा कि लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने सीधे प्रतिक्रिया देने के बजाए कूटनीतिक तरीका अपनाया। चिदंबरम ने कहा, मेरे मन में आया कि हमें कुछ बदला लेना चाहिए था। मैंने प्रधानमंत्री और दूसरे महत्वपूर्ण लोगों से इस बारे में चर्चा की और जाहिर है प्रधानमंत्री ने भी हमले के दौरान इस पर चर्चा की थी। उस समय पूरी दुनिया ने नई दिल्ली से कहा कि युद्ध शुरू मत करो। अमेरिका की तत्कालीन विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस उस वक्त भारत आई थी, ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन की तीसरी वार्षिक आम सभा आयोजित

सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में संगठन का सशक्त संकल्प

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन की तीसरी वार्षिक आम सभा आदिश्वर इंडिया हेड ऑफिस के प्रथम तल जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ऑफिस राजाजीनगर में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के पश्चात पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया की अनुपस्थिति में सभा की अध्यक्षता उपाध्यक्ष दिनेश कुमार बाफना ने की। उन्होंने नेटवर्किंग और जुड़ाव को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। महामंत्री विजय सिंघवी ने स्वागत किया और संगठन की गतिविधियों के समन्वय एवं हाल ही में हुए जीतो जेवर एक्सपो कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भविष्य की योजनाओं पर विचार साझा करते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन किया। उपाध्यक्ष कमल पुनमिया (मेंबर ड्राइव) ने सदस्यता विस्तार पर बल दिया। कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने वित्तीय अनुशासन व पारदर्शिता पर जोर दिया और लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। मंत्री अशोक भंडारी और पंकज एस

बलार ने अपने-अपने प्रोजेक्ट्स और योजनाओं की जानकारी दी। सहमंत्री प्रीतेश ने हॉस्टल प्रोजेक्ट्स और योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की। सह कोषाध्यक्ष किशोर एस कर्णावत ने खातों और अनुपालन की जिम्मेदारी निभाई। अरविंद कुमार टपरावत (मीडिया प्रभारी), रमेश चंद बोहरा (जीतो ऑफिस प्रोजेक्ट), दिनेश कुमार खीवेंसरा (श्रमण आरोग्यम), दिनेश लोढ़ा (कॉफी विथ जीतो), नेमी चंद दलाल (जेएलडब्ल्यू), नितेश कुमार गांधी (जैन बंधु स्कॉलरशिप), प्रमित बाफना (जेवाईडब्ल्यू), प्रवीण कुमार चौहान (विहार धाम), रमेश चंद बी दक (इंटरनेशनल ट्रिप), राकेश पोखरणा (जॉब्स), सतीश पोरवाड (सीएफई), संजय पितलिया (जेपीएफ) ने अपने अपने प्रोजेक्ट्स और योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की तथा संगठन के विस्तार में सहयोग का संकल्प लिया। नरेंद्र सिंह सामर डायरेक्टर, जीतो एपेक्स ने कहा कि हम जीतो के सदस्य बने हैं और यह हमारा कर्तव्य है कि हम सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से जुड़े रहें और साधारण सभा की बैठकों में अवश्य भाग लें। उन्होंने पूरे चैप्टर द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए कार्यों की सराहना की और शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। प्रवीण शाह डायरेक्टर इंचार्ज (यूथ विंग एपेक्स) ने राष्ट्रीय और जोनल स्तर पर संगठन की दिशा और योजनाओं को साझा किया। जीतो लेडीज विंग से लक्ष्मी बाफना ने महिलाओं को संगठन से जोड़ने और नेतृत्व की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। सुमन जैन एवं सुमन सिंघवी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सामाजिक कार्यों में आगे लाने के लिए विशेष प्रयास किए। रक्षा छाजेड़ महामंत्री ने प्रशासनिक कार्यों और गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी निभाई। जीतो यूथ विंग से आशीष टपरावत ने युवा शक्ति को संगठित कर समाजसेवा व उद्यमिता की दिशा में प्रेरित किया। गौरव दलाल एवं निकिता बड़ेरा उपाध्यक्ष ने युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और संगठन से जोड़ने पर बल दिया। आशीष टपरावत महामंत्री ने युवा विंग की सभी गतिविधियों का संचालन और रिपोर्टिंग पेश की। सभा में वरिष्ठ सदस्य जयचंद बाफना ने जीतो के सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। अंत में मंत्री मदन मुणोत ने जेबीएन प्रोजेक्ट्स की जानकारी साझा की और सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में आगामी योजनाओं पर भी विचार विमर्श किया गया तथा जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

साधना और सद्गुण ही जीवन को सार्थक बनाते हैं: साध्वी उपमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मलाजी के सानिध्य में साध्वी उपमा ने अपने प्रेरक प्रवचन में कहा कि जीवन को सुख, शांति और समाधि देने वाले छह आवश्यक केवल सुनने के लिए नहीं है, बल्कि उन्हें आचरण में उतारना आवश्यक है। सोचने मात्र से शांति नहीं आती, प्रत्येक शब्द और प्रत्येक कर्म में उसका पालन होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जन्म और मृत्यु हमारे हाथ में नहीं हैं, वे तो कर्म, समय और नियति के अधीन हैं। लेकिन जीवन और मृत्यु के बीच का यह अनमोल समय हमारे हाथ में है।

इसे कैसे जीना है, यह हम स्वयं तय करते हैं। यह अनमोल जीवन सभी को मिला है कोई राम बना, कोई रावण और कोई कृष्ण बना तो कोई कंस। जीवन सबका समान है, बस जीने का तरीका अलग-अलग है। जैसे अनेक रंगों से इंद्रधनुष बनता है, वैसे ही जब जीवन में सद्गुण आते हैं तो हमारा जीवन भी इंद्रधनुष की तरह दमक उठता है। साधना और सद्गुण ही जीवन को सार्थक बनाते हैं। जिसने साधना का मार्ग अपनाया, उसने वास्तव में अपने जीवन को सफल बनाया।

साध्वी उपमा ने आगे कहा कि जिन्दगी बहुत खूबसूरत है, बस उसे समझने और सही दिशा देने की जरूरत है।

यह जीवन हमें कंकर से शंकर और नर से नारायण बना सकता है। इस अवसर पर साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन की प्रस्तुति दी। साध्वी उपासना ने प्रवचन के उत्त-रार्ध में राजकुमार गोविंदसिंह की रोचक कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कर्म अपनी इच्छानुसार इंसान को दौड़ाता है। मनुष्य प्रायः समझ ही नहीं पाता कि उसके जीवन में क्या और क्यों घटित हो रहा है। कर्म की लीला अपरंपार है। कर्म की बनाई दीवार इतनी मजबूत होती है कि जब तक उसे भोगा न जाए, तब तक वह टूटती नहीं। कर्म का बल अद्भुत और अपार है।

इसीलिए हमें सत्कर्म करने चाहिए, जिससे जीवन का मार्ग सरल और उज्ज्वल बने। धर्मसभा में पनवेल (नवी मुंबई) श्री संघ के महामंत्री अशोक बोहरा ने अपने विचार रखे और राज-ाजीनगर संघ की सराहना की। संघ की ओर से शब्दों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। युवा अध्यक्ष धीरज नाहर ने बताया कि धार्मिक प्रीमियर लीग प्रतियोगिता 2 से 4 अक्टूबर तक आयोजित होगी। 1 अक्टूबर से उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का 21 दिवसीय आयोजन प्रारंभ होगा। सभा का आभार ज्ञापन राकेश दलाल ने किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी के पावन सान्निध्य में ज्ञानशाला के बच्चों के संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन राजराजेश्वरी नगर तेरापंथ सभा द्वारा आयोजित किया गया। शिविर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहा। शिविर का प्रारंभ साध्वीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुआ। ज्ञानशाला प्रशिक्षिका बहनों द्वारा मंगलाचरण किया गया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने आगंतुक सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षिका बहनों के श्रम की सराहना की। भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर बच्चों द्वारा गीतिका प्रस्तुत की गई एवं स्वामीजी के प्रेरक प्रसंग पर नाटक प्रस्तुत किए गए। साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि आचार्य श्री तुलसी ने ज्ञानशाला का केवल बीज ही नहीं बोया इसे प्रतिष्ठित भी किया था। वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमणजी भी ज्ञानशाला के प्रति उतने ही जागरूक है। ज्ञानशाला के माध्यम से बच्चे केवल जैन विद्या का ज्ञान ही नहीं करते अपितु जैन संस्कारों को सीखते हुए अपने जीवन को आदर्श बनाते हैं। जो बच्चे अपने गुरुजनों माता-पिता का सम्मान करते हैं वही आदर्श बच्चे कहलाते हैं।

ज्ञानशाला के माध्यम से जो छोटे-छोटे ज्ञानवर्धक कार्यक्रम होते हैं वे भी ज्ञानोपयोगी होते हैं। ज्ञानशाला के लिए माता-पिता जागरूक बने। ज्ञानशाला जो आचार्य तुलसी का सपना है यह सपना 'शुभ भविष्य है सामने' का आदर्श बने। प्रेक्षा प्रशिक्षक हेमराज सेठिया द्वारा बच्चों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं, धार्मिक हाउजी आदि साध्वी जी एवं प्रशिक्षिका बहनों द्वारा कराए गए। गांधीनगर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, ज्ञानशाला के कर्नाटक आंचलिक संयोजक माणक संचेती, बेंगलूरु क्षेत्रीय प्रभारी नीता गादिया, जोन संयोजिका पवन संचेती, ललित बैंगानी ने भाव व्यक्त किये। आर आर नगर ज्ञानशाला के प्रभारी सुशील भंसाली का शिविर आयोजन में पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका नीतू बाफना व आभार प्रिया छाजेड़ ने किया। सभी प्रशिक्षिका बहनों का पूर्ण सहयोग रहा। शिविर में अच्छी संख्या में बच्चों की उपस्थिति रही।

आयंबिल केवल तप ही नहीं बल्कि सुरक्षा चक्र: साध्वी शीतल गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने शाश्वती नवपद ओली का महत्व समझाते हुए कहा कि अमंगल को टालने का उपाय है आयंबिल। मनोकामनाओं की पूर्ति का आधार, रस परित्याग की साधना आध्यात्मिक उन्नति का अलंकार, मनोवृत्तियों पर नियंत्रण की प्रक्रिया है, अणाहारी पद की आराधना, दुर्भाग्य को दूर करने का तरीका, सौभाग्यशाली जीवन का वरदान है, आयंबिल। उन्होंने कहा कि प्रथम तीर्थकर रिषभदेव भगवान की पुत्री ने 60,000 साल तक आयंबिल कर सुंदरी जी ने शरीर की कांति को नष्ट किया और आत्मिक सुखों को प्राप्त किया। वर्धमान तप की अखंड 100 ओली पूरी करने वाले प्रथम राजा - चंद्र राजा बने। उसका फल मिला केवलज्ञान और 800 चौबीसी तक उनका नाम

अमर रहेगा। सनत चक्रवर्ती ने पूर्वभव में वर्धमान तप की ओली पूर्ण की थी। श्री नेमिनाथजी के उपदेश से द्वारिका नगरी पर आये हुए उपद्रव को टालने के लिए 12 सालों तक ओली की अखंड आराधना हुई थी। पांच पांडवों ने पूर्वभव में वर्धमान तप की ओली आराधना की थी। घातकी खंड के पद्मनाभ राजा के चंगुल में आने पर द्रौपदी ने छह महिने तक छठ्ठ के पारणे आयंबिल किये, जिससे संकट दूर हुआ। महासती दमयंती ने पूर्वभव में तीर्थंकर तप 504 अखंड आयंबिल से 24 भगवान के ललाट पर रत्न के टिके किये। चरम केवली जंबुस्वामी ने 12 साल तक छठ्ठ के पारणे आयंबिल किये। मुनिसुंदरसूरि जी ने जावज्जजीव आयंबिल करके संतिकरम स्तोत्र लिखा। सिंहसेन दिवाकर सूरिने 9 वर्ष तक अखंड आयंबिल की आराधना की। सुधर्मा स्वामी की 44वीं पाट पर हुए जगतचंद्र सूरि ने जावज्जजीव आयंबिल तप था।

धन्ना अणगार मुनि दीक्षा काल में बेले-बेले तप के पारणे आयम्बिल करके चौदह हजार साधुओं में श्रेष्ठ कहलाये। तामली तापस ने आयम्बिल करके लब्धिया प्राप्त की। भगवती सूत्रानुसार तामली तापस ने 60 हजार वर्ष तक एक अनाज का आयंबिल जैसा उग्र तप किया, इससे वे लघु कर्मी बने। आयम्बिल ओली आराधना व प्रभु पक्षाल जल से श्रीपाल राजा का कुष्ठ रोगनष्ट हुआ। इस अवसर पर साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि आयंबिल केवल तप ही नहीं बल्कि सुरक्षा चक्र है, जो भी मनुष्य आयंबिल करता है उसका शरीर निरोगी रहता है तथा बीमारियों से भी बचा रहता है। इसलिए जीवन में आयंबिल करें। इससे आत्मीय बल बढ़ता है। श्री नवपद एवं श्री नवकार मंत्र का प्रथम पद श्री अरिहंत पद है। अरिहंत प्रकृति की सर्वोच्च शक्ति हैं।

सिद्धचक्र यंत्र के मध्य में अरिहंत विराजमान हैं। वे भौतिक शरीरधारी ब्रह्माण्ड की सबसे शुद्ध आत्मा हैं।

अरि का अर्थ है शत्रु और हंत का अर्थ है संहारक। यहाँ शत्रु आंतरिक हैं और ये राग (लालसा या आसक्ति) तथा द्वेष (घृणा) हैं। अतः अरिहंत सांसारिक आसक्ति और द्वेष से मुक्त हैं और उन्हें वी-तराग कहा जाता है। अभिषेक का लाभ सुरेश कुमार मोहनलाल रतनचंद पोरवाल रिंकु पोरवाल ने लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नवयुवक मंगल दल समिति दासरहल्ली के तत्वावधान में मां भगवती पूजन के क्रम में मां भगवती के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। केम्पेगौड़ा के पटेल बेंद्रे गौड़ा काम्प्लेक्स में स्थित पूजा स्थल पर मंगलवार को भव्य जागरण होगा। इस जागरण में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। समिति अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, सचिव दीनदयाल यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र दूबे एवं कोषाध्यक्ष राजू यादव ने बताया कि विशेष अतिथि के रूप में कर्नाटक सरकार के राजस्व मंत्री बायरे गौड़, पूर्व चेयरमैन डीवी सुरेश, वरिष्ठ अधिवक्ता उदय सिंह आदि गणमान्य महाअष्टमी पूजन में शामिल होंगे। नवमी पूजन के पश्चात कुमारी कन्या पूजन होगा तथा दशमी को माता रानी को विसर्जित किया जायेगा।

सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा विधान सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्सवावधान में 47वां दशहरा महोत्सव 2025 का आयोजन प्रिंसेस श्राईन, पैलेस ग्राउंड में जारी है। सप्तमी को सुबह ग्यारह बजे बनारस से पधारे आचार्य नित्यानंद शास्त्री, आचार्य अखिलेश द्विवेदी एवं आचार्य हेमंत गौतम ने समिति पूजा अध्यक्ष मुकेश कर्ण एवं उनकी पत्नी से प्राण प्रतिष्ठा विधान सम्पन्न कराया। तत्पश्चात मां भगवती, भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय की भव्य आरती हुई। उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेकर खुद को धन्य माना। इस अवसर पर समिति सचिव सुबोध सिंह, उपाध्यक्ष

अमित सिंह, पूर्व सचिव जेपी सिंह, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे, अरविंद शर्मा, राम कंवल सिंह, राहुल कुमार पुरी, एसपी सिंह, धर्मेश केनेडी, दसई साव, सतीश श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, आशुतोष कुमार, नीरज मिश्रा, मुकुल भरद्वाज, शंभू सिंह, अंजना दुबे, शांता सिंह, देवंती देवी, सुचिता शर्मा, जसबीर सिंह आदि भक्तों ने मां भगवती की पूजा में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। सभी भक्तों ने श्रद्धा पूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। अष्टमी एवं नवमी पूजन में सायं आरती पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा किया जायेगा। समिति अध्यक्ष के के सिंह (कुमार बाबू) ने सभी मां भक्तों से आग्रह किया है कि दर्शन-पूजन का लाभ अवश्य लें। गुरुवार दशमी पूजन आरती पश्चात दोपहर तीन बजे माता की शोभायात्रा के साथ अलसुर लेक में प्रतिमा विसर्जित की जाएगी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र बोमसंद्रा के हुलिमंगला रोड पर स्थित डी. एस. मेक्स स्कॉय क्लासिक में दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। सप्तमी तिथि में मां भगवती, विघ्नहर्ता गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय समेत पूरे दरबार को सजा कर विधि-विधान से विद्वान पंडितों ने प्राण प्रतिष्ठा कराया। इस अवसर पर सोसायटी के लोगों ने पूरे भक्ति भाव से पूजा-अर्चना में भाग लिया। अष्टमी पूजन के अवसर पर क्षेत्रीय सांसद डॉ. सी एन मंजूनाथ एवं क्षेत्रीय विधायक एम कृष्णप्पा भी विशेष पूजा में भाग लेंगे। बच्चों, महिला एवं पुरुषों द्वारा सांस्कृतिक समारोह भी आयोजित किए जा रहे हैं।

सरकार ने बारिश प्रभावित इलाकों की उपेक्षा की है: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा की राज्य इकाई ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक के कल्याण और कित्तूर जिलों में पिछले एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है और राज्य सरकार ने इस पर पूरी तरह से ध्यान नहीं दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में दो टीमों ने कलबुर्गी, बीदर, रायचूर और यादगीर सहित बारिश प्रभावित इलाकों में बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया और सरकार की विफलता की कड़ी निंदा की। एक तरफ मानसून खत्म हो रहा है, दूसरी तरफ भारी बारिश हो रही है, और दूसरी तरफ महाराष्ट्र से बह रहे पानी के कारण बाढ़ की स्थिति है। हालाँकि, भाजपा ने राज्य सरकार पर उचित कदम न उठाने का आरोप लगाया है। पिछले एक हफ्ते से लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई लोगों की मौत हो गई है। कुछ जगहों पर घर ढह गए हैं, जिससे सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं। स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र भी ढह गए हैं। कम से कम शिष्टाचार के नाते, जिला प्रभारी मंत्री, विधायकों और सांसदों ने पीड़ितों से मिलकर उनका हालचाल नहीं पूछा है। भाजपा ने कहा है कि सरकार गहरी नींद में है और विपक्ष उसे जगाने का काम करेगा। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सरकार ने बारिश प्रभावित इलाकों की उपेक्षा की है।

वह हर बात के लिए केंद्र सरकार पर उंगली उठाकर अपनी जिम्मेदारी से बच रही है। मुख्यमंत्री को जिला कलेक्टरों को अपने खजाने में मौजूद धन का सही इस्तेमाल करने का निर्देश देना चाहिए। हर बात के लिए केंद्र सरकार पर उंगली उठाना ठीक नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि अगर सरकार हर बात के लिए केंद्र पर उंगली उठाती है तो क्या वह दिवालिया हो गई है? बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी, सांसद गोविंद करजोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री भगवंत खूबा, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, पूर्व सांसद उमेश जाधव, वरिष्ठ सदस्य भारती शेट्टी, रायता मोर्चा के अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली ने एक टीम के रूप में रायचूर, यादगीर, कलबुर्गी और बीदर जिलों का दौरा किया। आर. अशोक, जगदीश शेट्टर, विधायक अरविंद बेलाड, सी.टी. रवि, शशिकला जोले, सिद्दू सावदी, अभय पाटिल, सांसद रमेश जिगाजिनागी, रमेश गद्दीगौडर ने बेलगावी, बागलकोट, चिक्कोडी, विजयपुरा का दौरा किया।

कर्नाटक बारिश : मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बीदर जिले के लिए शीघ्र राहत और फसल मुआवजे का आश्वासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वन, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी मंत्री तथा बीदर जिले के प्रभारी ईश्वर बी. खंड्रे ने आश्वासन दिया है कि लगातार बारिश से हुए फसल नुकसान का मुआवजा 15 दिनों के भीतर वितरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त सर्वेक्षण शीघ्र किया जाएगा ताकि किसानों और परिवारों को समय पर राहत मिल सके। खंड्रे ने स्वीकार किया कि उत्तरी कर्नाटक के बीदर जिले में लगातार बारिश से व्यापक नुकसान हुआ है। घरों और फसलों से लेकर सड़कों, पुलों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, बिजली लाइनों, जलापूर्ति परियोजनाओं और यहाँ तक कि स्वास्थ्य सुविधाओं को भी। उन्होंने कहा मैं भारी बारिश के प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में हूँ।

अधिकारियों को अपने मुख्यालय में तैनात रहने का निर्देश दिया गया है और अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर किसी की छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। मंत्री ने आगे कहा कि राहत कार्यों में सहयोग के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें पहले से ही मौजूद हैं। उप-मंडल अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित गाँवों का अनिवार्य रूप से दौरा करने का निर्देश दिया गया है, जबकि अंतर-विभागीय टीमें तत्काल प्रतिक्रिया के समन्वय के लिए सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में डेरा डालेंगी।

उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्नाटक सरकार बाढ़ पीड़ितों की शिकायतों को सीधे सुनने और किसानों को पूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। खंड्रे ने रविवार शाम को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और मंत्री रहीम खान के साथ बाढ़ प्रभावित जिले के लिए विशेष पैकेज की मांग की। कृषि पर पड़े प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए खंड्रे ने कहा कि अगस्त में हुई अप्रत्याशित भारी बारिश से पहले ही 25 प्रतिशत फसल का नुकसान हो चुका है। सितंबर में जारी भारी बारिश के कारण, अरहर, कपास, दालें और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं, जिससे किसान गंभीर संकट में हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण और विशेष राहत पैकेज के उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। कर्नाटक सरकार बीदर के लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। समय पर राहत और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा। बीदर हाल के दिनों में अत्यधिक बारिश से प्रभावित हुआ है, पिछले सप्ताह 199 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र में मंजरा बांध से मंजरा नदी में पानी छोड़े जाने के कारण हुई मूसलाधार बारिश से 157 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लगभग 100 घर जलमग्न हो गए हैं।

94,272 हेक्टेयर से अधिक की फसलें प्रभावित हुई हैं और प्रारंभिक सर्वेक्षण कर्नाटक सरकार को सौंप दिए गए हैं। आठ पशुओं की मौत की सूचना मिली है, हालाँकि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

नेलमंगला टोल प्लाजा के पास सड़क पर गिरा कंटेनर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नेलमंगला टोल प्लाजा के पास एक कंटेनर ट्रक, जिसका चालक नियंत्रण खो बैठा था, सड़क पर गिर गया। तुमकुरु से बेंगलूरु आ रहे इस कंटेनर ट्रक पर चालक का नियंत्रण नहीं रहा और वह टोल प्लाजा के पास सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। अगर पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे वाहन होते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। सुबह का समय होने के कारण वाहनों की संख्या कम थी, इसलिए कोई हादसा नहीं हुआ। शनिवार और रविवार को अपने गृहनगर और तुमकुरु दशहरा के लिए गए लोग सोमवार सुबह जब बेंगलूरु लौट रहे थे, तो हादसे के कारण कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। खबर मिलते ही नेलमंगला ट्रैफिक पुलिस स्टेशन और टोल प्लाजा के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुँचे और यातायात सुचारू करने के लिए क्रेन की मदद से वाहन को हटाया।

कन्नड़ नाटककार, अभिनेता यशवंत सरदेशपांडे का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हास्य नाटकों के लिए प्रसिद्ध नाटककार, अभिनेता और निर्देशक यशवंत सरदेशपांडे (60) का सोमवार को बेंगलूरु में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी मालती (जो स्वयं भी एक अभिनेत्री हैं) और एक बेटी हैं। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बसवना बागेवाडी तालुक के उक्काली में जन्मे यशवंत की बचपन से ही रंगमंच में रुचि उन्हें हेगोडु के निनासम थिएटर स्कूल ले गई, जहाँ से उन्होंने रंगमंच में डिप्लोमा प्राप्त किया। रंगमंच में शुरुआती संघर्ष के बाद, यशवंत ने निनासम के अन्य स्नातकों की मदद से हुब्बल्ली में एक रंगशाला 'गुरु संस्था' की स्थापना की। मराठी से अनुवादित 'ऑल द बेस्ट' से उन्हें प्रसिद्धि मिली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी पत्नी मालती भी इस टीम का हिस्सा थीं। कॉमेडी फिल्म ऑल द बेस्ट की सफलता के बाद, इस टीम ने कुछ और सफल कॉमेडी फिल्में भी बनाईं। बाद में उन्होंने टेलीविजन और कन्नड़ फिल्मों में कदम रखा और कमल हासन, अरविंद अभिनीत फिल्म रामा शामा भामा में उत्तर कर्नाटक बोली में उनके संवादों के लिए उन्हें प्रशंसा मिली। उन्होंने कन्नड़ कॉमेडी फिल्म आइडिया मद्यारा, नागालिंके का निर्माण और निर्देशन किया, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। उन्होंने रंगमंच में अपनी प्रस्तुतियाँ जारी रखीं। यशवंत ने रंगमंच गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हुब्बल्ली में एक एकड़ जमीन पर एक ऑडिटोरियम और अन्य सुविधाओं के साथ एक थिएटर स्कूल बनवाया था, जो योजना के अनुसार नहीं चल पाया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर और बसवराज बोम्मई, कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

कुमारस्वामी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में देखभाल केंद्र खोलने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने मांग की है कि कल्याण कर्नाटक के हर बाढ़ प्रभावित तालुका में देखभाल केंद्र खोले जाएँ और लोगों को सभी आपातकालीन सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध कराई जाएँ। उन्होंने कहा एक केंद्रीय मंत्री के रूप में, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। केंद्र हमारे लोगों की भलाई और उनकी सुरक्षित आजीविका सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। ऐसे समय में जब कल्याण कर्नाटक के कलबुर्गी, विजयपुरा, बीदर, रायचूर और कोप्पल सहित विभिन्न जिलों में भारी बाढ़ के कारण लोग भारी कठिनाई का सामना कर रहे हैं, सभी के जीवन की रक्षा करना और उन्हें आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं उनकी कुशलता की कामना करता हूँ। इन सभी जिलों में भोजन, पेयजल, कपड़े, कंबल और आपातकालीन दवाओं का पर्याप्त भंडार बिना किसी देरी के पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मियों से बचाव कार्यों में तेजी लाने और बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा पर अधिक ध्यान देने का आग्रह किया। छात्रों पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। स्कूलों, छात्रावासों और शैक्षणिक संस्थानों को तत्काल अस्थायी राहत एवं स्वास्थ्य केंद्रों में परिवर्तित किया जाना चाहिए और बाढ़ प्रभावित परिवारों और छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान पर आश्रय की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। इन जिलों में जान-माल के नुकसान के अलावा, फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है।

किसानों की स्थिति अत्यंत दयनीय है और उन्हें उचित एवं समय पर राहत प्रदान की जानी चाहिए। इससे उन्हें अपनी आजीविका पुनः प्राप्त करने में मदद मिलेगी। पशुधन और पशु अत्यधिक संकट में हैं। विशेष रूप से मवेशियों, जो कृषक समुदाय की जीवन रेखा हैं, को चारा, आश्रय और चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि जन स्वास्थ्य और पशु स्वास्थ्य टीमों को हर समय सतर्क रखा जाना चाहिए। गौरी गणेश उत्सव के दौरान, बीदर, विजयपुरा, यादगीर और कलबुर्गी जिले पहले ही भारी बारिश के कारण संकट में हैं। उन्होंने कहा कि आयुध पूजा, दशहरा और दिवाली के दौरान लोगों को फिर से परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए। इसलिए, राहत कार्य निरंतर जारी रहना चाहिए। कुमारस्वामी ने कहा, स्थिति की समीक्षा करने और राहत उपायों का त्वरित समन्वय सुनिश्चित करने के लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से कलबुर्गी, यादगीर, विजयपुरा, बीदर और रायचूर के जिला कलेक्टरों से फोन पर बात की है और उन्हें राहत कार्यों और हुए नुकसान के बारे में जानकारी लेने के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।

अम्बारी जुलूस की तैयारी पूरी : पिछले साल की तुलना में इस बार पर्यटकों की संख्या बढ़ी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दशहरा की आकर्षक जम्बू सवारी की पृष्ठभूमि में सोमवार को महल परिसर में एक पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। विजयादशमी के दिन, कैप्टन अभिमन्यु अधिदेवी चामुंडेश्वरी माता को स्वर्ण अम्बारी में विराजमान करेंगे। इस पृष्ठभूमि में, अभिमन्यु आनंद, पुलिस बैंड, घुड़सवार सेना और पुलिस बल ने मार्च करते हुए पूर्वाभ्यास किया। जम्बू सवारी की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और गजपड़े के लिए पूर्वाभ्यास का अंतिम चरण आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष 8 दिनों में 4 लाख पर्यटक आए थे। इस बार 7 दिनों में 4 लाख पर्यटकों ने आकर एक रिकॉर्ड बनाया। दशहरा की भव्यता देखने के लिए राज्य और बाहरी राज्यों से उम्मीद से ज्यादा पर्यटक आ रहे हैं। अगले चार दिनों में पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। इस बार दशहरा में उम्मीद से ज्यादा पर्यटक आ रहे हैं और होटलों का कारोबार भी खूब चल रहा है। गौरतलब है कि पिछले 7 दिनों में 60 हजार लोग चिड़ियाघर, एक लाख लोग महल, 2 लाख लोग दशहरा प्रदर्शनी, 1.30 लाख लोग चामुंडी हिल्स, 70 हजार लोग फूड फेयर और 20 हजार से ज्यादा लोग पुष्प प्रदर्शनी देखने आ चुके हैं। इस बार अंतरराज्यीय पर्यटक वाहनों को कर में छूट दी गई है। खास तौर पर, मैसूरु शहर ही नहीं, बल्कि श्रीरंगपट्टनम और केआरएस जलाशय जाने वाले वाहनों को भी कर में छूट दी गई है। जैसे-जैसे दिन ढलता है और रात गहराती है, बिजली की रोशनी से जगमगाती सांस्कृतिक नगरी की खूबसूरती को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

बेलगावी जिले के हुक्केरी तालुक में कट्टी परिवार ने बिजली सहकारी समिति बरकरार रखी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रमेश कट्टी और पूर्व मंत्री ए. बी. पाटिल के नेतृत्व वाले स्वाभिमान पैनल ने सोमवार को कर्नाटक के बेलगावी जिले के हुक्केरी में ग्रामीण विद्युत सहकारी समिति लिमिटेड के चुनावों में सभी 15 सीटें जीत लीं। कट्टी परिवार 1980 के दशक से इस समिति का अध्यक्ष रहा है। यह 25 वर्षों में पहला चुनाव था, क्योंकि इससे पहले हुए सभी पाँच चुनावों में कोई मुकाबला नहीं हुआ था। रविवार को हुए चुनावों में एक कट्टी परिवार के नेतृत्व वाले पैनल और दूसरे अन्ना साहेब जोले के नेतृत्व वाले पैनल, जो जारकीहोली बंधुओं के साथ गठबंधन में थे, के बीच कड़ा मुकाबला था। 15 निदेशकों के पदों के लिए 32 उम्मीदवार थे। 60,046 मतदाताओं में से 41,050 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। परिणाम 29 सितंबर की सुबह घोषित किए गए।

चुनाव प्रचार दलीय सीमाओं से परे था और व्यक्तित्वों पर केंद्रित था। जहाँ भाजपा और कांग्रेस में फैले जारकीहोली बंधुओं ने अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया, वहीं दूसरी ओर पाटिल और भाजपा विधायक निखिल कट्टी, जो रमेश कट्टी के भतीजे हैं, प्रचार में शामिल हुए। हुक्केरी में पूर्व मंत्री उमेश कट्टी पर एक पुस्तक के विमोचन के दौरान भाजपा से निष्कासित नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और राज्यसभा सदस्य इरन्ना कडाडी भी प्रचार अभियान में शामिल हुए। हालांकि, मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी और बेलगावी जिले के दोनों दलों के कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं ने प्रचार अभियान से दूरी बनाए रखी। जैसे-जैसे प्रचार अभियान आगे बढ़ा, चुनाव कुछ प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रहा। जारकीहोली बंधुओं ने कट्टी परिवार पर लापरवाही, कुप्रशासन और समाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया। रमेश कट्टी ने हुक्केरी तालुका में बाहरी लोगों के हस्तक्षेप की कोशिश करने का आरोप लगाया। कुछ निर्देशकों ने यह भी कहा कि चुनाव लिंगायत बनाम गैर-लिंगायत की लड़ाई का मैदान बनता जा रहा है। सतीश जारकीहोली ने दावा किया कि उनका परिवार हुक्केरी तालुका के जारकीहोली गाँव से है, लेकिन अब गोकक में बस गया है। बालचंद्र जारकीहोली ने जातिगत भेदभाव की बात से इनकार करते हुए कहा कि उनके लिंगायतों के साथ हमेशा से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं और उनके पैनल के एक प्रमुख सदस्य जोले, अपने आप में एक लिंगायत नेता हैं। रमेश कट्टी ने नतीजों की घोषणा के बाद पत्रकारों से कहा हुक्केरी के मतदाताओं ने तय कर लिया है कि हमारे तालुका की संस्थाएँ अंदरूनी लोगों के पास ही रहनी चाहिए और बाहरी लोगों को जगह नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जोले-जारकीहोली गठबंधन ने उनके मतदाताओं और समाज के नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश की, लेकिन बुरी तरह विफल रहा। उन्होंने कहा उन्हें यह समझना चाहिए कि बल प्रयोग और पैसा हर समय काम नहीं आता। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने निजी राजनीतिक अधिकार क्षेत्र का विस्तार करेंगे। उन्होंने कहा मैं अपने समर्थकों का आधार बनाने के लिए पूरे जिले और उत्तरी कर्नाटक का दौरा करूँगा। मैं निप्पानी, गोकक, अरबवी और यमकनमराडी का दौरा करूँगा और मौजूदा विधायकों का मुकाबला करने के लिए युवा नेताओं को तैयार करूँगा। पूर्व मंत्री और अन्ना साहेब जोले की पत्नी शशिकला जोले निप्पानी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। गोकक सीट से रमेश जारकीहोली, अरबवी से बालचंद्र जारकीहोली और यमकनमराडी से सतीश जारकीहोली विधायक हैं। अपने और अपनी पार्टी के सहयोगी अन्ना साहेब जोले के बीच मतभेदों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर, रमेश कट्टी ने कहा कि यह राजनीतिक है, व्यक्तिगत नहीं। हालांकि, मेरे पास उनके लिए एक सलाह है। उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे किससे दोस्ती करते हैं। यह संभव है कि आपके नए दोस्त आपको गुमराह कर सकते हैं, खासकर अगर वे आपके व्यक्तित्व की तलाश में नहीं, बल्कि आपके पैसे की तलाश में आपके पास आए हों। एक सवाल के जवाब में, रमेश कट्टी ने कहा कि वह भाजपा के एक अनुशासित सिपाही हैं और पार्टी आलाकमान के निर्देशों का पालन करेंगे। जोले और कट्टी परिवार के बीच मतभेद हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के बाद शुरू हुए, जिसमें अन्ना साहेब जोले, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका जारकीहोली से हार गए थे। अन्ना साहेब जोल्ले को रमेश कट्टी पर कांग्रेस उम्मीदवार (प्रियंका जारकीहोली) के साथ मिलीभगत और विश्वासघात का संदेह है।

उन्होंने बालचंद्र जारकीहोली के साथ गठबंधन किया और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक में दलबदल करवाया जिससे रमेश कट्टी को सत्ता से बेदखल होना पड़ा।

सरकार पीड़ितों की मदद के लिए निरंतर प्रयास कर रही है: खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण कलबुर्गी, यादगीर और विजयपुरा जिलों में भीमा नदी बेसिन के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं और सरकार लोगों के पुनर्वास के लिए अथक प्रयास कर रही है। प्रभावित क्षेत्रों के ड्रोन वीडियो अपने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि कर्नाटक के भीमा जलाशय क्षेत्रों के जिलों में स्थिति चुनौतीपूर्ण है। लगातार बारिश और नदियों के उफान के कारण कई गाँवों में बाढ़ आ गई है और सड़क संपर्क टूट गया है। लोगों की जान बचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लगभग 8,000 लोगों को पहले ही निकाला जा चुका है। उन्होंने राहत केंद्रों में शरण ली है जहाँ भोजन, पानी और चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ और सभी विभाग पशुधन को बचाने और आजीविका को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। लोगों का जीवन सामान्य होने तक हर संभव प्रयास किए जाएँगे और आवश्यक आपूर्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। साझा की गई फुटेज में भीमा नदी के किनारे बारिश से हुए नुकसान की भयावहता दिखाई दे रही है। गाँव के गाँव जलमग्न हो गए हैं। सड़कें, पुल और बुनियादी ढाँचा बह गया है।

नव पद की आराधना जीवन को बदलने वाली: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि नव पद की आराधना अब शुरू हो गई है। जिसमें नवकार मंत्र का स्मरण करते हैं।

नवकार मंत्र की आराधना नौ दिनों में की जाती है। जप में अगर तप मिल जाए तो सोने में सुहागा हो जाता है। ऐसे ही नवकार की महिमा अपार होती है। नव पद की महिमा भव भव में मंगलकारी होती है। इसकी महिमा इतनी भारी होती है कि भवों को सुधार देती है। यह आगम ज्ञान का भंडारी होता है। मनुष्य इसकी महीना से अनभिज्ञ है। हाथ में हीरा होने के बाद भी मनुष्य अज्ञानता में घूम रहा है। ऐसे नव पद की आराधना होने के बाद भी मानव अपना जीवन बदल नहीं पा रहा है। जैसे संपत्ति का सम्राट अगर भिक्षा मांगे तो इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है। ऐसे ही नव पद की आराधना होने के बाद भी मनुष्य अगर भटक रहा है तो यह विडंबना ही है। सब कुछ होने के बाद भी मनुष्य अगर भटक रहा है तो यह उसके अज्ञानता की वजह से ही है। जब तक अज्ञानता दूर नहीं होगी मनुष्य भटकता ही रहेगा। कषाय और कर्म ही मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु होते है। मनुष्य की वृत्तियां ही शत्रु है। जो आत्मा के शत्रु का हनन करते है उनको तीनों लोक में पूजा जाता है। ये अपना है, पराया है, छोटा है बड़ा है, इन चीजों से ऊपर उठने वाला ही महान होता है। अगर गलती हुई है तो भले ही शिष्य हो उससे क्षमा मांग लेना चाहिए। ऐसा सिर्फ महान लोग ही कर सकते हैं। ऐसे ही हमारे अरिहंत भगवान थे। आयंबिल करने से मनुष्य के सभी दुख मिट जाते है। जैसे साबुन मनुष्य के शरीर की गंदगी को साफ करता है। वैसे ही आयंबिल तप आत्मा का कल्याण करती है। आयंबिल करने वाला मानव आत्मा को तपा कर कर्मो की निर्जरा कर लेता है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

समुद्र तट पर खेल और स्वच्छ तट वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करेंगे : डीसी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंदिरों के शहर के रूप में प्रसिद्ध, उडुपी अब वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपने मनोरम समुद्र तटों को बढ़ावा देकर अपना दायरा बढ़ा रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर मालपे बीच पर बोलते हुए, उपायुक्त स्वरूपा टी. के. ने कहा कि जिला समुद्र तटीय खेलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सतत पर्यटन पहलों के माध्यम से तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग और जिला एथलेटिक संघ द्वारा आयोजित समुद्र तटीय खेल प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला का शुभारंभ करते हुए, उपायुक्त ने कहा कि उडुपी का समुद्र तट साहसिक और अवकाश पर्यटन, दोनों के लिए अपार संभावनाओं से भरा है। उन्होंने कहा मंदिर पर्यटन के साथ-साथ, उडुपी के प्राचीन समुद्र तट अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। हम आने वाले दिनों में जल और वायु खेलों को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। पर्यटन आकर्षण बढ़ाने में स्वच्छता की भूमिका को रेखांकित करते हुए, स्वरूपा ने कहा कि स्वच्छता और प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के लिए आठ समुद्र तटों पर स्वच्छता सप्ताह अभियान पहले ही चलाए जा चुके हैं। उन्होंने जनता से समुद्र तट पर होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने और उडुपी को कर्नाटक में सतत पर्यटन के एक आदर्श के रूप में स्थापित करने में सहयोग करने का आग्रह किया। उडुपी नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रभाकर पुजारी ने उनकी भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि समुद्र तट पर्यटन को निरंतर समर्थन मिलेगा और स्वच्छ एवं सुरक्षित तटीय क्षेत्रों को सुनिश्चित करते हुए पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए और अधिक सार्वजनिक कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है। यह पहल पर्यटन विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने के व्यापक प्रयास को भी दर्शाती है। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त आबिद गफूर, शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिनाकर हेरुर, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक यादव, जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष हरिप्रसाद राय, जिला गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अशोक कोडवूर, उद्यमी प्रतिभा कंचन और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डिजाइन योर लाइफ नामक तीन दिवसीय शिविर संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान एवं साध्वी श्री शशिप्रभा जी के सान्निध्य में जैन भवन में आयोजित डिजाइन योर लाइफ त्रि दिवसीय शिविर संपन्न हुआ। प्रस्तुत शिविर में 13 वर्ष से ऊपर की अविवाहित बच्चियों को ज्ञानार्जन के साथ योग, स्वास्थ सुरक्षा, भाषा विनय, आवेश पर नियंत्रण, गुड टच बेड टच के बारे में बताया गया। साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने समापन उद्बोधन में कहा कि शिविर में ज्ञानार्जन के साथ आकर्षक पद्धति से समझाना जरूरी है और बच्चों की रुचि अनुसार ही विषय होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हम मात्र बोले नहीं, शिविरार्थियों की भी सुने। साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने छोटी छोटी रोचक जानकारियां दी। भरत बोहरा ने वर्तमान तकनीक के बारे में विस्तार से समझाया। शिविरार्थियों को संघ की ओर से धनपत राज तातेड ने पुरस्कृत किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले एक दिवसीय शिविर की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अध्यापक वर्ग को पुरस्कार प्रदान किए। शिविरार्थियों ने गीतिका और संवाद के जरिए अपनी अभिव्यक्ति दी। इस अवसर पर तेजराज तातेड, उगमराज मुथा, सुनील कावड़िया, जसवंत मकाना, लोकेश तातेड, संदीप छाजेड़ सहित अनेक जन उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित गांवों की संख्या 85 हुई

कलबुर्गी में 6,664 लोगों को बचाया गया, 53 राहत केंद्र स्थापित किए गए

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में भीमा नदी के उफान से प्रभावित गाँवों की संख्या रविवार को बढ़कर 85 हो गई। लगातार बारिश और पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से भारी मात्रा में पानी आने के कारण बाढ़ आ रही है। जमीनी स्तर पर बचाव और राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही उपायुक्त फौजिया तरन्नुम ने बताया कि 53 राहत केंद्र खोले गए हैं और 6,664 लोगों को बचाया गया है।

उन्होंने कहा बचाव अभियान सभी प्रभावित तालुकों - अफजलपुर, जेवरगी, कलबुर्गी, चित्तपुर, चिंचोली, सेदम, कलगी और शाहाबाद - में चलाया जा रहा है। कुल 3,050 पुरुषों, 2,270 महिलाओं और 1,344 बच्चों को पास के राहत केंद्रों में पहुँचाया गया है, जहाँ उन्हें भोजन, आवश्यक सुविधाएँ और स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित जाँच प्रदान की जा रही है। आने वाले दिनों में बारिश का अनुमान है, इसलिए सोना और बेनेटोरा बैराज से पानी का बहाव बढ़ने की उम्मीद है। बचाव कार्यों में सहायता के लिए, चित्तपुर तालुका के वाडी में एनडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम और अफजलपुर तालुका के मन्नूर में

एसडीआरएफ की एक टीम तैनात की गई है। पुलिस, होमगार्ड और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मुस्तैद हैं और राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। तरन्नुम ने आगे कहा बाढ़ प्रबंधन को मजबूत करने के लिए, प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत केंद्रों पर 39 अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मानव और पशु हताहतों को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। बाढ़ के पानी ने सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया है और कई पुल जलमग्न हो गए हैं, जिससे परिवहन बाधित हुआ है। पुलिस को वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। लगातार बारिश से घरों के गिरने का खतरा बढ़ गया है और निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया जा रहा है। लोगों को घबराना नहीं चाहिए। जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। अधिकारियों ने नदियों में जाने के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। नदियों में तैरना, जोखिम भरे स्टंट, कपड़े धोना, मवेशी चराना या मछली पकड़ना सख्त मना है। निवासियों को सलाह दी गई है कि वे पुलों, नदी के किनारों, मंदिरों, मस्जिदों और नदी के किनारे स्थित अन्य प्रार्थना स्थलों से बचें, और खतरनाक स्थानों पर सेल्फी या तस्वीरें लेने से बचें। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष अजय सिंह, कर्नाटक राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी.आर. पाटिल और अन्य नेताओं ने रविवार को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

आतंकियों ने काटना छोड़ा तो कश्मीरियों को काटने लगे कुत्ते-बिल्ली

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 29 सितंबर।

अभी तक जम्मू कश्मीर आतंकवादियों के काटने से जूझ रहे थे। कटखने आतंकी जब गुमसुदा होने लगे तो अब कश्मीरियों को कुत्ते-बिल्लियों ने काटना शुरू कर दिया। पहले तो कुत्तों ने कश्मीरियों को खूब काटा। अब बिल्लियों ने काटना शुरू कर दिया है। बिल्लियों के काटने के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं।

कश्मीर में रेबीज संकट आवारा कुत्तों का पर्याय रहा है। एक सर्वेक्षण में अकेले श्रीनगर शहर में 91,000 से अधिक कुत्तों की गिनती की गई थी, यानि हर 12 कश्मीरियों पर एक कुत्ता। एसएमएचएस अस्पताल के एंटी-रेबीज क्लिनिक (एआरसी) में कुत्तों के काटने के लगभग 80 प्रतिशत मामले शहरी इलाकों से आते हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह संख्या 20 प्रतिशत है। लेकिन ताजा आंकड़े एक नया मोड़ दिखाते हैं। बिल्लियां भी धीरे-धीरे इस समस्या को बढ़ा रही हैं। एआरसी के आंकड़े पिछले चार वर्षों में बिल्लियों के काटने के मामलों में तेजी से वृद्धि दर्शाते हैं। 2020-21 में बिल्लियों के काटने के 1,086 मामले सामने आए, जबकि कुत्तों के काटने के 3,693 मामले सामने आए। 2024-25 तक, बिल्लियों के काटने के मामले बढ़कर 5,717 हो गए, जो कुत्तों के काटने के लगभग बराबर 6,205 थे।

इस साल, यह रुझान उलट गया है। अप्रैल और सितंबर 2025 के बीच, क्लिनिक में कुत्तों के काटने के 3,799 और बिल्लियों के काटने के 4,394 मामले दर्ज किए गए। पहली बार बिल्लियों ने कुत्तों को पीछे छोड़ दिया है। अगर यही रुझान जारी रहा, तो विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि मार्च 2026 तक जानवरों के काटने के कुल मामलों की संख्या 15,000 को पार कर सकती है, जो कश्मीर के इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा आंकड़ा है।

एआरसी से प्राप्त आंकड़े कुत्तों के काटने के मामलों में बदलाव और उछाल की कहानी बयां करते हैं। 2020-21 में, रिकार्ड के अनुसार कुत्तों से जुड़े 3,693 मामले, बिल्लियों से जुड़े 1,086 मामले और अन्य श्रेणी के 19 मामले दर्ज किए गए। इससे उस वर्ष कुल संख्या 4,798 हो गई। अगले वर्ष, 2021-22 में कुत्तों के आंकड़ों में वृद्धि देखी गई, जो बढ़कर 4,850 हो गए, जबकि बिल्लियों की संख्या घटकर 602 हो गई। अन्य श्रेणी में मामूली गिरावट आई और यह 17 हो गई। इस वर्ष कुल मिलाकर 5,469 मामले दर्ज किए गए।

2022-23 में, यह वृद्धि जारी रही और कुत्तों में 5,865 मामले दर्ज किए गए। बिल्लियों में भी 959 मामले दर्ज किए गए, और अन्य मामलों की संख्या बढ़कर 31 हो गई। इस प्रकार, वर्ष का कुल आंकड़ा 6,855 हो गया। वर्ष 2023-24 में और वृद्धि देखी गई, हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में बिल्लियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई। कुत्तों की संख्या 5,386 दर्ज की गई, जबकि बिल्लियों की संख्या नाटकीय रूप से बढ़कर 2,824 हो गई। अन्य मामलों की संख्या भी बढ़कर 442 हो गई। इन सबने मिलकर वर्ष का कुल आंकड़ा 8,652 तक पहुंचा दिया। 2024-25 तक, यह आंकड़ा नए शिखर पर पहुंच गया। कुत्तों की संख्या 6,205 तक पहुंच गई, बिल्लियों की संख्या दोगुनी होकर 5,717 हो गई, और अन्य मामलों की संख्या थोड़ी बढ़कर 515 हो गई। इस वर्ष कुल संख्या उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 12,437 हो गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। 2025-26 के लिए, जो अप्रैल से 28 सितंबर की अवधि को कवर करता है, आंकड़े पहले से ही पर्याप्त संख्या दर्शाते हैं। कुत्तों की संख्या 3,799, बिल्लियों की संख्या 4,394 और अन्य की संख्या 150 है, जिससे वर्ष के आधे समय में ही कुल संख्या 8,346 हो जाती है।

लेह की हिंसा से लद्दाख का पर्यटन उद्योग जख्मी

जम्मू, 29 सितंबर (ब्यूरो)। लेह की हिंसा से लद्दाख का पर्यटन उद्योग जख्मी हो गया है। लेह हिंसा के परिणामस्वरूप विंटर टूरिज्म की 50 प्रतिशत से अधिक बुकिंग कैंसिल हो गई हैं। जो पर्यटक अभी लेह में हैं वे किसी तरह से अपने घरों को लौट जाना चाहते हैं। कर्फ्यू के दौरान इन पर्यटकों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग पर बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख में हुई हिंसा में 4 लोगों की मौत के बाद कर्फ्यू लागू कर दिया गया और उस कारण लद्दाख का पर्यटन स्तब्ध हो गया। यहां तक कि इस हिंसा के कारण लद्दाख महोत्सव को भी बीच रास्ते में खत्म कर देना पड़ा था। ऐसा पहली बार है कि लद्दाख में इस प्रकार की हिंसा हुई। अभी तक लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिलवाने के लिए लद्दाखियों ने जो आंदोलन 30 साल तक चलाया था उस दौरान भी ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला था। यही नहीं इस 30 सालाना आंदोलन के दौरान लद्दाख में पर्यटकों का आना कभी थमा नहीं था।

पर अब परिस्थितियां बदल गई हैं। एक सप्ताह से लेह कर्फ्यू पाबंदियों से जूझ रहा है और होटलों में अंटके पर्यटकों को तमाम पाबंदियां झेलनी पड़ा रही हैं।

होटल मालिकों ने भी सुविधाएं मुहैया कराने में असमर्थता जता दी है। अधिकतर पर्यटक अपने घरों को लौटने के लिए हवाई जहाज की टिकटों के लिए बहुत ज्यादा कीमतें भी चुका रहे हैं। लद्दाख के विंटर टूरिज्म का सबसे प्रमुख आकर्षण चद्दर ट्रैक के अतिरिक्त कई और अन्य गतिविधियां भी होती हैं। इसके लिए बुंकिग अभी से होनी आरंभ हुई थी पर ताजा घटनाक्रम के बाद टूर ऑपरेटरों के पास बुकिंग रद्द करने के फोन आ रहे हैं।

सीतारमण ने करूर भगदड़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी

चेन्नई, 29 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु के करूर में अभिनेता विजय की रैली में मची भगदड़ में मारे गये 41 लोगों के परिजनों से सोमवार को मुलाकात की। वित्त मंत्री ने 27 सितंबर की रात मची भगदड़ में मारे गए सात वर्षीय कृतिक यादव के परिजनों को गले लगाकर अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। उस घटना को याद कर रोती हुयी एक महिला ने मंत्री को बताया, भीड़ से दबकर वह गिर पड़ा और जब हमने उसे बचाया तो उसने सांस लेने में तकलीफ़ की शिकायत की। इलाके में कई अस्पताल हैं और पुलिस उसकी जान बचा सकती थी।

इसके बाद उन्होंने 60 वर्षीय अरुक्कनी, 10 वर्षीय पृथिक और 32 वर्षीय रवि कृष्णन के परिवारों से मुलाकात की। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और स्थानीय भाजपा नेता भी थे। सभी घरों में अंतिम संस्कार के लिए लगाये गये शामियाने अभी तक नहीं हटाये गये हैं।वित्त मंत्री के साथ केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक वनथी श्रीनिवासन सहित भाजपा नेताओं की एक टीम थी। उन्होंने उस स्थल का निरीक्षण किया जहां अभी भी हजारों जूते बिखरे पड़े थे,जो एक भयावह तस्वीर पेश कर रहे थे।एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें उस स्थल पर रैली के लिए अनुमति संबंधी कारणों की जानकारी दी और बताया कि टीवीके आयोजकों ने जिन स्थानों पर रैली का आग्रह किया था वे व्यावसायिक प्रतिष्ठान और घनी आबादी वाले थे।उन्होंने कहा, इरोड राजमार्ग से जुड़ा वेलुसामीपुरम वही स्थल है जहां अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने हाल ही में एक रैली की थी जिसमें लगभग 15,000 लोग शामिल हुए थे। टीवीके को 10,000 लोगों के आने उम्मीद थी लेकिन वास्तविक संख्या उनके अनुमान से कहीं अधिक थी।भगदड़ स्थल का निरीक्षण करने के बाद श्रीमती सीतारमण ने सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया जहां रैली में घायल हुए लोगों का इलाज चल रहा है। उन्होंने घायलों से उनकी चोटों और इलाज के बारे में पूछताछ की।

समृद्ध, मजबूत और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे अधिकारी: मुर्मू

नई दिल्ली, 29 सितम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अधिकारियों से कहा है कि वे लगन और निष्ठा के साथ कार्य कर समृद्ध, मजबूत और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारी ईमानदार प्रयासों के माध्यम से यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत विश्व के समक्ष शक्ति और प्रगति के आदर्श के रूप में स्थापित हो।

भारतीय सांख्यिकी सेवा, भारतीय कौशल विकास सेवा और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से भेंट की।राष्ट्रपति ने भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ठोस नीति निर्माण और कार्यान्वयन सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि आंकड़ों पर आधारित दुनिया में सांख्यिकी की प्रासंगिकता बहुत बढ़ गई है।

उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों के संकलन और विश्लेषण में सांख्यिकी अधिकारियों के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनके कार्य में विशेषज्ञता का अधिक महत्व है जिसका उपयोग देश की बढ़ती आंकड़ों और सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाता है।

राष्ट्रपति ने भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल और ज्ञान किसी भी राष्ट्र के आर्थिक विकास तथा सामाजिक प्रगति के सच्चे इंजन हैं।

उच्च कुशल कार्यबल वाले देश वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं। जैसे-जैसे भारत प्रौद्योगिकी-संचालित विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है यह आवश्यक है कि हमारे युवा उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं । उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा आईएसडीएस अधिकारी विशिष्ट कौशल प्रशासकों के रूप में सुदृढ़ और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इंजीनियर किसी भी देश की तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने सीपीडब्ल्यूडी जैसे संगठनों से इन पहलों के लिए तकनीकी आधार प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि विकास सतत हो।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा , वे न केवल नीति कार्यान्वयन में, बल्कि प्रभावी फीडबैक के माध्यम से नीति निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

सेवा और सभी के विकास, विशेषकर कमज़ोर और हाशिए पर पड़े वर्गों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, देश के विकास की गति निर्धारित करेगी। उन्होंने कहा कि लगन और निष्ठा के साथ सेवा करके, अधिकारी अधिक समृद्ध, मजबूत और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने कहा , अपने ईमानदार प्रयासों के माध्यम से, वे यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत विश्व के समक्ष शक्ति और प्रगति का एक आदर्श बन सके।

ग्रेनेड विस्फोट में सेना का जवान शहीद

जम्मू, 29 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में 16 राष्ट्रीय राइफल्स के मुख्यालय के अंदर सोमवार शाम एक ग्रेनेड विस्फोट में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आधिकारिक तौर पर कहा गया कि घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आतंकवादी हमले या दुर्घटना के दोनों एंगल से जांच जारी है। विस्फोट के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई और प्रारंभिक जांच शुरू की। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी जांच के लिए बुलाया गया है।

भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच एफटीए एक अक्टूबर से लागू हो जायेगा : गोयल

नई दिल्ली, 29 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत और चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) एक अक्टूबर से लागू हो जायेगा। इसे पिछले वर्ष अंतिम रूप दिया गया था और अब भारत कई अन्य विकसित देशों के साथ इस तरह के समझौतों के लिए बातचीत कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि कई विकसित देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने के इच्छुक हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ भारत ऐसे समझौते पहले ही कर चुका है तथा कई अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है। श्री गोयल ग्रेटर नोएडा के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित पांच दिन के उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

ईएफटीए यूरोप के चार विकसित देशों का समूह है। जिसमें आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड शामिल हैं। इस समूह के साथ एफटीए को मार्च 2024 में अंतिम रूप दिया गया था । श्री गोयल ने कहा कि ईएफटीए के साथ व्यापार समझौता एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगा।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी व्यापार समझौते के लिए बातचीत चल रही है। कतर और बहरीन ने भी भारत के साथ व्यापार समझौते के बातचीत में रुचि दिखायी है। उन्होंने कहा कि यूरेशिया आर्थिक संघ (ईएईयू) के साथ बातचीत के संदर्भों को अंतिम रूप दे दिया गया है, जो भारत की मजबूत वैश्विक स्थिति को दर्शाता है। इस संघ में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और आर्मेनिया शामिल हैं।

ईएफटीए के साथ समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें वस्तु व्यापार, उत्पत्ति के नियम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं में व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा से जुड़े अध्याय शामिल हैं।भारत-ईफएटीए के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2022-23 में 18.65 अरब डॉलर था।

श्री गोयल ने आंतरिक और वाह्य क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को मजबूत बताते हुए कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब अमेरिकी डॉलर से ऊपर पहुंच गया है।मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत 2014 में एक नाज़ुक अर्थव्यवस्था से उबर कर आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले दो वर्षों में यह पांच लाख डॉलर के आकार के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि महंगाई दर आज दो प्रतिशत पर है जो एक दशक का इसका न्यूनतम स्तर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही जो आर्थिक गतिविधियों की मजबूती को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का बैंकिंग क्षेत्र मज़बूत है और ब्याज दरें कम हुयी हैं। देश के हर क्षेत्र के विकास के लिए मोदी सरकार के प्रयासों का उल्लेख हुये श्री गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार अब पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है।

बरेली बवाल : चार पार्षद समेत 76 लोग पुलिस के रडार पर

बरेली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में बवाल के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक घटना वाले दिन 77 लोगों की मदद से भीड़ जुटाई गई थी। इनमें पांच पार्षद भी शामिल हैं। एक पार्षद अनीस सकलैनी को गिरफ्तार किया जा चुका है। बरेली में बवाल के मामले में प्रशासन की मनाही के बावजूद भीड़ को खलील स्कूल तिराहे की ओर भेजने में सात थाना क्षेत्र के 77 लोगों की भूमिका सामने आई है। इनमें पांच पार्षद भी शामिल हैं। एक पार्षद को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब चार पार्षदों सहित 76 लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। साक्ष्य के आधार पर पुलिस संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। शहर में शुक्रवार को हुए बवाल को लेकर पांच थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, एलआईयू के इनपुट और सर्विलांस की मदद से पता चला है कि कोतवाली, किला, प्रेमनगर, सीबीगंज, बारादरी, इज्जतनगर और कैंट थाना क्षेत्र के 77 लोगों की मदद से बवाल के लिए भीड़ जुटाई गई थी। इनमें से 55 को आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष नदीम खां ने व्हाट्सएप कॉल की थी। इनमें से पार्षद अनीस सकलैनी को पुलिस शनिवार को गिरफ्तार कर चुकी है। अन्य लोगों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। सभी का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि साजिश रच कर शहर का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया था। साजिश रचने वालों में से कुछ भीड़ के बीच थे और कई पर्दे के पीछे थे। ऐसे 77 लोगों को चिह्नित किया गया है। उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य के साथ कार्रवाई की जाएगी। शहर में शुक्रवार को हुए बवाल को लेकर पुलिस ने तौकीर रजा समेत अन्य आरोपियों की संपत्ति की जांच के लिए बीडीए और राजस्व के साथ ही अन्य विभागों से पत्राचार शुरू कर दिया है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि कोतवाली, बारादरी, प्रेमनगर, किला और कैंट थाना क्षेत्र में बवाल के आरोपियों के करीबियों के लॉन, बरातघर और होटलों की जांच के लिए भी संबंधित विभागों को लिखा गया है। अब तक 15 से ज्यादा ऐसी संपत्तियां प्रकाश में आ चुकी हैं।

इधर, बवाल के नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही सभी आरोपियों पर कानून का शिकंजा कस दिया जाएगा। कुछ आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार लोकेशन बदल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया है। जल्द ही नतीजे सामने आएंगे।

पुलिस अफसरों ने बताया कि बवाल में जितने भी लोग जेल भेजे जा रहे हैं, उनके अवैध धंधों का पता लगाया जा रहा है। आय के स्रोतों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि किसी ने सार्वजनिक या किसी की निजी जमीन और मकान-दुकान पर कब्जा तो नहीं कर रखा है। जेल भेजे गए जिन आरोपियों की शहर का माहौल बिगाड़ने में पहले भी संलिप्तता उजागर होगी, पुलिस उन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति : योगी सरकार दे रही खेल मंच

यूपी के 403 विधानसभा क्षेत्रों में गूंजेगा बेटियों का हुनर

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 के 90 दिवसीय विशेष अभियान ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। इस अभियान के जरिए योगी सरकार महिलाओं को खेल, आत्मरक्षा और सामाजिक नेतृत्व में भी आगे बढ़ा रही है। इसी के तहत 403 विधानसभाओं में विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन शुरू किया है, जिसमें लगभग 1.5 लाख महिला खिलाड़ियों के प्रतिभाग की संभावना है। साथ ही, 200 महिला पीआरडी (प्रांतीय रक्षा दल) स्वयंसेविकाओं को पुनर्प्रशिक्षण, दक्षता और आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। योगी सरकार ने अब तक विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए मिशन शक्ति 5.0 अभियान से महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

जैसे-जैसे मिशन शक्ति 5.0 अभियान आगे बढ़ रहा है, यह अपने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए और व्यापक होता जा रहा है। यह अभियान हर वर्ग और समुदाय तक अपनी पहुंच बनाने में कामयाब हो रहा है। योगी सरकार विधायक खेल स्पर्धा के आयोजन को इस अभियान से जोड़कर आगे बढ़ने का फैसला किया है,जिससे सभी 403 विधान सभाओं यह कार्यक्रम होगा। इसमें 1.5 लाख महिला खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। यह आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि महिलाओं को आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान भी प्रदान करेगा। इन स्पर्धाओं के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को एक मंच मिलेगा, जहां वे अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता को निखार रही हैं। यह पहल नारी सम्मान को मजबूत करते हुए उन्हें स्वावलंबन की ओर अग्रसर कर रही है, जो योगी सरकार के महिला सशक्तीकरण के विजन का हिस्सा है।

दूसरी ओर, 200 महिला पीआरडी स्वयं सेविकाओं को पुनर्प्रशिक्षण और आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण उन्हें न केवल अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बना रहा है, बल्कि वे अन्य महिलाओं को भी आत्मरक्षा की तकनीक सिखा सकेंगी। यह कदम नारी सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ महिलाओं को अक्सर असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। प्रशिक्षित स्वयंसेविकाएं मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता अभियानों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत युवा कल्याण विभाग ने 57,695 ग्राम पंचायतों में 53,522 युवक मंगल दलों और 52,042 महिला मंगल दलों का गठन किया है, इसे विभागीय पोर्टल पर भी पंजीकृत किया जा चुका है। इन दलों ने खेलकूद, वृक्षारोपण, रक्तदान, स्वच्छता, नशामुक्ति, जल संरक्षण और मिशन शक्ति जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में जागरूकता फैलाई है। विशेष रूप से 826 विकास खंडों में 52,042 महिला मंगल दलों ने 43 स्थलों पर 2,405 सदस्यों के साथ महिला स्वास्थ्य, साइबर क्राइम, लैंगिक दुर्व्यवहार और सामाजिक कुरीतियों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कन्या सुमंगला, मातृत्व लाभ और सुकन्या समृद्धि जैसी योजन-ाओं के बारे में भी इनके माध्यम से जानकारी दी जा रही है।

दीपावली से पहले सभी 75 जिलों में होगा स्वदेशी मेला

हस्तशिल्प एवं कारीगरों को मिलेगा बड़ा बाजार

ग्रेटर नोएडा, 29 सितंबर। उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा मंच देने के लिए इस वर्ष दीपावली से पहले पूरे प्रदेश में स्वदेशी मेला आयोजित करने की घोषणा की है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार राज्य के सभी 75 जिलों में लगभग 9 से 10 दिन का व्यापार मेला आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के बैनर तले होगा और उसके नीचे स्वदेशी मेला लिखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए लोकल टू वोकल मंत्र को आत्मसात करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि अब तक इस तरह के मेले 18 मंडलों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पूरे प्रदेश में विस्तार किया गया है। इससे हस्तशिल्प उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा बाजार मिलेगा और उनके उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचेंगे। साथ ही, जीएसटी सुधारों का लाभ भी उपभोक्ताओं तक पहुँचाने की योजना है। इन मेलों का शुभारंभ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्री और विधायक करेंगे। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी, जिससे न केवल कारीगरों को लाभ होगा बल्कि उपभोक्ताओं को भी सीधे मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध होगा।

मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का तीसरा चरण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ है। अगले वर्ष 25 से 29 सितंबर 2026 को इसके चौथे चरण का आयोजन और भी वृहद पैमाने पर किया जाएगा। इस बार की कमियों पर विचार करके आयोजन को और व्यापक स्वरूप देने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में तीन यूनिटी मॉल (लखनऊ, वाराणसी और आगरा) की स्थापना केंद्र सरकार की फंडिंग से शुरू हो चुकी है। कुछ स्थानों पर भूमि चिन्हित कर शिलान्यास हो गया है। राकेश सचान ने कहा कि राज्य सरकार की योजना है कि सभी 75 जिलों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जाएं, जिससे हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सके। इन यूनिटी मॉल में सभी 75 जनपदों के उत्पादों के साथ ही अन्य राज्यों के ओडीओपी भी रखे जाएंगे

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2,250 प्रदर्शकों और 5 लाख लोगों की रिकॉर्ड भागीदारी

ग्रेटर नोएडा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो सोमवार को एक उच्च सफल नोट पर सम्पन्न हुआ, जिसने राष्ट्रीय व्यापार कैलेंडर में एक मील का पत्थर स्थापित कर दिया।

पांच दिवसीय यह शो इंडिया एक्सपो सेंटर में एक प्रभावशाली समापन सत्र के साथ समाप्त हुआ। इस वर्ष शो में 2,250 से अधिक प्रदर्शकों की उपस्थिति रही और कुल 5,07,099 से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिनमें 1,40,000 से अधिक व्यावसायिक आगंतुक और 3,66,364 आम आगंतुक शामिल रहे।

अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने ट्रेड शो की विस्तृत उपलब्धियां साझा करते हुए बताया कि 2,228 प्रदर्शक, 85 देशों से आए 525 अंतर्राष्ट्रीय खरीदार, 1,40,735 घरेलू बी2बी खरीदार और 3,66,364 बी2सी विज़िटर इस आयोजन का हिस्सा बने। 1,10,000 वर्ग मीटर का पूरा प्रदर्शनी क्षेत्र बुक हुआ और अतिरिक्त स्थान की व्यवस्था भी करनी पड़ी।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में रूस पार्टनर कंट्री रहा, जिसने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया। 26 सितम्बर को आयोजित इंडिया-रूस बिज़नेस डायलॉग में 111 बी2बी मीटिंग्स हुईं, जिनमें 30 रूसी कंपनियों ने 90 से अधिक भारतीय एमएसएमई और निर्यातकों से मुलाकात की। चर्चाओं में मैनुफैक्चरिंग, ऊर्जा, अवसंरचना, एफएमसीजी, आईटी और डिजिटल सॉल्यूशंस, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन और पशुपालन जैसे क्षेत्र प्रमुख रहे। इंडो-रशियन बिज़नेस राउंडटेबल में 50 से अधिक गणमान्य व्यक्ति और उद्योग जगत के नेता शामिल हुए।

आयोजन में कुल 17 नॉलेज सेशंस आयोजित किए गए। इनमें नीति-निर्माता, उद्योग जगत के नेता, वैश्विक खरीदार और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए। चर्चाओं के केंद्र में विकसित यूपी 2047, 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में स्टार्ट-अप्स की भूमिका और एमएसएमई के लिए ई-कॉमर्स की क्षमता जैसे विषय रहे। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण में लगभग 11,200 करोड़ की व्यावसायिक पूछताछ दर्ज हुई। आयोजन में सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और वैश्विक संस्थानों के बीच कुल 2,400 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनकी कुल राशि 1,882 करोड़ रही।

पांच लाख बालिकाओं को दी गई महिला अधिकार और योजनाओं की जानकारी

उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालय और केजीबीवी में चला विशेष जागरूकता अभियान

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर के उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालयों और केजीबीवी में महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों तथा उनके कल्याण के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस जनजागरूकता अभियान में 5.12 लाख विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह कार्यक्रम बालिकाओं, शिक्षिकाओं और अभिभावकों को सशक्तिकरण के कानूनी और वित्तीय उपकरणों से अवगत कराने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में आत्मरक्षा, शिक्षा और वित्तीय स्वतंत्रता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 सितम्बर को मिशन शक्ति 5.0 अभियान की शुरुआत की गई थी और अब बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व में यह गतिशील है।

इस कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं के अधिकारों तथा योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

इनमें बालिकाओं के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत सुरक्षा और कानूनी उपाय, बाल विवाह निषेध अधिनियम और इसके दुष्परिणाम, समाज के हर क्षेत्र में लैंगिक समानता और सम्मान का महत्व, महिला एवं बाल अधिकारी की भूमिका और सेवाएं, कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास, ज्योति उज्ज्वला योजना और 1090 महिला हेल्पलाइन, बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान, बालिकाओं की उच्च शिक्षा और विवाह के लिए सुकन्या समृद्धि योजना, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए जननी सुरक्षा योजना, हिंसा पीड़ित महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर (सखी), गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महिला उद्यमियों के लिए मुद्रा योजना, बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और बाल सेवा योजना और संपत्ति में अधिकार और अन्य कल्याणकारी योजनाएं शामिल रहीं।

17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के प्रतिभागियों से संवाद

पीएम मोदी के पंच प्रण विकसित भारत की आधारशिला: योगी

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत सोमवार को मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व उड़ीसा के प्रतिभागियों से संवाद किया। यह पूरा कार्यक्रम 25 सितंबर से प्रारंभ हुआ है, जो पहली अक्टूबर तक चलेगा। सीएम ने उत्तर प्रदेश में युवाओं का स्वागत व अभिनंदन करते हुए अपील की कि आप सब देश की एकता और अखंडता के लिए अपने को तैयार करेंगे। सीएम ने मेहमान युवाओं को शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पीएम के पंच प्रण की चर्चा की और कहा कि यह विकसित भारत की आधारशिला बनेंगे। इस दौरान खेल व युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि यह पहल न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच है, बल्कि देश की एकता, अखंडता और विविधता में निहित एकता की भावना को सशक्त करने का अवसर भी है। आज लखनऊ में देश भर के लगभग 200 नौजवान इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए हमें पूरे देश को देखने, समझने और एक-दूसरे के साथ अपनी संस्कृति को साझा करने का अवसर भी प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि भले ही हमारी बोली-भाषा में थोड़ा अंतर हो, लेकिन पूरे भारत की भाव-भंगिमा एक है। माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः, यह भाव अपनी धरती के प्रति हर भारतवासी के मन में हमेशा देखने को मिलता है। यह भाव संस्कृति, परंपरा में भी है। यही कारण है कि जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा था, तब धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने उस भाव को फिर से जागरूक करके विदेशी हुकूमत को भारत की धरती से भागने के लिए मजबूर किया था। यह वर्ष उनकी 150वीं जयंती वर्ष भी है और भारत के संविधान को लागू होने के अमृत महोत्सव वर्ष के साथ ही 17वां जनजातीय छात्रों के आदान-प्रदान कार्यक्रम आज लखनऊ में आयोजित हो रहा है।

युवाओं को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत का बड़ा विजन रखा है। भारत तब विकसित होगा, जब हर देशवासी के मन में विकसित होने का संकल्प होगा और वे इसे अपने जीवन का मंत्र बनाएंगे। कांदला, कालाहांडी, सिंहभूमि, गढ़चिरौली, कांकेर, नारायणपुर, बालाघाट हो या बीजापुर, जब यह सभी विकसित होंगे तो भारत विकसित होगा। जब देश विकसित होगा तो 140 करोड़ भारतवासियों की आशा और आकांक्षा के अनुरूप हमें विकास हर जगह देखने को मिलेगा। सीएम ने पीएम मोदी के पंच-प्रण का जिक्र किया और कहा कि हर भारतवासी के मन में पंच प्रण आना चाहिए। हम भारत के सभी महापुरुषों, देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति श्रद्धा का भाव रखते हैं। हमारे मन में विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। नंबर दो पर प्रधानमंत्री जी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता को त्यागना होगा। गुलामी की मानसिकता वह है, जो हम लोगों के मन में आती है कि साहब, हम नहीं कर पाएंगे। यह गलत है। हम कर सकते हैं, हम करेंगे, यह भाव हमारे मन में होना चाहिए।

उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा के लिए बलिदान देने के लिए सदैव तत्पर रहने वाली सेना, अर्धसेना, पुलिस के जवानों और उस यूनिफॉर्म के प्रति हर भारतीय के मन में सम्मान का भाव होना चाहिए। चौथा-सामाजिक एकता यानी एक भारत-श्रेष्ठ भारत। देश में राज्य, जातियां, खान-पान, बोली-भाषा अलग-अलग होगी, लेकिन इन सभी के बावजूद हम भारतीय हैं। नेशन फर्स्ट के इस अभियान के साथ हम सभी जुड़कर कार्य करेंगे। सामाजिक एकता का यह भाव हर भारतीय के मन में होना चाहिए। पाँचवा है- नागरिक कर्तव्य। छात्र, शिक्षक, किसान, युवा, सरकारी सेवक, जनप्रतिनिधि समेत हर तबके का व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। नागरिक कर्तव्य के रूप में जिस व्यक्ति की जो जिम्मेदारी है, उस कार्य को वो ईमानदारी से करे। यही हमारा राष्ट्रीय दायित्व होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंच प्रण विकसित भारत की आधारशिला बनेंगे। विकसित भारत 140 करोड़ की आबादी की आशा और आकांक्षाओं के अनुरूप होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से विधानसभा और मेट्रो का भ्रमण करने का आग्रह किया। बोले कि देखिए कि कैसे विकास होता है, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का माध्यम कैसे आगे बढ़ सकता है। सीएम ने कहा कि भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के दौरान उनका सहयोग सबसे ज्यादा जनजातीय समुदाय के लोगों ने किया था। भगवान राम की पावन जन्मभूमि में उनके भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है। सीएम ने उत्तर प्रदेश के युवा कल्याण विभाग को निर्देश दिया कि इन युवाओं को अयोध्या का भ्रमण भी कराएं। यह लोग अयोध्या देखें और जानें कि विकास कैसे होता है। सीएम ने युवाओं से कहा कि आज जो अयोध्या आप देखेंगे, वह आज से 8-10 साल पहले ऐसी नहीं थी। वहां सड़कें बहुत पतली हुआ करती थीं, वहां कुछ भी नहीं था पर आज अयोध्या अत्यंत विकसित हो गई है। अयोध्या देखिए और बताइए कि वहां कैसा विकास हुआ है, लखनऊ में कैसा विकास हुआ है। ऐसे ही हमें भी मॉडल बनाना चाहिए। यह चीजें आप कहेंगे तो विकास अवश्य होगा।

संपादकीय

'रेवड़ियों' के साझेदार पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने 16 जुलाई, 2022 को पहली बार यह संवेदनशील बयान दिया था कि जो दल और नेता 'रेवड़ियां' बांट कर वोट बटोरने में लगे हैं, इनसे एक दिन देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो सकती है। प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, बेशक शब्द अलग थे। उसके बाद प्रधानमंत्री ने दसियों बार इस बयान को दोहराया है। प्रधानमंत्री व्यापक संदर्भ में बिल्कुल सही कहते रहे हैं, क्योंकि देश पर करीब 225 लाख करोड़ रुपए के कर्ज का बोझ है। विश्व बैंक ने दुनिया के सबसे कर्जदार देशों का आकलन दिया है। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, लेकिन कर्ज का ब्याज चुकाने में ही 3.25 लाख करोड़ रुपए निकल जाते हैं। यकीनन यह बहुत बड़ी राशि है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने देश पर कर्ज का कभी खुलासा नहीं किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां सभी के भीतरी यथार्थ जानती हैं। विडंबना यह है कि 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने और अंततः गठबंधन सरकार का प्रधानमंत्री (कुल तीसरी बार) बनने के बाद वह अपने ही कथन को झुठलाते हुए विभिन्न विधानसभा चुनावों में, राज्य सरकारों द्वारा लगातार 'रेवड़ियां' घोषित करने और बांटने में साझेदार रहे हैं। यह चारित्रिक और वैचारिक विरोधाभास है। ताजातरीन मामला बिहार का है, जहां 'महिला रोजगार योजना' के तहत 10,000 रुपए एकमुश्त प्रधानमंत्री ने 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर किए हैं। अभी 25 लाख और महिलाओं को भी यह राशि दी जानी है। यानी कुल 10,000 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री और बिहार की एनडीए सरकार ने उस रणनीति के तहत बांटे हैं, ताकि महिलाओं के अधिकाधिक वोट हासिल किए जा सकें। इस संदर्भ में एक और यथार्थ सामने आया है कि यह राशि या तो बैंक ही कर्ज की किस्त के तौर पर काट लेगा अथवा सूदखोर अपना ब्याज लेने धमक पड़ेगा अथवा कोई और कारण होगा कि बहुधा महिलाएं 'खाली हाथ' ही रहेंगी! इस योजना पर 2.10 लाख करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है। सवाल है कि पैसा कहां से आएगा? पैसा पेड़ों पर उगता है क्या? खुद प्रधानमंत्री मानते रहे हैं, लेकिन ऐसी 'रेवड़ियों' से नागरिकों को 'परजीवी' क्यों बनाया जा रहा है? बिहार में आर्थिक विरोधाभास गजब का है कि राज्य का बजट 3.16 लाख करोड़ रुपए का है और कर्ज 3.70 लाख करोड़ रुपए का है। बीते दिनों अखबारों में हरियाणा सरकार का विज्ञापन छपा था। अब हरियाणा की भाजपा सरकार ने भी करीब 22 लाख 'लाडो लक्ष्मी' को 2100 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की है। हरियाणा सरकार पर भी मार्च, 2025 तक 3.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज था। तय है कि कर्ज बढ़ रहा होगा! पंजाब में फरवरी, 2022 में चुनाव हुए थे। तब आम आदमी पार्टी ने प्रत्येक पात्र महिला को 1000 रुपए प्रति माह देने की 'रेवड़ी' की घोषणा की थी। अब सितंबर, 2025 समाप्ति की ओर है, लेकिन 'आप' सरकार अपना वायदा पूरा नहीं कर पाई है, क्योंकि वर्ष 2025-26 में उस पर 4.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज का अनुमान है। महाराष्ट्र में भी भाजपा नेतृत्व की सरकार है। वहां चुनावी मुद्दा बना-'लाडली बहिना।' बेशक वहां की सरकार 2100 रुपए प्रति माह पात्र महिलाओं को दे रही है, लेकिन घाटे का बजट होने के कारण 26.34 लाख महिलाओं के नाम काटने पड़े। महाराष्ट्र सरकार पर मार्च, 2026 तक 9.3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज हो सकता है। आकलन है कि देश के 11 राज्य कर्ज लेकर 'रेवड़ियां' बांट रहे हैं। नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था कहां तक जाएगी, आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है। ये कर्जदार राज्य, अंततः, केंद्र सरकार से पैसा मांगेंगे और केंद्र का भी कर्ज बढ़ता रहेगा। क्या ऐसी अर्थव्यवस्था के साथ भारत विश्व की 'आर्थिक महाशक्ति' बन सकता है? प्रधानमंत्री इस स्थिति पर गौर करें और 'रेवड़ीहीन' राजनीति की पहल खुद करें। बिहार में जो 10,000 रुपए दिए गए हैं, उससे कौनसा रेहड़ी-पटरी वाला धंधा भी शुरू किया जा सकता है, कृपया बताएं। देश की आर्थिकी विश्व में चौथे स्थान पर है, इसमें उनका योगदान महत्वपूर्ण है, जिन्होंने लगातार कर की अदायगी की है। उनका मेहनत का पैसा 'रेवड़ियों' में न फूंका जाए। दिल्ली की बात हो, पंजाब की बात हो या किसी अन्य राज्य की बात हो, हर जगह रेवड़ियां बांट कर ही सरकारें बन रही हैं। इसके बजाय होना तो यह चाहिए कि हर वर्ग को वास्तविक रूप में सशक्त बनाने की ठोस योजना बननी चाहिए। सभी वर्गों, खासकर युवाओं को काम देकर उनका सशक्तिकरण किया जाना चाहिए। महिलाओं को भी निठल्ला बनाने के बजाय स्वरोजगार के लिए व्यवस्था करना श्रेयस्कर रहेगा। यह पहल प्रधानमंत्री स्तर पर ही हो, तो बेहतर रहेगा।

विश्व बैंक ने दुनिया के सबसे कर्जदार देशों का आकलन दिया है। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, लेकिन कर्ज का ब्याज चुकाने में ही 3.25 लाख करोड़ रुपए निकल जाते हैं। यकीनन यह बहुत बड़ी राशि है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने देश पर कर्ज का कभी खुलासा नहीं किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां सभी के भीतरी यथार्थ जानती हैं। विडंबना यह है कि 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने और अंतत: गठबंधन सरकार का प्रधानमंत्री (कुल तीसरी बार) बनने के बाद वह अपने ही कथन को झुठलाते हुए विभिन्न विधानसभा चुनावों में, राज्य सरकारों द्वारा लगातार 'रेवड़ियां' घोषित करने और बांटने में साझेदार रहे हैं। यह चारित्रिक और वैचारिक विरोधाभास है। ताजातरीन मामला बिहार का है, जहां 'महिला रोजगार योजना' के तहत 10,000 रुपए एकमुश्त प्रधानमंत्री ने 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर किए हैं। अभी 25 लाख और महिलाओं को भी यह राशि दी जानी है। यानी कुल 10,000 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री और बिहार की एनडीए सरकार ने उस रणनीति के तहत बांटे हैं, ताकि महिलाओं के अधिकाधिक वोट हासिल किए जा सकें। इस संदर्भ में एक और यथार्थ सामने आया है कि यह राशि या तो बैंक ही कर्ज की किस्त के तौर पर काट लेगा अथवा सूदखोर अपना ब्याज लेने धमक पड़ेगा अथवा कोई और कारण होगा कि बहुधा महिलाएं 'खाली हाथ' ही रहेंगी! इस योजना पर 2.10 लाख करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है।

कुछ अलग

भाग गए बापू के बंदर

देश अब राष्ट्रपिता को तब याद करता है, जब सामने कोई बंदर उछलकूद मचाता है। कई ऐसे नेता भी हैं जो बंदरों के बचाव में नित नए तर्कों की रखवाली शुरू कर देते हैं, जबकि महात्मा गांधी की आत्मा आज भी हत्या के दोष में खुद ही अफसोस कर रही है। महात्मा गांधी की रुह को रोकने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन यह किसी न किसी टीवी डिबेट में दोषी हो जाती है। महात्मा गांधी के सच्चे भक्त तीन बंदर ही थे। गांधी की हत्या के बाद ये तीनों भी काफी समय तक न बुरा बोलते, न बुरा सुनते, न ही बुरा देखते। देश में बोलने के हजारों पक्ष सुनने का एक भी नहीं। देखने का बहुत कुछ, लेकिन अंधेपन का कारण एक भी नहीं। सुनने को लाखों कान, लेकिन सुनाने को एक जुबान तक नहीं। बापू के बंदर हैरान होते कि देश कैसे एकमत हो गया। देश की एक ही दृष्टि हो गई और उसे अब ठीक से सुनने की आदत भी नहीं।

स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे। निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा।

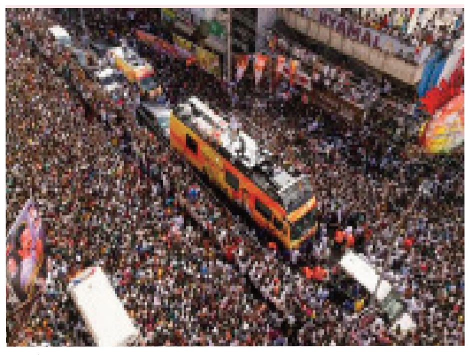

विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया।

देश दुनिया से

बचत उत्सव मनाने की तार्किकता

केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था कि आम आदमी के लिए कीमतों का और उससे पैदा महंगाई का युग बदल दिया जाएगा। महंगाई को विदा कर दिया जाएगा। जीएसटी की चार दरों के स्थान पर केवल दो दरें रह जाएंगी। हां, इसके साथ जो विलासिता वस्तुएं हैं, उन पर 40 प्रतिशत कर रहेगा। कहा जा रहा है कि देश में 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती कर दी गईं अर्थात 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गईं। अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दो टैक्स स्लैब रह गए हैं। 12 और 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब हटा दिये गए हैं। निस्संदेह कर भार में कमी हुई है। इसका मतलब यह कि देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए। पहली बात समझ लीजिए कि इन 375 वस्तुओं को 54 वस्तुओं के वर्ग में बांध दिया गया है। यहां घटी हुई कीमतें दिखाई जाएंगी। सरकार का हुक्म है कि हर बेची जाने वाली कीमत पर पुरानी कीमत और अब घटी हुई नई कीमत की स्लिप लगाई जाए। यह सावधानी इसलिए क्योंकि जिन दुकानदारों के पास पुरानी एमआरपी का सामान स्टॉक में है, उनकी स्लिप भी वही कीमत दिखाएगी। इसलिए अब घटी हुई कीमतों का स्टिकर लगाना जरूरी है। आदेश है कि पुराना स्टॉक होने के बहाने आप घटी कीमत देने से बच नहीं सकते। 22 सितंबर के बाद बिक्री योग्य हर सामान नई घटी कीमतों पर ही बेचा जाएगा। चौकसी रखने वाले अधिकारी देखेंगे कि इन आदेशों का पालन हो रहा है या नहीं। बिल बनाएंगे तो आपको साफ दिखेगा कि कीमत कटौती का पूरा लाभ आपको मिला है या नहीं, क्योंकि इस बिल पर नई दरों के आधार पर टैक्स घटा है या नहीं, इसकी जांच हो जाएगी। अब उम्मीद तो यही है कि कीमतें घटने के कारण सस्ती हुई इन वस्तुओं की खपत बढ़ेगी। महंगाई घटेगी। इससे प्रोत्साहित होकर निवेशक उत्पादन बढ़ाएंगे और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। लेकिन जैसे ही यह कानून लागू हुआ तो शेयर मंडियों की पहली प्रतिक्रिया सूचकांक के गिरने की थी। कारण यही है कि मांग तो बाद में बढ़ेगी लेकिन फिलहाल तो कीमतें कम होने से घाटा बढ़ गया। सरकार ने पुरानी एमआरपी पर खरीदी वस्तुओं की क्षतिपूर्ति करने का जो वादा किया है, उसका भुगतान भी दफ्तरी कार्रवाई के बाद आने वाले दिनों में होगा। वैसे जीएसटी की इस कटौती के बाद सोना, चांदी, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, स्मार्टफोन, लैपटॉप की कीमतों पर असर नहीं होगा। कुछ ऐसी वस्तुएं हैं जिन पर या तो पहले ही टैक्स कम है या उन पर जीएसटी लागू नहीं होता। अब यदि दुकानदार पुरानी एमआरपी पर सामान बेचता है तो सरकार ने उसके विरुद्ध शिकायत करने के लिए टोलफ्री नंबर दे दिया है। लेकिन आम राय यह है कि मंडियों को नए कानून से समायोजित होने में देर लगती है। कभी इस इंतजार में नौकरशाही ढीली पड़ जाती है और कंपनियां इस घटी हुई दरों को समायोजित कर लेती हैं। बहरहाल, यदि जीएसटी घटने का असर स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ने के रूप में होता है तो यह शुभ है। इस प्रकार की कर कटौती से लाया गया सस्ता युग दीर्घकालीन नहीं रहता। अतः जरूरी है कि जो भी सुधार लागू किया जाए, उसके सभी भागों के संतुलन की ओर ध्यान देना भी सही आर्थिक नीति है। सस्ता युग लाना है तो केवल कर घटाने से काम नहीं होगा, उत्पादन लागत का संतुलन भी जरूरी है, जो उत्पादकता के उपकरणों की लागत को घटाने से होगा। वह लागत तभी घट सकती है, अगर डिजिटल युग, रोबोटिक युग और कृत्रिम मेधा के उपकरणों का इसके लिए इस्तेमाल किया जाए। शायद अंतर्राष्ट्रीयकरण के इस युग में पूरी तरह स्वदेशीकरण पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, लेकिन देश आत्मनिर्भर तो हो ही सकता है। एक आत्मनिर्भर देश में जहां कच्चे माल की कीमतों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है, बेकारों को नया रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है, तो फिर बेशक कर कटौती के इस उत्सव का अर्थ सार्थक हो जाता है। केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था कि आम आदमी के लिए कीमतों का और उससे पैदा महंगाई का युग बदल दिया जाएगा। महंगाई को विदा कर दिया जाएगा। जीएसटी की चार दरों के स्थान पर केवल दो दरें रह जाएंगी। हां, इसके साथ जो विलासिता वस्तुएं हैं, उन पर 40 प्रतिशत कर रहेगा। कहा जा रहा है कि देश में 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती कर दी गईं अर्थात 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गईं। अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दो टैक्स स्लैब रह गए हैं। 12 और 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब हटा दिये गए हैं। निस्संदेह कर भार में कमी हुई है। इसका मतलब यह कि देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए।

आप का नजरिया

इन तीन महीनों के बाद

बारिश के तीन महीने, खुद में गुजर जाने की आशंका और विराम का हर पल आक्रांत रहा इस बार हिमाचल में। प्रदेश यूं तो नार्मल होने लगा है, व्यापारी त्योहारी सीजन में अपनी उधारी खत्म करने की तैयारी में लग गए, किसान ने खेत की टूटी उम्मीदों को थामा, तो कोई मजदूर फिर दिहाड़ी की तलाश में उतर आया। जीवन का चक्र थमता नहीं, लेकिन राहों के कांटे हटाने पड़ते हैं। कुछ इसी फिराक में बरसात गुजर गई कि हमारे बेहाल पर, आखिर हमने क्या किया। तीन महीनों ने कई खंजर-कई बंजर देखे, विकास के ढहते और आहों के समंद्र देखे। ऐसे में साल की आकांक्षा में बरसात की आशंका के तीन महीनों की तैयारी को अब आगे क्या रोडमैप चाहिए। निर्माण की रुकी मशीनरी, व्यापार का रुका माहौल और जनता की अटकी सांसों को अब ऐसे विश्वास की पलकें चाहिएं, जो साल के कैलेंडर को खुशहाली से भर दें। तीन महीनों ने कई घर, कई कस्बे और कई कहकहे उजाड़े हैं। कनेक्टिविटी के कई निशान मिटाए, तो मनाली का निवेश और पर्यटन का प्रवेश भुतिया गया। तीन महीनों ने हिमाचल के परिवहन क्षेत्र को उजाड़ा तो पर्यटक स्थलों को गहरी अनिश्चिता की फांस में फंसा दिया। बरसात में रेत बजरी ही नहीं बहती, बल्कि काम के सफर पर निकलने की उम्मीदें भी ढेर होती हैं। इसी संदर्भ में केंद्रीय परियोजनाओं के मानदंड भी घायल हुए हैं। मसलन धर्मशाला स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की तयशुदा सीमा से ये घातक तीन महीने माइनस किए जाएं, तो कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की दरकार रहेगी। इसी तरह कमोबेश हर शहर की जलापूर्ति को बारिश ने तबाह करके जहां पहुंचा दिया, वहां से लौटने के लिए त्वरित धन की आवश्यकता रहेगी। सरकारी अनुबंध में निजी निवेश को राहत चाहिए। धर्मशाला रोप-वे का एक पिल्लर अगर निरीक्षण-परीक्षण में काफी समय गुजार दे, तो नुकसान के आंकड़े रहम की भीख ही मांगेंगे। कई छतें कमजोर हुई हैं या ध्वस्त हुए प्रगति के मानचित्र से जो परिवार बेदखल हुए, उन्हें पुनर्वास का कोई स्थायी तरीका देना होगा। राहत के तमाम आवेदनों और बचाव की सारी संवेदनाओं का निचोड़ यह कि अब प्रदेश को अपनी योजनाओं की बरसात में तीन महीनों के संताप को समेटना होगा। राज्य के हर बजट को एक ऐसा किरदार खोजना होगा, जो हर साल की बरसात से मुकाबला करे। स्कूलों में बरसात की छुट्टियां, आफत में हर घर की खिड़कियां, बाजार में व्यापार की हस्तियां और आम नागरिक के हर चूल्हे पर बनती रोटियां सलामत चाहिएं, तो ये महीने आइंदा बचाव में रहें। प्रदेश को बरसात से पहले बरसात का अनुमान लगाते हुए कम से कम जल की निकासी का ठीक से प्रबंध करना होगा। खड्डों, नालों व नदियों को बांध बनने के बजाय जल बहाव की तैयारी करनी होगी। डी सिल्टिंग को कमाई का जरिया बना कर बरसात से पूर्व ही माकूल जल भराव योग्य बनाना होगा, ताकि फ्लड गेट खोलने की नौबत से नूरपुर क्षेत्र की खेती अपनी प्रजाति ही न भूल जाए। हर गांव, हर कस्बे और हर शहर की राहत व बचाव योजना बनानी होगी। सबसे अहम फैसलों में यह पक्ष जरूरी है कि आइंदा विकास के रथ को सोच-समझ कर आगे बढ़ाएं ताकि बार-बार धर्मपुर के बस स्टैंड को बर्बाद न होना पड़े। हिमाचल के नियोजन के लिए अब कुछ प्रतिबंध और कुछ अनुबंधों की जरूरत है।

प्रदेश यूं तो नार्मल होने लगा है, व्यापारी त्योहारी सीजन में अपनी उधारी खत्म करने की तैयारी में लग गए, किसान ने खेत की टूटी उम्मीदों को थामा, तो कोई मजदूर फिर दिहाड़ी की तलाश में उतर आया। जीवन का चक्र थमता नहीं, लेकिन राहों के कांटे हटाने पड़ते हैं। कुछ इसी फिराक में बरसात गुजर गई कि हमारे बेहाल पर, आखिर हमने क्या किया। तीन महीनों ने कई खंजर-कई बंजर देखे, विकास के ढहते और आहों के समंद्र देखे। ऐसे में साल की आकांक्षा में बरसात की आशंका के तीन महीनों की तैयारी को अब आगे क्या रोडमैप चाहिए। निर्माण की रुकी मशीनरी, व्यापार का रुका माहौल और जनता की अटकी सांसों को अब ऐसे विश्वास की पलकें चाहिएं, जो साल के कैलेंडर को खुशहाली से भर दें। तीन महीनों ने कई घर, कई कस्बे और कई कहकहे उजाड़े हैं। कनेक्टिविटी के कई निशान मिटाए, तो मनाली का निवेश और पर्यटन का प्रवेश भुतिया गया। तीन महीनों ने हिमाचल के परिवहन क्षेत्र को उजाड़ा तो पर्यटक स्थलों को गहरी अनिश्चिता की फांस में फंसा दिया। बरसात में रेत बजरी ही नहीं बहती, बल्कि काम के सफर पर निकलने की उम्मीदें भी ढेर होती हैं। इसी संदर्भ में केंद्रीय परियोजनाओं के मानदंड भी घायल हुए हैं। मसलन धर्मशाला स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की तयशुदा सीमा से ये घातक तीन महीने माइनस किए जाएं, तो कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की दरकार रहेगी। इसी तरह कमोबेश हर शहर की जलापूर्ति को बारिश ने तबाह करके जहां पहुंचा दिया, वहां से लौटने के लिए त्वरित धन की आवश्यकता रहेगी।

दृष्टि कोण

अभी भारत के लिए दवा टैरिफ बेअसर

हाल ही में 26 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान करके एक बार फिर टैरिफ लगाने की ट्रंप श्रृंखला को आगे बढ़ा दिया है। यह टैरिफ 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। इससे पहले ट्रंप ने 27 अगस्त से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। फिलहाल ट्रंप के दवा टैरिफ का भारतीय फार्मा कंपनियों पर ज्यादा असर नहीं होगा। कारण यह कि भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली दवाओं में पेटेंट दवाओं का हिस्सा महज पांच फीसदी है और जेनेरिक दवाओं का हिस्सा 95 फीसदी है। उल्लेखनीय है कि दवा टैरिफ उन कंपनियों पर नहीं लगेगा जो अमेरिका में ही दवा बनाने के लिए अपना प्लांट लगा रही हैं। ट्रंप ने यह साफ संकेत दिया है कि अगर किसी फार्मा कंपनी की अमेरिका में दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग में दिलचस्पी है तो उसे 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। साथ ही किसी कंपनी ने अमेरिका में अपना प्लांट लगाना शुरू कर दिया है तो उसे भी इस 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। कहा गया है कि इसका उद्देश्य दुनिया की बड़ी फार्मा कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस फैसले का ज्यादा असर उन देशों पर पड़ेगा जहां की फार्मा कंपनियां अमेरिका को ब्रांडेड दवाओं का निर्यात करती हैं। इनमें आयरलैंड, जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे देश प्रमुख हैं। गौरतलब है कि ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई और जेनेरिक दवाई में बड़ा अंतर है। ब्रांडेड दवाई वे दवाई होती हैं, जो मूल दवाई होती है जिसकी खोज किसी फार्मा कंपनी ने रिसर्च के बाद की होती है। इसे बनाने वाली कंपनी को एक तय समय जो कि आमतौर पर 20 साल का होता है, के लिए पेटेंट अधिकार मिल जाता है। इस दौरान कोई भी दूसरी कंपनी उस फॉर्मूले का इस्तेमाल करके वह दवाई नहीं बना सकती। जबकि जेनेरिक दवाई वो दवाई होती है जो ब्रांडेड दवाई का पेटेंट खत्म होने के बाद बाजार में आती है। यह ब्रांडेड दवाई के समान फॉर्मूले का इस्तेमाल करके बनाई जाती है। चूंकि जेनेरिक दवाई का कोई नया पेटेंट नहीं होता, यह पहले से ही मौजूद फॉर्मूले पर आधारित होती है, अतएव जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनियों को रिसर्च का खर्च नहीं उठाना पड़ता, इसलिए जेनेरिक दवाइयों की कीमत ब्रांडेड दवा के मुकाबले बहुत कम होती है। खास बात यह है कि भारत जेनेरिक दवाइयां अमेरिका को निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 10 अरब डॉलर की दवाइयां भेजीं, जो भारत के कुल दवा निर्यात का करीब एक-तिहाई से अधिक है। निश्चित रूप से ट्रम्प ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाने का फैसला अमेरिका में दवा उत्पादन को बढ़ाने के लिए लिया है। ट्रम्प का दवाई टैरिफ 'अमेरिका फस्ट' और 'मेक इन अमेरिका' नीति का हिस्सा है। ट्रम्प का यह भी मानना है कि दवाओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका ने यह देखा है कि अगर दवाई की सप्लाई चेन टूटती है तो अमेरिका में दवाओं की भारी कमी हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाकर, अमेरिका की पूरी फार्मा सप्लाई चेन को सुरक्षित करने का कदम उठाया है। ट्रंप के द्वारा जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ नहीं लगाने के कुछ विशेष कारण भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में डॉक्टर रोगियों के लिए जो प्रिसक्रिप्शन लिखते हैं, उनमें से हर 10 में से करीब 4 दवाइयां भारतीय कंपनियों के द्वारा बनाई गई जेनेरिक दवाइयां होती हैं। इतना ही नहीं जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं से 80 से 90 फीसदी तक सस्ती होती हैं। ऐसे में अगर जेनेरिक दवाओं पर भी 100 फीसदी टैरिफ लग जाता, तो जेनेरिक दवाओं की कीमत बहुत बढ़ जाती।

अफगानिस्तान ने एक और अमेरिकी नागरिक को छोड़ा

वाशिंगटन/काबुल, 29 सितंबर (एजेंसियां) । अफगानिस्तान ने एक और अमेरिका नागरिक को छोड़ दिया है। आमिर अमीरी इस साल अफगानिस्तान की जेल से आजाद होने से वाले पांचवें नागरिक हैं। अमीरी की रिहाई में कतर ने महत्वपूर्ण राजनयिक भूमिका निभाई। वाशिंगटन ने इसके लिए दोहा का आभार जताया है। रिपोर्ट में अमीरी को रिहा करने की पुष्टि की गई है। अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को जारी बयान में अमेरिकी नागरिक आमिर अमीरी की रिहाई की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमीरी को अफगानिस्तान में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। अमीरी के रूप में इस साल अफगानिस्तान ने पांचवें नागरिक को अमेरिका को सौंपा है। रुबियो ने बयान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व और उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने अमीरी की रिहाई सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर को भी श्रेय दिया। रुबियो ने कहा, , राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व और अमेरिकी जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण अमेरिका अफगानिस्तान में गलत तरीके से हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिक आमिर अमीरी का स्वदेश वापसी पर स्वागत करता है। हम कतर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिसकी मजबूत साझेदारी और अथक कूटनीतिक प्रयास उनकी रिहाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रहे। रुबियो ने कहा कि अफगानिस्तान में अभी भी कई अमेरिकी अन्यायपूर्ण रूप से हिरासत में हैं। ट्रंप तब तक आराम से नहीं बैठेंगे, जब तक उनकी स्वदेश वापसी नहीं करा ली जाती। एक अधिकारी के अनुसार, अमीरी एक पास एक विशेष आप्रवासी वीजा (एसआईवी) मिला था। अमीरी की रिहाई के लिए राजनयिक वार्ता और बातचीत अमेरिका-कतर का एक संयुक्त प्रयास था। अधिकारी ने कहा कि अमीरी की सुरक्षित वापसी के बदले तालिबान को कुछ नहीं दिया गया। अमीरी की रिहाई और बोहलर का इस क्षेत्र का दौरा ट्रंप की तालिबान से बगराम एयर बेस का नियंत्रण अमेरिका को वापस सौंपने का आग्रह करने के एक हफ्ते बाद हुआ है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अमीरी की रिहाई से पहले एक बुजुर्ग ब्रिटिश दंपति को पिछले हफ्ते रिहा किया था। एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि अमीर अमीरी को वाशिंगटन के विशेष दूत एडम बोहलर को सौंप दिया गया है। बोहलर ने इस संबंध में इस महीने की शुरुआत में तालिबान सरकार के साथ चर्चा के लिए काबुल कादौरा किया था। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा, अफगान सरकार नागरिकों के मुद्दों को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखती और यह स्पष्ट करती है कि कूटनीति के जरिए मुद्दों को सुलझाने के तरीके खोजे जा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के पेशावर हमले में शामिल दाएश-के कमांडर अफगानिस्तान में मारा गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर शहर में चार मार्च 2022 को हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकवादी समूह दाएश-के (इस्लामिक स्टेट खुरासान) का वरिष्ठ कमांडर मोहम्मद इहसानी उर्फ अनवार अफगानिस्तान में मारा गया। दाएश-के क्षेत्रीय आतंकवादी संगठन और यह इस्लामिक स्टेट (आईएस) का हिस्सा है। यह अफगानिस्तान, पाकिस्तान और मध्य एशिया के कुछ हिस्सों में सक्रिय है। इस आतंकी संगठन की स्थापना 2015 में पाकिस्तानी और अफगानी तालिबान के पूर्व सदस्यों ने की थी। रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी के सुरक्षा सूत्रों ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित आतंकवादी समूह दाएश-के का वरिष्ठ कमांडर मोहम्मद इहसानी उर्फ अनवार अफगानिस्तान के मजार शरीफ शहर में मारा गया है। इहसानी की पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने में अहम भूमिका है। वह ताजिक आत्मघाती हमलावरों को प्रशिक्षित करने और उन्हें हमले करने के लिए सीमा पार पाकिस्तान ले जाने के लिए भी जिम्मेदार है। सूत्रों ने बताया कि वह पेशावर में कोचा रिसालदार बम विस्फोट का भी मुख्य सूत्रधार था। इसमें 67 लोगव शहीद हुए थे। वह चार मार्च 2022 को पेशावर की शिया मस्जिद पर हुए आत्मघाती बम हमले में शामिल था। इस घटना में 63 लोग लोग मारे गए और 190 से ज्यादा घायल हो गए। यह मस्जिद किस्सा ख्वानी बाजार के कुचा रिसलदार इलाके में है। इस्लामिक स्टेट आतंकवादी जुलाईबीब अल-काबली ने नमाज के दौरान पहले मस्जिद के बाहर गोली चलाई, फिर अंदर घुसकर खुद को विस्फोटक जैकेट से उड़ा लिया था। इस हमले के बाद पाकिस्तान में इस्लामी राज्य और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे आतंकवादी समूहों के हमलों की संख्या में वृद्धि हुई। यह हमला पाकिस्तान में हुए सबसे घातक हमलों में से एक था।। 2021 में तालिबान शासकों के अफगानिस्तान लौटने के बाद से पाकिस्तान में सीमा पार आतंकवादी घटनाओं में तेज इजाफा हुआ है। तालिबान और दाएश-के के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद हैं। इस कारण वे एक-दूसरे के विरोधी हैं। दाएश-के ने कई बड़े हमले किए हैं, जिनमें अगस्त 2021 में काबुल हवाई अड्डे पर हुआ हमला भी शामिल है। इसमें अमेरिकी सैनिकों और अफगान नागरिकों की मौत हुई थी।

अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार शुरू किया

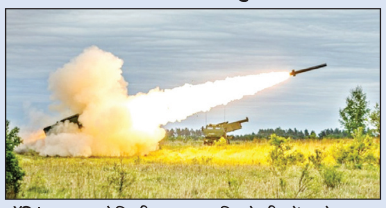

वॉशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने रविवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन के अनुरोध पर लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलें उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। यह मिसाइलें रूस के खिलाफ यूक्रेन की सैन्य क्षमता को मज़बूत कर सकती हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह यूरोपीय देशों को टॉमहॉक मिसाइलें बेचे, जिन्हें बाद में यूक्रेन भेजा जा सके। वेंस ने फॉक्स न्यूज़ संडे कार्यक्रम में बताया कि अंतिम निर्णय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लेंगे। 2,500 किलोमीटर रेंज वाली ये मिसाइलें यूक्रेन की सेना को रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब देने में मददगार साबित होंगी। हालांकि, ऐसी किसी भी आपूर्ति को रूस युद्ध में बड़ी वृद्धि के तौर पर देख सकता है। ट्रंप पहले यूक्रेन की लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग ठुकरा चुके हैं, लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समझौते से इनकार करने पर उनकी नाराज़गी बढ़ी है। वेंस ने कहा कि रूस का आक्रमण अब ठहर गया है और उसे हकीकत स्वीकार करनी होगी, क्योंकि बहुत लोग मर रहे हैं और रूस को हासिल कुछ खास नहीं हो रहा है ।

नेताओं के घर में जल रहे थे नोटों के बंडल जांच जारी, ओली के खिलाफ बड़ी कार्रवाई पासपोर्ट जब्त, काठमांडू छोड़ने पर रोक

काठमांडू। नेपाल की राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है। जेन-ज़ी के विरोध प्रदर्शनों के हिंसक दमन की जांच कर रहे न्यायिक आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित पांच शीर्ष अधिकारियों के पासपोर्ट ज़ब्त करने की सिफारिश की है। आयोग ने साथ ही इन नेताओं पर काठमांडू घाटी से बाहर जाने पर रोक भी लगाने का निर्णय लिया है। हिंसा और आगजनी के बाद वायरल हुए वीडियो में कुछ नेताओं के घर में नोटों के बंडल जलते और बिखरते हुए दिखाई दिए थे। इसकी भी जांच की जा रही है। आयोग सदस्य बिग्यान राज शर्मा के मुताबिक जिन पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है, उनमें ओली मंत्रिमंडल के तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक, गृह सचिव गोकर्ण मणि दुवादी, राष्ट्रीय जांच विभाग प्रमुख हुतराज थापा और काठमांडू के तत्कालीन मुख्य जिला अधिकारी छबी रिजाल शामिल हैं।

बांग्लादेश में हत्या और दुष्कर्म के विरोध में फूटा लोगों का गुस्सा, सेना का दावा-साम्प्रदायिक दंगा साजिश का नतीजा

ढाका, 29 सितंबर (एजेंसियां) । बांग्लादेश की सेना ने देररात दावा किया कि देश के खगराछारी के गुइमारा उपजिला में स्थिति नियंत्रण में हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अभी भी तनाव है। अशांति के मद्देनजर प्रभावित क्षेत्र में अर्ध बलों की टुकड़ी तैनात की गई हैं। सेना ने हालिया घटनाओं पर विस्तृत आधिकारिक बयान जारी किया। इसमें दावा किया गया है कि मजहबी दंगा साजिश का नतीजा है।

रिपोर्ट के अनुसार, सेना ने कहा कि खगराछारी के गुइमारा उपजिला में शनिवार और रविवार को हुई हालिया हिंसा सोची-समझी साजिश का नतीजा है। बयान के अनुसार, 19 सितंबर को मोटरसाइकिल सवार मामून की हत्या के बाद तनाव बढ़ने लगा। इसके बाद, यूनाइटेड पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूपीडीएफ) और उसके सहयोगी संगठनों ने कथित तौर पर दिघिनाला और रंगमती में सांप्रदायिक अशांति भड़काने की कोशिश की। परिणामस्वरूप सुरक्षा बलों के साथ झड़पें हुईं। इन झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई और कई स्थानीय लोग घायल हो गए।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि घटना के विरोध में यूपीडीएफ और उसके सहयोगियों ने चटगांव पहाड़ी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर रैलियां आयोजित कीं। 23 सितंबर की रात खगराछारी के सिंगिनाला इलाके में एक स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म के बाद यूपीडीएफ से जुड़े शायन शील को 24 सितंबर को सेना की सहायता से गिरफ्तार किया गया। इस पर यूपीडीएफ से संबद्ध पीसीपी नेता उखानु मर्मा ने जुम्मा छात्र जनता के बैनर तले खगराछारी में मानव शृंखला का आह्वान किया। 25 सितंबर को जिले में आधे दिन की हड़ताल हुई। बांग्लाभाषी समुदायों को निशाना बनाते हुए कई भड़काऊ और उत्तेजक बयान सोशल मीडिया में जारी किए गए।

सेना के अनुसार, इससे 26 सितंबर को खगराछारी में तनाव बढ़ गया। नाकेबंदी के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने गश्त कर रहे सैन्यकर्मियों पर कथित तौर पर पत्थर और ईंटें फेंकी, जिससे तीन सैनिक घायल हो गए। उकसावे के बावजूद सेना ने बल प्रयोग से परहेज किया। शनिवार को यूपीडीएफ और उससे जुड़े समूहों ने कथित तौर पर तोड़फोड़ करके फिर से अशांति फैलाने की कोशिश की। इस अशांति ने कथित तौर पर पूरे खगराछारी नगर पालिका क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की

स्थिति बिगाड़ दी और सांप्रदायिक दंगे का रूप ले लिया। इसके जवाब में जिला प्रशासन ने खगराछारी और गुइमारा में धारा 144 लागू कर दी। रविवार को लोगों ने धारा 144 का उल्लंघन किया।

सुबह लगभग 10:30 बजे यूपीडीएफ कार्यकर्ताओं और स्थानीय बंगाली निवासियों के बीच झड़प हो गई। सेना के जवानों ने हस्तक्षेप किया तो उन पर हथियारों, ईंटों, गुलेलों और डंडों से हमला किया गया, जिसमें तीन अधिकारियों सहित 10 जवान घायल हो गए। इसके साथ ही, रामगढ़ क्षेत्र में सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की गई ।लगभग 11:30 बजे, यूपीडीएफ (मुख्य) के सदस्यों ने कथित तौर पर गोलीबारी शुरू कर दी। रामसू बाजार के पश्चिम में एक पहाड़ी की चोटी से स्वचालित हथियारों से 100 से 150 राउंड फायरिंग की गई।

सेना के एक गश्ती दल ने सशस्त्र हमलावरों का पीछा किया तो यूपीडीएफ के अन्य कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर रामसू बाजार क्षेत्र में घरों में आग लगा दी। रामसू बाजार और गुइमारा में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया गया है। शाम लगभग 4:30 बजे स्थिति नियंत्रण में आ गई।

सेना ने दावा किया कि हाल के दिनों में, यूपीडीएफ और उसके सहयोगी संगठन चटगांव पहाड़ी क्षेत्रों को अस्थिर करने के प्रयास में महिलाओं और स्कूली बच्चों को अपनी विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने के लिए व्यवस्थित रूप से मजबूर किया। सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के लिए देशी हथियारों से लैस बाहरी आतंकवादियों को लाने की कोशिश की गई। सेना ने कहा कि वह 19 सितंबर से रविवार के बीच हुई घटनाओं को एक बड़ी, सुनियोजित साजिश का हिस्सा मानती है।

रिपोर्ट के अनुसार, अधिकार, सांस्कृतिक और राजनीतिक समूहों ने खगराछारी में हुई हिंसा और मौत की घटनाों की तत्काल जांच कराने की मांग की है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) ने सवाल उठाया कि एक लड़की पर क्रूर हमले के बाद न्याय के लिए मांग में क्या अपराध है। संगठन ने घटना की व्यापक न्यायिक जांच और बलात्कारियों को कड़ी सज़ा देने की मांग की। कल जिले के गुइमारा उपजिला में एक स्कूली छात्रा के साथ बलात्कार के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान कम से कम तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। टीआईबी के कार्यकारी निदेशक इफ्तेखारुज्जमां ने कहा, मूल निवासी महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं आम बात हो गई हैं।

बलोच राष्ट्रीय न्यायालय ने पाकिस्तान के तीन मुखबिरों को मौत की सजा सुनाई

क्वेटा,29 सितंबर (एजेंसियां) । बलोच राष्ट्रीय न्यायालय ने तीन बलोच नागरिकों गुलाम हुसैन, दौलत खान और इशाक निचारी को राजद्रोह का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। तीनों ने माना है कि वह लंबे समय से पाकिस्तान की फौज के लिए मुखबिरी करते रहे हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़कों ने पुख्ता सूचना के बाद इन लोगों को उनके घरों से उठा लिया था। बलोच राष्ट्रीय न्यायालय के फैसला सुनाने के बाद तीनों को फांसी पर लटका दिया गया या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। रिपोर्ट में बीएलए के प्रवक्ता जैंद बलोच ने गुलाम हुसैन, दौलत खान और इशाक निचारी को बलोच राष्ट्रीय न्यायालय से मौत की सजा सुनाने की पुष्टि की है। सजा का फैसला किस तारीख को सुनाया गया, यह स्पष्ट नही किया गया है। बलोच प्रवक्ता ने मीडिया को जारी बयान में फैसले में मौत की सजा का दावा करते हुए कहा कि संगठन के लड़ाकों ने राज्य की खनन संपदा का उत्खनन कर उन्हें ढोकर ले जाने वाले पाकिस्तान की संघीय सरकार के तमाम वाहनों को फूंक दिया गया। जैंद बलोच ने कहा कि लड़ाकों ने सोराब, कलात, नुश्की, जहरी और खारन में आठ जगह पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया। इस दौरान लड़ाकों ने केंद्रीय राजमार्ग पर नियंत्रण कर लिया गया। उन्होंने कहा कि बलोच लिबरेशन आर्मी के कमांडरों ने नुश्की में बादल करीज क्रॉस पर नाकाबंदी कर रहे पाकिस्तानी सेना के जवानों पर सशस्त्र हमला किया। इसके अलावा कमांडरों ने कलात के खजानई इलाके में खनिजों से लदे एक वाहन को निशाना बनाया और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। जैंद ने बताया कि 26 सितंबर को लड़ाकों ने क़लात के ज़वाह इलाके में कब्जा कर रही पाकिस्तानी सेना पर घात लगाकर हमला किया। प्रवक्ता के अनुसार, ज़ोहरी में अभियान के दौरान मुखबिरी के शक में गुलाम हुसैन पुत्र मेहरदाल जातक सकना स्ट्रीट, ज़ोहरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। हुसैन ने स्वीकार किया कि वह एक साल से पाकिस्तानी सेना के लिए कभी कादिर तो कभी अयूब बनकर मुखबिरी कर रहा था। दौलत खान ने स्वीकार किया कि उसने सेना के लिए मुखबिरी कर युवाओं को जबरन गायब करने में मदद की। लड़ाकों ने मंगचर के कलात में अली मोहम्मद सकना कोहक के बेटे इशाक निचारी को भी शक पर उठाया ।निचारी ने स्वीकार किया कि वह पाकिस्तान की सेना के साथ छापों में शामिल रहता था।

श्रीलंका में 12 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार, नाव जब्त

जाफना। श्रीलंकाई नौसेना ने उत्तरी प्रांत में कार्रवाई करते हुए 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नाव जब्त कर ली। अधिकारियों के अनुसार, ये मछुआरे जाफना के डेल्फ्ट द्वीप के निकट श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। नौसेना की ओर से जारी बयान में कहा गया, 28 सितंबर की तड़के उत्तरी नौसेना कमान ने तटरक्षक बल के सहयोग से अभियान चलाया। इस दौरान भारतीय मछली पकड़ने वाली एक नाव को जब्त किया गया और उस पर सवार 12 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया।' बयान में यह भी बताया गया कि भारतीय नौकाओं का एक समूह श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर मछली पकड़ रहा था। पकड़ी गई नाव और मछुआरों को कंकासंथुरेई बंदरगाह ले जाया गया, जहां से उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए मैलाडी के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया गया। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सीमा विवाद के चलते भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी का मामला अक्सर सामने आता रहता है। तमिलनाडु के मछुआरे गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के दौरान कई बार अनजाने में श्रीलंकाई जलक्षेत्र में पहुंच जाते हैं, जबकि श्रीलंकाई नौसेना इसे अतिक्रमण मानती है। यह मुद्दा दोनों देशों के बीच संवेदनशील माना जाता है ।

राष्ट्रपति ट्रंप शीर्ष सैन्य अधिकारियों की बैठक में शामिल होंगे

वाशिंगटन, 29 सितंबर (एजेंसियां) । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उन्होंने देश के शीर्ष सैन्य अधिकारियों (जनरलों) की मंगलवार को होने वाली बैठक में शामिल होने का फैसला किया है। यह बैठक वर्जीनिया में होनी है। रक्षा सचिव (अब युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ ने पिछले हफ्ते आदेश जारी कर सभी शीर्ष जनरलों को इस बैठक में मौजूद रहने के लिए ताकीद किया था। रिपोर्ट के अनुसार, वर्जीनिया के मरीन कॉर्प्स बेस क्वांटिको में ट्रंप की उपस्थिति न केवल हेगसेथ के प्रस्तावित संबोधन पर भारी पड़ेगी, बल्कि इस विशाल और लगभग अभूतपूर्व सैन्य आयोजन में नई सुरक्षा चिंताएं भी पैदा कर रही हैं। वर्जीनिया पहुंचने के लिए कुछ जनरलों और एडमिरल्स को हजारों मील की यात्रा करनी पड़ेगी है। ट्रंप ने इस चर्चा को मुख्यत: एक उत्साहवर्धक बातचीत बताया। व्हाइट हाउस ने ट्रंप के मंगलवार को इस बैठक में शामिल

होने की पुष्टि की है। बताया गया है कि ट्रंप सैन्य अधिकारियों को संबोधित भी करेंगे। पेंटागन के आसपास के कार्यालयों को सूचना दी गई है कि मरीन कॉर्प्स यूनिवर्सिटी में मंगलवार सुबह होने वाले आयोजन की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए जाएं। क्वांटिको में राष्ट्रपति के शामिल होने से अब सीक्रेट सर्विस इस कार्यक्रम की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगी। रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने जारी आदेश में कहा है कि यदि कोई अफसर नहीं पहुंचता तो उसे इसका पर्याप्त और समुचित कारण बताना होगा। इस बैठक को एक तरह से शक्ति प्रदर्शन भी माना जा रहा है। इस आयोजन की रूप-रेखा से परिचित एक रक्षा अधिकारी ने कहा, हेगसेथ के लिए यह घोड़ों को अस्तबल में लाने और उन्हें चाबुक से दुरुस्त करने की कोशिश है। बताया गया है कि आयोजन से पहले या कार्यक्रम स्थल पर हेगसेथ का रिकॉर्डेड भाषण जारी किया जा सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि ऐसी बड़ी बैठक का मूल विचार हेगसेथ का ही है। जिन सैकड़ों जनरलों और फ्लैग ऑफिसर्स को आमंत्रित किया गया है, उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि सब कुछ छोड़कर वर्जीनिया जाने का आदेश क्यों दिया गया ।रिपोर्ट के अनुसार, यूटा नेशनल गार्ड के जनरलों को हेगसेथ की शीर्ष सैन्य अधिकारियों की इस आकस्मिक बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि यूटा नेशनल गार्ड में कम से कम चार जनरल हैं। इनमें राज्य के शीर्ष सैन्य प्रमुख, एडजुटेंट जनरल, एक सहायक, और सेना व वायु सेना नेशनल गार्ड इकाइयों के जनरल अधिकारी शामिल हैं।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक, जस्टिस जहांगीरी कर सकेंगे न्यायिक कार्य

इस्लामाबाद , 29 सितंबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय से इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी को तात्कालिक राहत मिल गई। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। उच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति जहांगीरी को न्यायिक कार्य से विलग कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल कार्यालय सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है।

रिपोर्ट के अनुसार उच्चतम न्यायलय के न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जहांगीरी की याचिका पर यह आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय मंगलवार को भी इस मामले की सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति जहांगीरी ने उच्च न्यायालय के 16 सितंबर के आदेश को चुनौती दी थी। संवैधानिक पीठ में न्यायमूर्ति जमाल खान मंदोखैल, न्यायमूर्ति मोहम्मद अली मज़हर, न्यायमूर्ति सैयद हसन अजहर रिज़वी और

न्यायमूर्ति शाहिद बिलाल हसन भी शामिल है।

संवैधानिक पीठ का यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति मोहम्मद आजम खान की सदस्यता वाली इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ के न्यायमूर्ति जहांगीरी को उनके खिलाफ लंबित एक याचिका पर सर्वोच्च न्यायिक परिषद के फैसले तक न्यायिक कर्तव्यों के निर्वहन से रोक दिए जाने के बाद सामने आया है। यह याचिका वकील मियां दाऊद ने दायर की थी। इस फैसले के बाद न्यायमूर्ति जहांगीरी सहित इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अन्य चार न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति समन रिफत और न्यायमूर्ति एजाज इशाक खान हैं। दरअसल, यह मामला इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी कानून की डिग्री से जुड़ा हुआ है। कराची विश्वविद्यालय ने 32 वर्ष बाद उनकी कानून की डिग्री रद्द कर दी है। न्यायाधीश जहांगीरी ने सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) में कराची विश्वविद्यालय के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि न्यायिक स्वायत्तता की पक्षधरता के लिए उन्हें कार्यपालिका के शक्तिशाली सदस्यों से प्रतिशोध का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कराची विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने विश्वविद्यालय की अनुचित साधन (यूएफएम) समिति की सिफारिश पर 31 अगस्त, 2024 को न्यायमूर्ति जहांगीरी की कानून की डिग्री रद्द कर दी। हालांकि, पांच सितंबर, 2024 को उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालय के फैसले को स्थगित कर दिया। पिछले हफ्ते 16 सितंबर को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर और न्यायमूर्ति मुहम्मद आजम खान की खंडपीठ ने न्यायमूर्ति जहांगीरी को उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोक दिया। खंडपीठ न्यायाधीश पर संदिग्ध एलएलबी डिग्री रखने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

बीसीसीआई टीम इंडिया और सपोर्ट स्टाफ को देगा 21 करोड़ रुपए का इनाम

यह रकम टूर्नामेंट की आधिकारिक प्राइज मनी से आठ गुना अधिक

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।
एशिया कप 2025 जीतने के बाद भारतीय टीम पर इनामों की बारिश शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली टीम इंडिया और सपोर्ट स्टाफ को कुल 21 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। यह रकम टूर्नामेंट की आधिकारिक प्राइज मनी से आठ गुना अधिक है। फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा की नाबाद 69 रनों की अर्धशतकीय पारी ने भारत को 5 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। इसी के साथ भारत ने पाकिस्तान को इस टूर्नामेंट में तीसरी बार हराया और लगातार नौवीं बार एशिया कप खिताब अपने नाम किया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर लिखा, *तीन वार। शून्य जवाब। एशिया कप चैम्पियंस। संदेश साफ है। टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपए का इनाम।* हालांकि बोर्ड ने इस पुरस्कार राशि के विभाजन की विस्तृत जानकारी अभी तक साझा नहीं की है। टीम को टूर्नामेंट आयोजकों से अलग से आधिकारिक प्राइज मनी के तौर पर यूएसडी 300,000 (लगभग 2.6 करोड़ रुपये) भी मिलेगी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने न केवल एशिया कप पर अपना दबदबा कायम किया, बल्कि आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भी मजबूत संदेश दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी पुरस्कार राशि टीम के मनोबल को और बढ़ाएगी और खिलाड़ियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए प्रेरित करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम को 1-0 से हराया

कैनबरा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे मैच में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम को 1-0 से हराया। नेशनल हॉकी सेंटर, कैनबरा में खेले गए इस मुकाबले में कनिका सिवाच (32) ने भारत के लिए निर्णायक गोल किया। कनिका सिवाच ने भारत के लिए विजयी गोल किया पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन तीसरी क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में कनिका सिवाच के महत्वपूर्ण फील्ड गोल ने भारत को जीत दिलाई। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 के खिलाफ लगातार दो मैच हारे थे, लेकिन इस जीत के साथ भारतीय टीम ने आत्मविश्वास वापस पाया है और बाकी मैचों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रखती है। भारत की अगली भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर हॉकी वन लीग क्लब, कैन्बरा चिल के खिलाफ होगी। ये मैच क्रमशः 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को खेले जाएंगे, जिसके बाद भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त होगा।

अपनी मेजबानी में हमें पहली बार विश्वकप जीतने की उम्मीदें : हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम के पास विश्वकप जीतते का अच्छा अवसर है। महिला विश्वकप 30 सितंबर से शुरु होगा। इसकी मेजबान भारत कर रह है पर इसके कुछ मुकाबले श्रीलंका में भी होंगे। हरमनप्रीत का कहना है कि उनकी टीम मेजबान होने के कारण घरेलू मैदानों पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय टीम की कप्तानी करना भी उसके लिए सम्मान और गर्व की बात है। साथ ही कहा कि उनकी टीम पहली बार ये ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, विश्व कप की तैयारी काफी अच्छी रही है। टीम की सभी खिलाड़िों ने काफी अभ्यास किया है और वह काफी अच्छे फार्म में हैं। इससे हमारी ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं। अब से विश्व कप जीतना चाहते हैं। साथ ही कहा कि विश्वकप हर बार की तरह ही कठिन रहेगा पर हमें अपनी टीम के खेल कौशल के आधार पर जीत की उम्मीद है। घरेलू और बाहरी मैदानों पर हाल के समय में टीम ने जिस प्रकार की सफलता हासिल की है उससे भी वह उत्साहित है। हम विश्व कप में भी इसी लय को बनाये रखने के लिए उतरेंगे। हरमनप्रीत ने लिखा, हमारी विश्व कप टीम में युवा और अुनभवी सहित सभी विभागों में पारंगत खिलाड़ी हैं। टीम में उपकप्तान स्मृति मंधाना से लेकर जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी बल्लेबाज। वहीं रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के अलावा क्रांति गौड़, एन श्री चरणी और राधा यादव जैसी गेंदबाज हैं। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर जैसी ऑलराउंडर भी हैं। साथ ही कहा कि घरेलू मैदानों में ये मुकाबले होने से टीम को दर्शकों का भी पूरा समर्थन मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम का प्रयास पहली बार विश्वकप जीतना रहेगा। भारतीय टीम अब तक दो बार विश्वकप के फाइनल में पहुंची है पर दोनो ही बार खिताब नहीं जीत पायी।

प्रधानमंत्री ने भारतीय टीम को एशिया कप जीतने की बधाई दी, खेल के मैदान में भी सफल रहा ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम की शानदार जीत पर उसे बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल के मैदान पर भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया है। प्रधानमंत्री ने पाक के खिलाफ भारतीय टीम को मिली पांच विकेट से जीत पर कहा कि खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर का परिणाम भारत के पक्ष में ही रहा। भारतीय टीम ने कुलदीन यादव के चार विकेट के बाद तिलक वर्मा के नाबाद 69 रनों की सहायता से पाक के खिलाफ जीत दर्ज की। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने नौवीं बार एशिया कप अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में सभी मैच जीती भारतीय टीम ने तीनों ही मुकाबलों में पाक को हराया। प्रधानमंत्री ने कहा,'' आपरेशन सिंदूर खेल के मैदान में। परिणाम समान है भारत की जीत। हमारे क्रिकेटरों को बधाई। दोनों टीमों के बीच टूर्नामेंट में काफी तनाव भी रहा पर अंत में जीत भारत की हुई। भारतीय टीम ने इस मैच में भी टॉस के समय और खेल के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला। इसके अलावा जीत के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया।

डेनिस ग्नेजदिलोव ने एफ40 शॉटपुट में दो विश्व रिकॉर्ड के साथ मारी बाजी

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेनिस ग्नेज़दिलोव ने सोमवार को पुरुषों के एफ40 इवेंट में विश्व रिकॉर्ड को दो बार तोड़ते हुए शॉटपुट सर्कल में शानदार उपलब्धि हासिल की। शुरुआती 10.66 मीटर के प्रयास के बाद उनके पांचों थ्रो स्वर्ण पदक के लिए गए। रुस्तवी में जन्मे 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपनी अलग ही पहचान बनाई, अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर थ्रो के साथ उन्होंने पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मिगुएल मोंटेइरो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और आखिरी थ्रो में 11.92 मीटर थ्रो ने उनके रिकॉर्ड को और भी ऊंचा कर दिया। टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने अपना तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतकर इस खेल के इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों से लिख दिया। मिगुएल मोंटेइरो (पुर्तगाल) और गर्राह तनायाश (इराक) पहले भी पुरुषों के शॉट पुट एफ40 विश्व रिकॉर्ड का मालिक रह चुके। उन्होंने फाइनल को एक रोमांचक मुकाबला बनाने की कोशिश की। दो पूर्व विश्व चैंपियन गर्राह तनायाश और यानिस फिशर (जर्मनी) के मैदान में होने के कारण फाइनल उम्मीद के मुताबिक उच्च स्तर का रहा। पुर्तगाली स्टार ने पहले राउंड के बाद 10.92 मीटर के साथ बढ़त बनाई, लेकिन गनेज़दिलोव ने दूसरे राउंड में 11.59 मीटर के प्रयास के साथ अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्होंने अपनी पकड़ ढीली नहीं की और न ही पैडल से पैर हटाया। अपने तीसरे प्रयास में विश्व रिकॉर्ड हासिल किया और पकड़ के आश्वस्त होने के बावजूद बिना किसी आत्मसंतुष्टि के अपने पिछले प्रयास में रिकॉर्ड को फिर से स्थापित किया।

दयावंती ने एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन चौथे स्थान पर रही – सोमवार सुबह मैदान में उतरने वाली भारतीय खिलाड़ियों में, दयावंती का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। अपने आखिरी प्रयास में 27.94 मीटर के प्रयास से वह महिलाओं के डिस्कस थ्रो स्न64 फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। इससे उन्हें एशियाई रिकॉर्ड तो मिला, लेकिन कांस्य पदक विजेता एलिसिया गुएरेरो (संयुक्त राज्य अमेरिका) और उनके बीच 1.51 मीटर का अंतर था। इसी तरह एक अन्य भारतीय आयुष वर्मा पुरुषों के शॉटपुट स्न5 फ़ाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.23 मीटर रहा, जो एलेस किसी (चेक गणराज्य) द्वारा प्राप्त कांस्य पदक की दूरी से 97 सेमी कम था। अनुभवी धावक रोंगाली रवि, पुरुषों के शॉटपुट स्न40 फ़ाइनल में जगह नहीं बना पाए, जहाँ उन्होंने इस सीज़न का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास 10.10 मीटर किया, लेकिन पोडियम फ़िनिश से 76 सेमी कम रह गए। सोमवार सुबह दो अन्य चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी टूटे। पोलैंड के बार्टोज़ गोरज़ाक ने पुरुषों के शॉटपुट एफ53 फ़ाइनल में 8.67 मीटर थ्रो के साथ मीट रिकॉर्ड फिर से बनाया, जबकि महिलाओं के डिस्कस थ्रो एफ44 फ़ाइनल में मेक्सिको ने रिकॉर्ड बनाया। ओसिरिस एनेथ मचाडो ने 44.36 मीटर के साथ स्वर्ण पदक और चैंपियनशिप रिकॉर्ड जीता। पोलैंड ने प्रतियोगिता के तीसरे दिन महिलाओं की डिस्कस थ्रो एफ64 फ़ाइनल में फ़ॉस्टिना कोटलोव्स्का के रूप में दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इन दो स्वर्ण पदकों की बदौलत पोलैंड चार स्वर्ण और चार कांस्य पदकों के साथ ब्राज़ील (3 स्वर्ण, 5 रजत, 2 कांस्य) और चीन (3-4-3) से आगे निकलकर पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

सूर्यकुमार ने मैच फीस पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित की

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप खिताब जीतने के बाद अपनी मैच फीस की राशि पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित कर दी। एशिया कप की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान से कोई संपर्क न रखते हुए पाक टीम से हाथ भी नहीं मिलाया। ग्रुप स्तर का मैच जीतने के बाद ही सूर्यकुमार यादव ने उस जीत को सेना और पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति समर्पित कर दिया था। वहीं ट्रॉफी जीतने के बाद सूर्यकुमार ने कहा कि हम अपनी मैच फीस पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित करते हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में लिखा, मैंने इस टूर्नामेंट की अपनी मैच फीस हमारी सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए दान करने का फैसला किया है। साथ ही लिखा कि हम हमेशा आप के साथ खड़े हैं। सूर्यकुमार ने जीत के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी इंकार कर दिया क्योंकि नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ ही पाक के गृह मंत्री भी हैं। नकवी अधिकतर भारत के खिलाफ बयान देते रहे हैं। जिससे भी भारतीय खिलाड़ियों ने उनका विरोध किया किया।

ऑनलाइन सट्टेबाज ऐप मामले में फंसे क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों की संपत्ति जब्त कर सकती है ईडी

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।
ऑनलाइन सट्टेबाज ऐप मामले में फंसे पूर्व क्रिकेटरों और फिल्मी हस्तियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसका कारण ये है प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इन हस्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रहा है। यहां तक की दोषियों की संपत्ति भी जब्त हो सकती है। ऐसे में युवराज सिंह , सुरेश रैना सहित कई क्रिकेटरों और फिल्मी सितारोंके खिलाफ बड़ी कार्रवाई हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ईडी के कई बार समन जारी करने के बाद भी खिलाड़ी और फिल्मी सितारे पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए। ईडी का मानना है कि इन हस्तियों ने ब्रांड एंडोर्समेंट फीस से संपत्तियां खरीदी हैं। ऐसे में इन संपत्तियों से हुई आय को वैध नहीं माना जा सकता है।

गौरतब है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामले में कई क्रिकेटरों और सितारों के खिलाफ जांच चल रही है। गत दिनों अभिनेता सोनू सूद ईडी के सामने पेश भी हुए थे। वहीं इस सूची में बंग्ला फिल्मों की अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती और अंकुश हाजरा भी ईडी के सामने पेश हो चुके हैं। वहीं बालीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को भी ईडी ने समन भेजा था पर वह विदेश में होने के कारण पेश नहीं हो पाईं। उर्वशी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप की भारत में ऐंबेसडर थीं।

दूसरी ओर क्रिकेटरों की बात करें तो युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन का नाम भी इस सूची में शामिल है। ईडी इस बात की जांच कर रही है कि इन हस्तियों ने अवैध तरीके से कमाए पैसे से विदेश में भी किस प्रकार से संपत्ति खरीदी है। ईडी जल्द ही इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर सकती है। अभी वह मनी लॉन्ड्रिंग का पता लगाने के लिए संपत्ति का ब्यौरा, बैंक अकाउंट्स और ट्रांजैक्शन के बारे में जानकारी हासिल कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के देश में 22 करोड़ से ज्यादा यूजर थे। संसद ने पिछले दिनों सट्टेबाज एप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

यूसीआई रोड विश्व चैम्पियनशिप

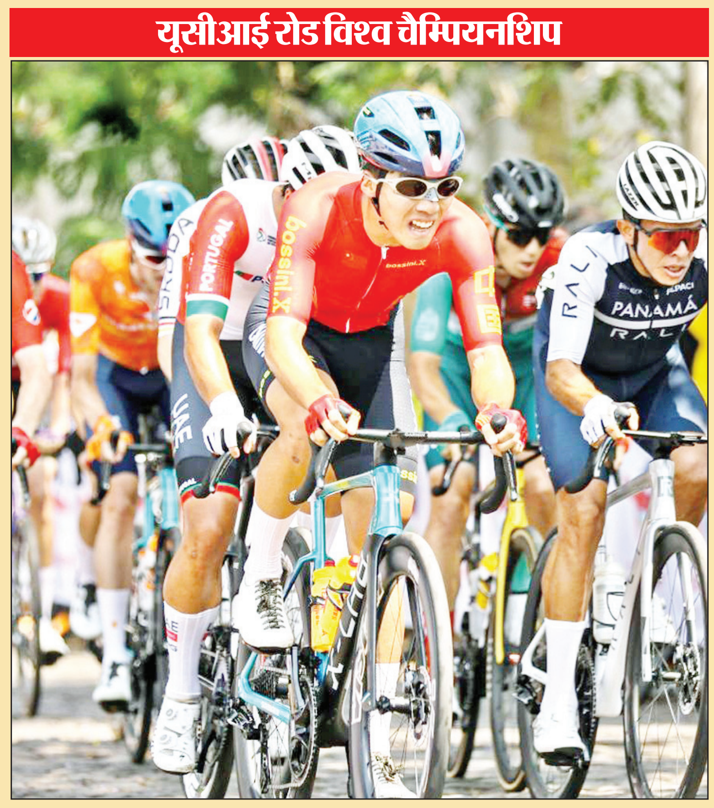

रवांडा में यूसीआई रोड विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेते हुए साइकिल चालक।

स्विस सुपरस्टार कैथरीन डेब्रुनर ने पदकों के अपने संग्रह में जोड़ा एक और स्वर्ण

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।
स्विट्ज़रलैंड की दिग्गज पैरा एथलीट कैथरीन डेब्रुनर ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस पीढ़ी की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली।

पिछले साल पेरिस पैरालंपिक खेलों में पांच स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाली डेब्रुनर को खुद को पोडियम पर देखने की आदत हो चुकी है। नई दिल्ली में मिली जीत से पहले ही 30 वर्षीय यह खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम कर चुकी थीं।

रविवार को उन्होंने 12:18.29 मिनट समय के साथ फिनिश लाइन पार की और चीन की तियान याजुआन तथा अपनी हमवतन पेट्रीसिया ईचस को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। भारत में अपने पहले अनुभव पर डेब्रुनर ने कहा, यह मेरा भारत में पहला मौका है और मुझे कहना होगा कि यह बिल्कुल अलग संस्कृति और देश है, जिसकी मुझे आदत नहीं है। यह वाकई बहुत अलग अनुभव रहा। उन्होंने नए मोंडो ट्रैक और प्रतिष्ठित स्टेडियम पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, नया बिछाया गया मोंडो ट्रैक तेज़ होने में थोड़ा समय लेता है। फिर भी यह अच्छा ट्रैक है। यह एक शानदार स्टेडियम है। हमें यहाँ स्वागत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। डेब्रुनर ने महज़ आठ साल की उम्र में खेलों की दुनिया में कदम रखा था और आज वह पैरा स्पोर्ट्स की वैश्विक प्रतीक बन चुकी हैं। साल 2023 में उन्हें लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर विद ए डिसएबिलिटी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। अपने लंबे सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, यह एक बहुत लंबी यात्रा रही है। मैं उन सभी अनुभवों के लिए आभारी हूं जो मुझे मिले। मैंने बहुत सारे अद्भुत लोगों और खिलाड़ियों से मुलाकात की है, जिनमें से कुछ को मैं बीस साल से जानती हूं। हम सबको सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं बल्कि इंसान के तौर पर बढ़ते देखना अद्भुत रहा है। इस कम्युनिटी का हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। यह मेरा जुनून है और हर दिन उसे जी पाना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी है।

एक और स्वर्ण पदक के साथ, डेब्रुनर ने फिर से साबित किया कि वह धैर्य, उत्कृष्टता और खेल के प्रति गहरी लगन की मिसाल हैं।

स्ट्रोक से वर्ल्ड चैंपियन तकः अद्भुत और प्रेरणादायी है पोलैंड की मैग्दलेना की यात्रा

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।
जब पोलैंड की मैग्दलेना एंडुस्ज़किविच ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में महिलाओं की ञ्72 400 मीटर फाइनल साइकिल रेस की फिनिश लाइन पार की, तो जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। दर्शकों के लिए यह एक दिव्यांग एथलीट की शानदार जीत थी, लेकिन मैग्दलेना के लिए यह सात वर्षों की संघर्ष, धैर्य और अटूट उम्मीदों का परिणाम था।

37 वर्षीय मैग्दलेना की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। सात साल पहले आए स्ट्रोक ने उनके जीवन की दिशा बदल दी थी। शरीर का एक हिस्सा निष्क्रिय हो गया और उन्हें लगा कि सब कुछ खत्म हो गया है, लेकिन इसी मोड़ ने उनकी नई यात्रा की शुरुआत की। फिजियोथेरेपी के दौरान फ्रेम साइकिल चलाना उनके लिए उम्मीद की पहली किरण बना। वह कहती हैं, शुरुआत में यह सिर्फ पैरों पर खड़े होने की कोशिश थी। धीरे-धीरे यह जुनून बन गया और फिर मेरी पूरी ज़िंदगी।

पांच साल पहले उन्होंने पैरा एथलेटिक्स को पूरी तरह अपनाया। जापान के कोबे में आयोजित पिछले संस्करण में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले, 2023 पेरिस विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में वह रजत जीत चुकी थीं। रविवार को दिल्ली में उन्होंने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए 1 मिनट 13 सेकंड में दौड़ पूरी की और सफलतापूर्वक अपने खिताब की रक्षा की।

मैग्दलेना का सपना अब 2028 लॉस एंजेलिस पैरालंपिक्स में ञ्72 इवेंट का पदार्पण और वहां स्वर्ण पदक जीतना है। भारत में पहली बार प्रतिस्पर्धा करते हुए उन्होंने दर्शकों के उत्साह और गर्मजोशी की तारीफ की—भारत शानदार है, यहां की ऊर्जा ने मुझे प्रेरित किया।

स्ट्रोक से पहले वह एक नर्तकी थीं। नृत्य से मिली अनुशासन, लय और धैर्य की शिक्षा ही उनके खेल जीवन में सहारा बनी। मैग्दलेना सिर्फ ट्रैक की चैंपियन नहीं, बल्कि साहस और उम्मीद की प्रतीक हैं। भविष्य के पैरा एथलीटों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, खेल सबके लिए हैं। शारीरिक अक्षमता मायने नहीं रखती—जुनून है तो कुछ भी संभव है।

लिटन अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में शायद ही खेल पायें

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 और एकदिवसीय सीरीज में शायद ही खेल पायें। लिटन को एशिया कप में पीठ में चोट लगी है जिससे उबरने में उन्हें कम से कम तीन सप्ताह का समय लगने की संभावना है। एक अधिकारी ने कहा कि लिटन को पूरी तरह ठीक होने में कम से कम तीन हफ्ते लगेंगे। ऐसे में अफगानिस्तान सीरीज में उनके खेलने की संभावना बेहद कम है। आईसीसी एकेडमी ग्राउंड पर नेट्स के दौरान लिटन को चोट लगी थी। लिटन की गैरमौजूदगी में जाकर अली को टीम की कमान सौंपे जाने की संभावना है। जाकर ने ही लिटन के बाहर होने पर भारत और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में टीम की कप्तानी की थी। क्रिकेट बोर्ड ने अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा नहीं की है। अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश 2 से 5 अक्टूबर तक शारजाह में तीन मैचों की टी20 सीरीज के बाद 8, 11 और 14 अक्टूबर को अबू धाबी में तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी।

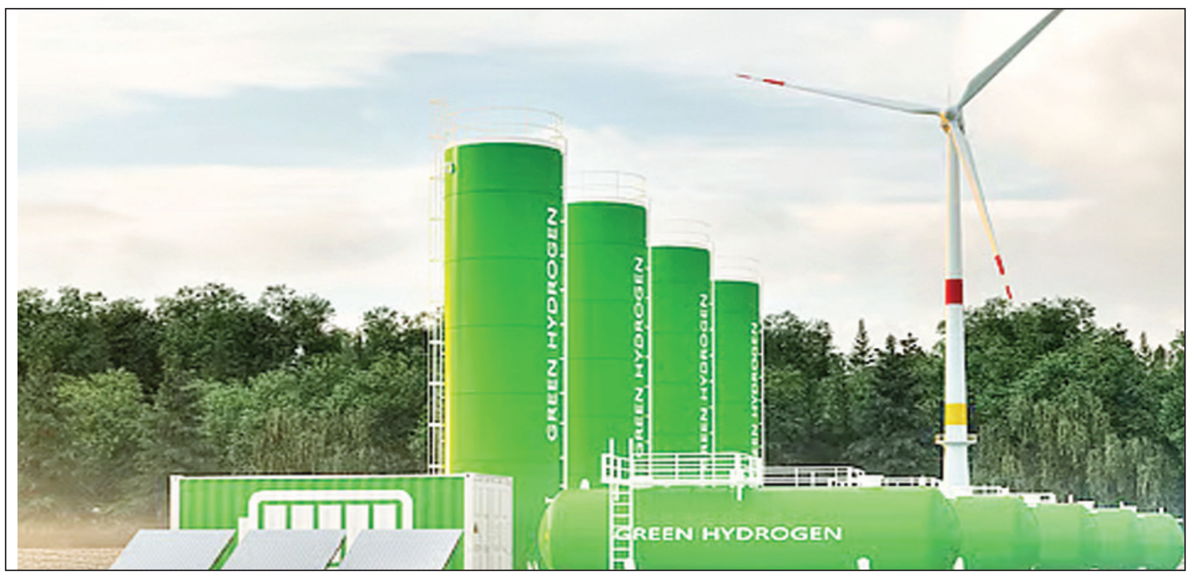

भारत ग्रीन हाइड्रोजन में बन रहा वैश्विक नेतृत्व 2030 तक 50 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।

एसएंडपी ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत ग्रीन हाइड्रोजन इंडस्ट्री में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन रहा है। देश में लो-कॉस्ट हाइड्रोजन उत्पादन की क्षमता इसके प्रतिस्पर्धियों के बीच शुरुआती गति बनाए रखने और ऑफटेक समझौतों को सुरक्षित करने पर निर्भर करती है।

भारत के पास ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक मजबूत संसाधन और तकनीकी आधार मौजूद है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को 19,744 करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी है।

इस मिशन का उद्देश्य भारत को 2030 तक वार्षिक 50 लाख मीट्रिक टन हाइड्रोजन उत्पादन और वैश्विक व्यापार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने वाला वैश्विक केंद्र बनाना है। इसके साथ ही सरकार ने हाइड्रोजन इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स को 100 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है, जिसमें प्रति प्रोजेक्ट 5 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी।

26 सितंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के पहले हाइड्रोजन राजमार्गों का शुभारंभ किया, जिससे लंबी दूरी के हाइड्रोजन-चालित माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को हाइड्रोजन निर्यात के लिहाज से लाभदायक है। भारत ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय परिवारों की संपत्ति 2024 बीते 8 वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ी

नई दिल्ली। एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार वर्ष 2024 में भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति में 14.5 फीसदी की तेज़ वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे अधिक है। यह उभरते हुए मध्यम वर्ग की आर्थिक शक्ति और बढ़ती निवेश प्रवृत्ति को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों में भारत की प्रति व्यक्ति वित्तीय संपत्ति पांच गुना बढ़ी है। इस दौरान भारत ने अन्य सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। वित्तीय संपत्तियों में सबसे ज्यादा वृद्धि प्रतिभूतियों (28.7) में हुई, इसके बाद बीमा और पेंशन (19.7 फीसदी) और बैंक डिपॉजिट (8.7 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, भारतीय परिवारों के पोर्टफोलियो में अब भी 54 फीसदी हिस्सा बैंक डिपॉजिट का है, जो देश में मजबूत बचत संस्कृति को दर्शाता है। मुद्रास्फीति समायोजित वृद्धि दर 9.4 फीसदी रही, जिससे महामारी के बाद भारत की क्रय शक्ति 40 फीसदी बढ़कर महामारी-पूर्व स्तर से ऊपर चली गई, जबकि पश्चिमी यूरोप में यह अब भी 2.4 फीसदी नीचे है। 2024 में प्रति भारतीय नेट फाइनेंशियल एसेट्स 2,818 डॉलर पर पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 15.6 फीसदी अधिक हैं। हालांकि, देनदारी भी बढ़ी है, 12.1 फीसदी की दर से, जिससे कर्ज जीडीपी के 41 फीसदी तक पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका ने अकेले 2024 में वैश्विक वित्तीय संपत्ति वृद्धि का 50 फीसदी योगदान दिया, जबकि चीन और पश्चिमी यूरोप क्रमशः 20 और 12 फीसदी के साथ पीछे रहे। भारत की यह प्रगति इसे तेजी से उभरती वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। पिछले दो दशकों में भारत की प्रति व्यक्ति वित्तीय संपत्ति पांच गुना बढ़ी।

टाटा कैपिटल का आईपीओ छह अक्टूबर को खुलेगा

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टाटा कैपिटल ने अपने बहुप्रतीक्षित 15,512 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 310-326 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार आरंभिक सार्वजनिक निर्गम छह अक्टूबर को अभिदान के लिए खुलेगा और आठ अक्टूबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) तीन अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। कुल 47.58 करोड़ शेयर का आईपीओ 21 करोड़ के नए शेयर और 26.58 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। टाटा कैपिटल में वर्तमान में टाटा संस की हिस्सेदारी 88.6 प्रतिशत जबकि आईएफसी की 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है ।टाटा कैपिटल के 13 अक्टूबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

जनधन खातों की केवाईसी 30 सितंबर तक करें, नहीं तो बंद हो सकता है खाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत खोले गए बैंक खातों को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। जिन खातों की शुरुआत 2014-15 में हुई थी, उनके लिए अब री-केवाईसी कराना अनिवार्य हो गया है। सरकार ने इसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर तय की है। 10 साल पुराने खातों के लिए री-केवाईसी अनिवार्य, गांव-गांव में चल रहे हैं कैंप बिना री-केवाईसी के, ऐसे खाते निष्क्रिय हो सकते हैं, जिससे खाताधारकों को लेन-देन और सरकारी सब्सिडी प्राप्त करने में समस्या आ सकती है। री-केवाईसी प्रक्रिया एकदम आसान है। खाताधारकों को अपनी बैंक शाखा में जाकर पहचान पत्र, पता प्रमाण और फोटो जमा करना होता है। यह प्रक्रिया निःशुल्क है। सरकारी बैंक 1 जुलाई से 30 सितंबर तक ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर री-केवाईसी करा रहे हैं। अब तक देशभर की एक लाख से अधिक पंचायतों में ऐसे कैंप लग चुके हैं। जन धन योजना के तहत खातों की संख्या तेजी से बढ़ी है। 2015 में जहां 14.72 करोड़ खाते थे, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 56.16 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार की अपील है कि जिनका खाता 10 साल पुराना है, वे जल्द से जल्द री-केवाईसी कराएं, ताकि सरकारी लाभों का लाभ बिना बाधा जारी रह सके।

लगातार 7वें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार की कमजोरी के बावजूद निवेशकों को 1.18 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,29 सितंबर (एजेंसियां)।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार सोमवार को लगातार सातवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, आईटी सेक्टर की कमजोरी और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में 1.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की वजह से घरेलू शेयर बाजार मजबूती हासिल करने के बावजूद अंत में कमजोरी का शिकार हो गया।

कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 0.50 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल भी रहे। दूसरी ओर, बिकवाल भी लगातार अपना दबाव बनाते रहे और अंत में बाजार पर पूरी तरह से हावी भी हो गए, जिसके कारण अंततः सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में कमजोरी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.076 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, रियल्टी, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, डिफेंस, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 451.73 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.55 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,377 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,919 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,274 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 184 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,794 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,335 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,459 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 162.31 अंक की मजबूती के साथ 80,588.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 424.92 अंक की मजबूती के साथ 80,851.38 अंक के स्तर तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 600 अंक से अधिक का गोता लगा कर 177.62 अंक की कमजोरी के साथ 80,248.84 अंक तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 61.52 अंक की कमजोरी के साथ 80,364.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 73.85 अंक उछल कर 24,728.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 136.60 अंक की तेजी के साथ 24,791.30 अंक तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 185 अंक से अधिक टूट कर 48.50 अंक की कमजोरी के साथ 24,606.20 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 19.80 अंक की गिरावट के साथ 24,634.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 2.22 प्रतिशत, विप्रो 1.65 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 1.61 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.49 प्रतिशत और इटरनल 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक 1.89 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.85 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.48 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 1.10 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एलआईसी को पहले ही दिन मिला 1,100 करोड़ का प्रीमियम इनफ्लो

मुंबई,29 सितंबर (एजेंसियां)।

जीवन बीमा पॉलिसियों पर टैक्स शून्य होने से ग्राहकों में उत्साह, बिक्री में तेजी की उम्मीद

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जीएसटी में किए गए सुधारों का असर बीमा उद्योग में तुरंत दिखने लगा है। सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) को जीएसटी हटने के पहले ही दिन 1,100 करोड़ रुपए का प्रीमियम इनफ्लो मिला है। यह आंकड़ा एलआईसी की औसत मासिक आय (5,000 करोड़ रुपए) का एक बड़ा हिस्सा है, जो उपभोक्ताओं के बीच सकारात्मक भावना को दर्शाता है। नई नीति के तहत अब स्वास्थ्य और व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इससे जीवन बीमा पॉलिसियां पहले से कहीं अधिक किफायती हो गई हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से पॉलिसी की बिक्री में जोरदार वृद्धि देखने को मिलेगी। एलआईसी पहले से ही भारतीय बीमा बाजार में मजबूत स्थिति में है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कंपनी ने 10,957 करोड़ रुपए का मुनाफा और 1,19,618 करोड़ की शुद्ध प्रीमियम आय दर्ज की।

रिलायंस पावर इंडोनेशिया की कई अनुषंगी कंपनियों की हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। रिलायंस पावर ने कहा कि वह अपनी इंडोनेशिया की कई अनुषंगी कंपनियों की अनुषंगियों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी सिंगापुर की बायोट्रस्टर प्राइवेट लिमिटेड को करीब 1.2 करोड़ डॉलर में बेचने पर विचार कर रही है। इस संबंध में रिलायंस पावर नीदरलैंड बी.वी., रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड और बायोट्रस्टर (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड के बीच शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी पीटी अवनीश कोल रिसोर्सेज, पीटी हेरम्बा कोल रिसोर्सेज, पीटी सुमुखा कोल सर्विसेज, पीटी ब्रायन बिंटांग तिगा एनर्जी और पीटी श्रीविजय बिंटांग तिगा एनर्जी में 100 प्रतिशत शेयरधारिता बेचेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दोनों देशों को ...

जबकि ब्लू लाइन वैकल्पिक गलियारा, उत्तरी सीमा से जुड़ा है। ये दोनों परियोजनाएं भूटान को दुनिया के बाजारों से और बेहतर ढंग से जोड़ेंगी। भारत और भूटान की यह ऐतिहासिक रेल परियोजना सिर्फ एक ट्रैक नहीं, बल्कि दोस्ती की नई दिशा है। आने वाले वर्षों में जब ट्रेन इन पटरियों पर दौड़ेंगी, तो सिर्फ दूरी ही नहीं घटेगी, दिल और रिश्ते भी और करीब आएंगे।विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा, दोनों देशों के बीच आपसी संबंध बहुत ही पुराने है। कई भारतीय निजी कंपनियां भूटान में पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। दोनों देशों के बीच रोड कनेक्टिविटी पर काफी काम हुआ है। इसलिए हम इसे और आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ताकि दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही और आसान हो सके।

अब चुनौतियां अधिक ...

सिस्टम और ऑटोमेटेड रिस्पॉन्स मैकेनिज्म जैसे साधनों को अपनी रणनीति में शामिल करना होगा।रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारतीय तटरक्षक बल अब तक 1,638 विदेशी जहाजों और 13,775 विदेशी मछुआरों को पकड़ चुका है। बल ने 6,430 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए हैं, जिनकी कीमत करीब 37,833 करोड़ रुपए है। इसके अलावा भारतीय तटरक्षक बल ने जुलाई तक 76 खोज एवं बचाव मिशन चलाकर 74 लोगों की जान बचाई है। स्थापना से अब तक बल ने आपदा प्रबंधन अभियानों में 14,500 से अधिक लोगों की जान बचाई है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ...

क्रिमिनल कोड के तहत किसी आतंकवादी संगठन की संपत्ति या वित्तीय सेवाओं से जुड़े कार्य करना अपराध है। कनाडा की राष्ट्रीय पुलिस सेवा, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी), आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों की रोकथाम, पता लगाने और जांच करने के लिए जिम्मेदार है। अब कनाडा में बिश्नोई गैंग की सम्पत्ति, वाहन और पैसे कनाडा में जब्त या फ्रीज किए जा सकते हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस गैंग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिक शक्तियां मिलती हैं, जैसे कि आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण, यात्रा और भर्ती पर रोक। कनाडा और विदेश में किसी भी व्यक्ति के लिए यह गैरकानूनी है कि वह जानबूझकर आतंकवादी संगठन की सम्पत्ति से जुड़े। ऐसा करना अपराध माना जाएगा, चाहे वह सीधे सम्पत्ति दे या किसी और के माध्यम से। इस सूची का उपयोग आव्रजन और सीमा अधिकारियों की तरफ से कनाडा में प्रवेश की अनुमति देने या रोकने के लिए भी किया जा सकता है।कनाडाई सरकार के अनुसार, कनाडा में बिश्नोई गैंग महत्वपूर्ण प्रवासी समुदायों वाले क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बिश्नोई गिरोह हत्या, गोलीबारी और आगजनी में लिप्त है, और जबरन वसूली और धमकी के माध्यम से आतंक फैलाता है। वे इन समुदायों को, उनके प्रमुख समुदाय के सदस्यों, व्यवसायों और सांस्कृतिक हस्तियों को निशाना बनाकर उनमें असुरक्षा का माहौल पैदा करते हैं। बिश्नोई गिरोह को सूचीबद्ध करने से कनाडाई सुरक्षा, खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उनके अपराधों से निपटने और समुदायों को सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।

भाजपा का दिल्ली ...

विकसित दिल्ली के सपने को और तेजी से पूरा कर पाएंगे। भाजपा सरकारों के हर अच्छे काम का लाभ हर लाभार्थी तक पहुंचना जरूरी है, इसलिए भाजपा कार्यकर्ताओं को सदैव सजग रहना होगा। मैं दिल्ली और देशभर के कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि हमें यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी सुधार का लाभ आम आदमी तक पहुंचे, जहां हम विपक्ष में हैं, वहां हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि वहां की सरकार जीएसटी में कमी का लाभ जनता को दे। जैसे ही हमने जीएसटी कम किया, हिमाचल की सरकार ने सीमेंट के दाम बढ़ा दिए, यानि उसी दिन से हिमाचल में सरकार ने जनता के हक की चीज लूटनी शुरू कर दी। हमें भारत को आत्मनिर्भर बनाना है और स्वदेशी अपनाना है।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, आज हम सभी के लिए खुशी का अवसर है कि लंबे इंतजार के बाद, दिल्ली प्रदेश भाजपा को अपना कार्यालय मिल गया है और प्रधानमंत्री द्वारा इसका उद्घाटन किया गया है। मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करता हूं कि जब भी हमने पार्टी के लिए किसी भी काम के लिए मार्गदर्शन मांगा, उन्होंने हमेशा हमारा साथ दिया, मैं उनका धन्यवाद करता हूं।

बीएसएफ में निर्णय...

उन्नत जीआईएस कार्यक्षमता प्रदान करने के अलावा, निर्णय समर्थन प्रणाली जीआईएस प्लेटफार्म को विरासत संचालन घटना डेटाबेस और सीमा से सेंसर फीड के साथ एकीकृत करती है, जिससे मुख्यालय में एक संपूर्ण संचालन चित्र (सीओपी) बनता है।

डीएसएस, बीएसएफ को निगरानी और पूर्वानुमान एवं प्रवृत्ति विश्लेषण की सुविधाओं के साथ परिचालन रूप से लाभान्वित करेगा, जिससे प्रभावी सीमा प्रबंधन की क्षमताएं और बढ़ेंगी। यह प्रणाली बेहतर संसाधन आवंटन और परिचालन योजना एवं क्रियान्वयन के लिए तस्करी के हॉटस्पॉट, घुसपैठ मार्गों आदि की भविष्यवाणी, जीआईएस और लीगेसी डेटा पर एआई/एमएल आधारित संचालन करने में सक्षम होगी।भविष्य में डीएसएस को सीआईबीएमएस, बीएसएफ के अन्य कमांड सेंटरों और अन्य सुरक्षा बलों एवं संगठनों के जीआईएस प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत किया जाएगा। वास्तविक समय डेटा संग्रह और घटना रिपोर्टिंग के लिए मोबाइल एप्लिकेशन को डीएसएस के साथ एकीकृत करने की योजना है। अपने अगले चरण में, डीएसएस को ओएसआईएनटी, बिग डेटा और आईएमडी डेटा जैसे अन्य डेटा स्रोतों के साथ एकीकृत किया जाएगा। डीएसएस बीएसएफ की क्षमताओं में सुधार करेगा, जिससे कमांडरों को निर्णय लेने में मदद करके भारत की सीमाओं की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा करने में मदद मिलेगी। तकनीकी समाधानों का उपयोग करके, बीएसएफ सीमा सुरक्षा के उभरते खतरों का सामना करने में सक्षम होगी।

26/11 के बाद...

उन्होंने भी प्रधानमंत्री से कहा था कि हमले की कोई भी प्रतिक्रिया न दे।उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकी हमला हुआ। पाकिस्तान पोषित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने समुद्र के रास्ते से मुंबई में घुसकर कई जगहों पर गोलीबारी और बम विस्फोट किए थे। इस हमले में 166 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें कई विदेशी नागरिक और सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। उस समय कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की केंद्र सरकार थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह थे।

देश का लीडर...

हमें काफी आनंद आया। पिछली रात हम साथ में ही थे और हम सभी ने काफी आनंद किया।मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार एशिया कप के सभी मैचों की अपनी फीस पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों और सशस्त्र बलों को देने का ऐलान किया था। इस पर सूर्यकुमार ने कहा, जब मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस में जा रहा था, तो मैंने सोचा कि इतने सारे भारतीय वहां मौजूद हैं और हम कम से कम कुछ छोटी-मोटी मदद तो कर ही सकते हैं। अगर सब थोड़ा-थोड़ा योगदान दें, तो अच्छा रहेगा। मैं उस समय पूरी लाइन नहीं लिख पाया, क्योंकि यह सशस्त्र बलों और पहलगाम हमले के पीड़ितों के लिए है। सब कुछ इतनी तेजी से हो रहा था कि उस अफरा-तफरी में मैं ज्यादा कुछ नहीं कह पाया। लेकिन मैं जो भी कर सकता हूं, करूंगा।भारत की खिताबी जीत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच नहीं गंवाया जो खेल में उनके दबदबे को दर्शाता है। मैं भविष्य में भी भारतीय टीम को इसी तरह की सफलताएं मिलने की कामना करती हूं। एशिया कप में भारतीय टीम की जीत पर गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत विभिन्न नेताओं ने भारतीय टीम को बधाई दी। अमित शाह ने भारतीय खिलाड़ियों की जबरदस्त ऊर्जा की सराहना की तो एस जयशंकर ने कहा, नया भारत करके दिखाता है। अमित शाह ने कहा, एक अभूतपूर्व जीत। हमारे लड़कों की जबरदस्त ऊर्जा ने प्रतिद्वंद्वियों को फिर से धूल चटा दी। भारत को जीतना तय है, चाहे कोई भी मैदान हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एशिया कप में पाकिस्तान से फाइनल मुकाबला जीतने पर भारतीय टीम को बधाई देते हुए कहा, मैदान कोई भी हो, विजय सदा भारत की ही होगी। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक खिलाड़ी का हार्दिक अभिनंदन! जय हिंद।

हंस राजयोग से कर्क सहित पांच राशियों का बढ़ेगा सुख और लाभ

अक्टूबर के इस महीने में हंस राजयोग बनने जा रहा है। दरअसल, अक्टूबर के महीना में हंस राजयोग का प्रभाव देखने को मिलेगा। दरअसल, गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में इस महीने गोचर करने जा रहे हैं। जिससे हंस राजयोग बनेगा। हंस राजयोग को पंच महापुरुष राजयोग में से एक बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र में हंस राजयोग को बहुत ही प्रभावशाली माना गया है। यह व्यक्ति को रंक से राजा बना देता है। ऐसे में टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि हंस राजयोग से व्यक्ति को धन संपत्ति का सुख तो मिलता है ही साथ ही मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। ऐसे में टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि अक्टूबर के इस महीने में हंस राजयोग से कर्क, सिंह, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना विशेष रुप से लाभकारी रहने वाला है। इन राशियों को संपत्ति का सुख तो मिल ही सकता है। साथ ही घर परिवार में जिम्मेदारियों में भी काफी सुधार देखने को मिलेगा।

वृषभ : खुद को शांत रखने की कोशिश करें

वृषभ राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना आपकी रचनात्मकता चरम पर रहेगी। कला शिक्षा और मीडिया के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए महीना बेहतरीन साबित हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सलाह है कि जोश में होश न खोएं और आपके अंदर एक अलग ही उत्साह देखने को मिलेगा। अधिकारी इस महीने आपके काम की सराहना करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भी यह महीना शुभ रहेगा। इस राशि के अविवाहित जातकों को किसी पुराने मित्र से प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है, जबकि डेटिंग कर रहे लोग रिश्ते को लेकर गंभीर निर्णय लेंगे। खुद का मानसिक रूप से शांत रखने को कोशिश करें।

मिथुन : सेहत का विशेष ख्याल रखें

मिथुन राशि के लोगों के लिए आज इस महीने घर-परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, ऐसा करने सा आपको भावनात्मक रूप से संतुलन मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को इस महीना काफी शुभ साबित होने वाला है। आपके लिए स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। पुराने दस्तावेज़ या लेनदेन से फायदा होगा। प्रेम जीवन में पारिवारिक हस्तक्षेप बढ़ सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से हालात संभलेंगे। पारिवारिक समारोह में खास व्यक्ति से मुलाकात कर सकते हैं। सेहत का विशेष ख्याल रखें क्योंकि, आपको कंधे या सांस से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।

कर्क : नई योजनाओं पर काम शुरु करें

कर्क राशि के लोगों के लिए यह महीना आत्मविश्वास में बढ़ोतरी कराने वाला रहेगा। करियर में नई योजनाओं पर आप काम शुरु कर सकते हैं। आपके पुराने प्रयास इस महीने आपको अच्छे परिणाम देने लगेंगे। आप इस महीने वाहन से संबंधित कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। अविवाहित लोग सोशल मीडिया पर किसी के करीब आ सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन गर्दन और नसों में खिंचाव या हल्का दर्द हो सकता है। इस महीने आपको हल्की एक्सरसाइज से राहत मिलेगी।

सिंह : आत्मविश्वास से भरे रहेंगे आप

सिंह राशि के लोगों के लिए महीना आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आपकी वाणी की मदद से आप इस हफ्ते अपना आकर्षण बढ़ाएंगे। घर परिवार में आपको समाज से खूब मान सम्मान प्राप्त होगा। नौकरीपेशा जातकों के वेतन वृद्धि बोनस मिल सकता है। ऑफिस के लोग आपके विचारों को महत्व देंगे। इंटरव्यू देने वालों को सफलता मिलेगी। आपकी वित्तीय स्थिति पहले से काफी बेहतर होगी। सेहत के मामले में देखें तो इस सप्ताह आपका गला, मुंह और गर्दन की समस्या हो सकती है। गरारे, हल्दी वाला दूध और संतुलित आहार आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

कन्या : आत्मबल में वृद्धि होगी

कन्या राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना आत्मबल को बढ़ाने वाला साबित होगा। नौकरीपेशा जातकों को इस महीने नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार देखने को मिलेगा। करियर की दिशा में बात करें तो आपको

इस हफ्ते अपनी दिशा तय करने में मार्गदर्शन मिलेगा। आपको इस नया निवेश करने से बचने की जरूरत है बल्कि कोशिश करें की आप अपने पुराने निवेश की ही समीक्षा करें। ईमानदारी और स्पष्ट बातचीत से आपके रिश्तो में मजबूती आएगी।

तुला : गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें

तुला राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह संयम और आत्मचिंतन की आवश्यकता होगी। कार्यक्षेत्र में बदलाव की इच्छा रखने वालों के लिए यह महीना वरदान साबित होगा। जल्दबाजी में कोई भी कामकाज न करें। विदेश से जुड़े काम या नौकरी की योजना बनाने में देरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को सलाह है कि अपने गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। किसी भी दस्तावेज को साइन करने से पहले उसकी अच्छी से जांच पड़ताल कर लें। अगर आप निवेश करने का सोच रहे हैं तो पहले विशेषज्ञों से सलाह जरुर लें। अनावश्यक खर्चे आपको मानसिक रूप से दबाव दे सकता है। आपको सलाह है कि धैर्य और स्पष्टता से बातचीत करें।

वृश्चिक : इच्छाएं पूरी होंगी

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना इच्छाओं को पूरा करने वाला साबित होगा। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज करने के लिए नए प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। टीमवर्क से नेतृत्व के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी की तलाश कर रहे जातकों को पुराने संपर्कों से कोई बड़ी प्रस्ताव मिल सकता है। आर्थिक मामलों में थोड़ा योजना बनाकर काम करेंगे तो आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। अगर आपके पैसा कहीं अटका हुआ है तो उनसे जुड़ा निर्णय थोड़ा सोच समझकर ही करें तो बेहतर रहेगी। लव लाइफ के मामले में बात करें तो मित्रता से शुरू हुआ रिश्ता गहरी मोहब्बत में बदल सकता है।

धनु : समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी

धनु राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना समाज में आपको प्रतिष्ठा दिलाएगा। कार्यक्षेत्र में आपको नेतृत्व के अवसर मिलेंगे और पुराने अनुभवों का भी आपको भरपूर लाभ मिलेगा। प्रमोशन या ट्रांसफर का इंतजार कर रहे लोगों को सकारात्मक समाचार मिल सकता है। बेरोजगार युवाओं को इस हफ्ते सही मार्गदर्शन मिलेगा। आर्थिक मामलों में देखें तो यह समय आपके कर्ज चुकाने में सफल रहेंगे। विवाह योग्य जातक परिवार के माध्यम से रिश्ते की बात आगे बढ़ा सकते हैं। स्वास्थ्य में पीठ और कमर का दर्द तथा आंखों में जलन परेशान कर सकती है।

मकर : खास व्यक्ति से मुलाकात होगी

मकर राशि के लोगों के लिए यह महीना अनुभवों से भरा रहने वाला है। इस महीने आपको काफी यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। सरकारी और शिक्षा क्षेत्र में काम करने वालों को प्रशंसा और अतिरिक्त जिम्मेदारी प्राप्त होगी। प्रॉपर्टी या वाहन में रुचि तो बढ़ेगी, लेकिन इस समय केवल जानकारी इकट्ठा करना ही लाभदायक रहेगा। कोशिश करें की आप अपने साथी को वास्तविक रूप में स्वीकार करना बेहतर होगा। साथी को वास्तविक रूप में स्वीकार करना बेहतर होगा। आज अविवाहित जातकों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ : जीवन में कई बदलाव आएंगे

कुंभ राशि के लोगों के लिए अक्टूबर का महीना जीवन में तमाम तरह के बदलाव लेकर आने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को गुप्त रिसर्च के जरिए अच्छे प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। पुराने किए गए निवेश से आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। लेकिन, खर्च बढ़ने की भी संभावनाएं अधिक दिख रही है। आपको सलाह है कि इस महीने लेनदेन करते समय थोड़ी पारदर्शिता बनाकर रखें तो आपके लिए अच्छा रहेगा। लव लाइफ में आपकी अपने साथी के साथ भावनाएं गहरी होंगी। सेहत के मामले में देखें तो आपको रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या हो सकती है।

मीन : सेहत का रखें ख्याल

मीन राशि के लोगों के लिए यह महीना रिश्तों की परीक्षा और साझेदारी में मजबूती लाने वाला रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को टीमवर्क में धैर्य और स्पष्ट बातचीत से सफलता मिलेगी। करियर के लिए संयुक्त योजनाएं लाभकारी रहेंगी अकेले लिए गए निर्णय नुकसान पहुंचा सकते हैं। आर्थिक रूप से देखें तो यह समय आपके लिए साझेदारी में निवेश करने से अच्छा लाभ मिल सकता है। अविवाहित जातकों को गंभीर रिश्ते का प्रस्ताव मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। सेहत का ख्याल रखें आपको फेफड़े और किडनी से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

देवी की आराधना करने से हो जाते हैं सौभाग्यशाली

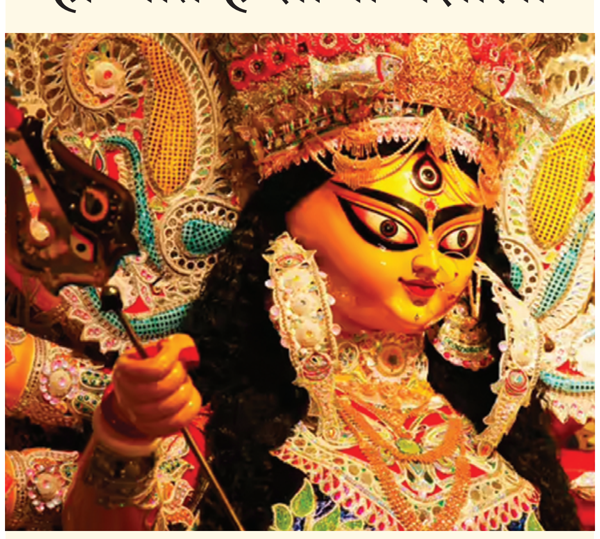

मार्कण्डेय पुराण अंतर्गत दुर्गा सप्तशती में कहा गया है, या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।। बड़े-बड़े दुर्भाग्यग्रस्त व्यक्ति भी इनकी आराधना में आते ही सौभाग्यशाली होते हैं। श्रीराम के अयोध्या पर सिंहासनारूढ़ होते समय वे हनुमानजी से कहते हैं,

वीर! दुर्गा महाशक्ति रू सर्व कार्यक्षम अद्रव्यया।
तस्या अंशेन सृज्यन्ते ब्रह्म-विष्णु-महेश्वरा।।

आराधनं जगन्मातुरू कृत्वा पूर्ण मनोरथरू। अहं पुरा भववत्स! नाम सर्वत्र विश्रुतम्।।

हे वीर! मां दुर्गाजी महाशक्ति हैं और सब कार्यों के करने में समर्था तथा अव्यया हैं। उनके अंश से ब्रह्मा, विष्णु, शिव उत्पन्न होते रहते हैं। हे वत्स! जगतमाता की आराधना करके ही मैं पहले पूर्ण मनोरथ को प्राप्त हुआ था और मेरा नाम सर्वत्र प्रसिद्ध हो पाया है। निसन्देह जगतमाता की आराधना अखिल मनोरथों को पूर्ण करती रहती है।

जगदम्बा की सेवा सर्वाभीष्ट प्रदायिनी होती है। 'अग्नि-सोमात्मकं जगत' की अवधारणा शिव-शक्ति के रूप में ही मानी गई है। प्रत्येक मनुष्य में दो तरह की शक्तियां शारीरिक एवं मानसिक रूप से विद्यमान रहती हैं, यह नर-मादा या धन-ऋण या शिव-शक्ति नाम से अभिव्यक्त की जा सकती हैं। नवरात्र का समय आराधना एवं साधना की दृष्टि से श्रेष्ठफलप्रद होता है। इसका भी ज्योतिषीय आधार है, क्योंकि नवरात्र में नौ संख्या बतलाई गई है, ग्रह भी नौ ही हैं। नवार्ण मंत्र नवदुर्गा का सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्र है। नवरात्रों पर भगवती दुर्गा की साधना में नवार्ण मंत्र का विशेष महत्व है। 'नवार्ण' का अर्थ है नौ अक्षर। नवार्ण के नौ अक्षर नवदुर्गा के प्रतीक हैं। मंत्रविद्या के अनुसार इस मंत्र के नौ अक्षरों में नवदुर्गा का वास है। इसलिए नवार्ण मंत्र के नौ अक्षरों का ही होना चाहिए। अतः इस महामंत्र का विशुद्ध स्वरूप है 'ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे।'

वाल्मीकि रामायण में सीता को, शिवपुराण में पार्वती को, विष्णुधर्मोत्तर पुराण में लक्ष्मी को भी शक्तिस्वरूपा ही वर्णित किया गया है। शक्तिउपासना का अभिप्राय महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती की आराधना से लिया जाता है, वैसे शक्तिस्वरूपा, सीता, पार्वती, लक्ष्मी आदि सभी हैं, परंतु नवरात्र में विशेष अर्चना की जानेवाली नवदुर्गा का विचार किया जाता है। नवदुर्गा में सर्वप्रथम शैलपुत्री, द्वितीय ब्रह्मचारिणी, तृतीय चन्द्रघंटा, चतुर्थ कूष्माण्डिनी, पंचम स्कंदमाता, षष्ठ कात्यायनी, सप्तम कालरात्रि, अष्टम महागौरी तथा नवम सिद्धिदात्री होती हैं। ये सभी मां दुर्गा के विभिन्न रूप हैं लेकिन सभी की आराधना के प्रकार एवं फल भिन्न-भिन्न हैं। नवरात्र में प्रथम दिन से क्रमशः इनकी पूजा का विधान है, लेकिन सूर्यादि ग्रहों के योग से किसी एक की आराधना साधक को सिद्धि प्रदान करनेवाली होती है। कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्री, ये चारों शक्तियां क्रमशः धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष रूप पुरुषार्थ चतुष्टय को प्रदान करनेवाली होती हैं।

नवरात्रि के 8वें दिन इस मंत्र से करें मां महागौरी को प्रसन्न

हिंदू धर्म में नवरात्रि को सबसे पवित्र दिनों में गिना जाता है। नवरात्रि में नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। इन नौ रूपों में अष्टमी तिथि मां महागौरी को समर्पित होती है। मां महागौरी भगवान शिव की अर्धांगिनी हैं और इस दिन उनकी पूजा करने से व्यक्ति को सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मां महागौरी का स्वरूप

मां महागौरी अत्यंत सौम्य और कोमल स्वभाव की देवी हैं।

मां श्वेत वस्त्र धारण करती हैं और उनका रंग गोरा है, इसलिए उन्हें महागौरी कहा जाता है। चार भुजाओं से सुशोभित माता के एक हाथ में त्रिशूल, दूसरे में डमरु, तीसरे हाथ में अभय मुद्रा और चौथे हाथ में वरमुद्रा रहती है। उनके उज्ज्वल स्वरूप को देखकर भक्त से भर जाता है। मां को श्वेतांबरधरा और अन्नपूर्णा का स्वरूप भी माना जाता है।

मां महागौरी का प्रिय भोग

नवरात्रि के नौ दिनों में मां के अलग-अलग स्वरूप को अलग-अलग भोग लगाया जाता है। नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी को नारियल से बनी मिठाइयों का बोग लगाया जाता है। उन्हें नारियल बर्फी या लड्डू का भोग लगाया जाता है। इसके साथ ही हलवा और काले चने का भोग लगाना भी अतयंत शुभ माना जाता है। अष्टमी के दिन कन्या पूजन करके भोजन और उपहार देने की परंपरा भी है।

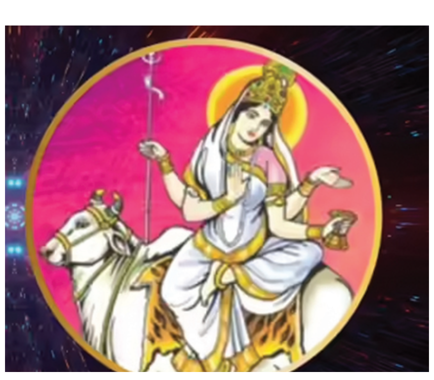

मां महागौरी की पूजा विधि

अष्टमी तिथि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद साफ और सफेद रंग के वस्त्र धारण करें।

मां महागौरी की प्रतिमा को गंगाजल से शुद्ध करें। इसके बाद मां को सफेद रंग के वस्त्र पहनाएं।

इसके बाद मां को सफेद फूल अर्पित करें। इसके साथ ही कुमकुम से तिलक करें।

इन सब के बाद मां महागौरी के मंत्रों के जप करें।

- मां को नारियर से बनी मिठाई, हलवे और काले चने का भोग लगाएं।
- इसके पश्चात अंत में मां महागौरी की आरती उतारें।
- मां प्रसन्न करने के लिए इस मंत्र का जप करें
- श्वेते वृषेसमारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
- महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।।
- या देवी सर्वभूतेषु मां महागौरी रूपेण संस्थिता।
- नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

कन्या पूजन में इन पांच बातों का जरूर रखें ध्यान माता की होगी कृपा, पाएंगे सुख-समृद्धि

नवरात्रि के अंतिम दो दिन बेहद विशेष होते हैं। कुछ लोग अष्टमी के दिन कन्या पूजन के बाद व्रत का पारण करते हैं, तो कुछ लोग नवमी के दिन व्रत का पारण करते हैं। ऐसे में इन दोनों तिथियों का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। विधि-विधान से कन्या पूजन करने के बाद व्रत का पारण करने से साधक को मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। ऐसे में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या पूजन में साधक को कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इससे माता की कृपा से आपके जीवन के कष्ट दूर हो सकते हैं।

कन्याओं के घर में प्रवेश करने पर जरूर करें यह काम

नवरात्रि में अष्टमी या नवमी तिथि पर जब भी आप कन्या पूजन करें तब 9 कन्याओं को भोजन जरूर करवाना चाहिए। ऐसा संभव न होने पर आप 7,5 या 3 कन्याओं को भी भोजन करा सकते हैं। जब कन्याएं आपके घर में प्रवेश करें तो सबसे पहले अपने हाथों से उनके पैर जरूर धोने चाहिए। कन्याओं मां दुर्गा का स्वरूप मानकर ऐसा करने से देवी बहुत प्रसन्न होती हैं और साधक पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। कन्याओं को पैर धोने के बाद उनके पांव में महावर/आलता भी अवश्य लगाना चाहिए।

कन्याओं को ऐसे कराएं भोजन

घर में प्रवेश करवाने के बाद कन्याओं को बिठाकर भोजन कराना चाहिए और उन्हें अपनी रुचि के अनुसार खाने देना चाहिए। साथ ही, कन्याओं को प्रसाद के तौर पर फल भी जरूर देना चाहिए। इसके लिए आप केला, अनार, सेब आदि फल ला सकते हैं। इस प्रकार कन्याओं को भोजन कराने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

कन्याओं को ओढ़ाएं लाल चुनरी

मान्यता है कि कन्या पूजन में कन्याओं को लाल रंग के वस्त्र भेंट में देने चाहिए क्योंकि, देवी को यह रंग बेहद प्रिय है। ऐसा संभव न हो पाने पर आप उन्हें लाल रंग की चुनरी भी ओढ़ा सकते हैं। साथ ही, श्रृंगार का सामान जैसे- बिंदी, चूड़ियां, लिपस्टिक आदि भी उपहार के तौर पर देना चाहिए। नौ कन्याओं को मां दुर्गा के नौ स्वरूप मानकर ऐसा करने से देवी बहुत प्रसन्न होती हैं। इससे जातक के घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कन्याओं को जरूर दें ये सामान

अष्टमी या नवमी पर कन्या पूजन में कन्याओं को एक वस्त्र में चावल, सिक्का, दूर्वा, हल्दी की गांठ और एक फूल बांधकर जरूर देना चाहिए। साथ ही, अगर आप कन्याओं को हर साल कोई खास उपहार देते हैं, तो वो भी दे दें। ऐसा करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा परिवार के सभी सदस्यों पर बनी रहती है और आपको जीवन के दुखों से राहत मिल सकती है।

कन्या पूजन में जरूर करें ये काम

जब सभी कन्याएं भोजन कर लें और आप उन्हें उपहार आदि दे दें, तब पूरे परिवार के साथ सभी कन्याओं के चरण छूकर प्रणाम करना चाहिए। साथ ही, उनसे आशीर्वाद भी लें। इसके बाद, कन्याओं को अपने घर के द्वार तक छोड़कर आना चाहिए। ऐसा करने से मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार का माहौल हमेशा सकारात्मक बना रहता है। साथ ही, घर से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

नवरात्रि में जौ से जुड़े शुभ-अशुभ संकेत

संहिता ज्योतिष के अन्तर्गत शकुन शास्त्र में अंकुरित जौ के रंगों द्वारा फल जाने का विवरण प्राप्त होता है। नवरात्रि के पहले दिन जौ बोकर हम मां दुर्गा के समक्ष अपने सुखी जीवन की कामना करते हैं। नवरात्रि पर्व में कलश स्थापना के समय जो देवी भक्त दुर्गा सप्तशती का पाठ एवं नवरात्रि पर्यन्त व्रत धारण करते हैं, वह मिट्टी के कलश में जौ (यव, जवा) बोते हैं जो तीसरे दिन अंकुरित हो जाते हैं। इन अंकुरित जौ को बहुत ही शुभ माना जाता है। इन जौ को देखकर पूरे वर्ष भर की भविष्यवाणी की जाती है तथा जौ के माध्यम से साधना सफल हुई या नहीं इस बात की भी पूर्ण जानकारी हो जाती है।

धुएं के समान रंग वाले जौ अगर उगते हैं तो परिवार में आगामी कलह की सूचना होती है।

यदि अंकुरित जौ में काले रंग के अंकुर उगते हैं तो वर्ष पर्यन्त निर्धनता घर में वास करती है।

अगर जौ नहीं उगते तो उस वर्ष कार्यों में बाधा व परिवार में किसी की आकस्मिक मृत्यु की संभावनाएं प्रकट होती हैं।

यदि रक्त वर्ण के अंकुर उगते हैं तो रोग, व्याधि या शत्रु भय रहता है।

हरे रंग के अंकुर धन-धान्य के सूचक होते हैं। मां दुर्गा द्वारा सफल पूजन का प्रतीक हैं हरे रंग के अंकुरित जौ।

सफेद रंग अत्यन्त शुभकारी माना जाता है और साधक की अभिष्ट सिद्धि की ओर संकेत करता है।

आधे हरे व आधे पीले अंकुर पहले काम बनने और फिर हानि होने की और संकेत करते हैं।

जौ को देखकर विद्वान ज्योतिषी, व्यक्ति के साथ-साथ राष्ट्र पर भी क्या प्रभाव पड़ेगा, इस बात की भी भविष्यवाणी करते हैं। सिद्धांत शेखर एवं सारस्वत के अनुसार 'यवांकुर' यदि काले हो तो 'वृष्टि' कम होगी। मटमैले हो तो आंतरिक एवं वाह्य कलह होगी। अविकसित (छोटे) हों तो, जन नाश, श्यामल हों तो दुर्भिक्ष, तिरछे हों तो व्याधि और यदि गिर जाएं तो, शत्रु भय आदि शकुन के माध्यम से जाना जाता है।

मां कालरात्रि की पूजा से दूर होंगे कष्ट

शारदीय नवरात्रि का सातवां दिन मां कालरात्रि को समर्पित है, जो देवी दुर्गा का एक शक्तिशाली स्वरूप हैं। इस दिन मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की जाती है, जो भक्तों को सभी कष्टों से मुक्ति दिलाने के साथ शत्रुओं का नाश करती है।

मां कालरात्रि अंधकार और मृत्यु पर विजय का प्रतीक हैं। उनकी पूजा से बुरी शक्तियां दूर होती हैं और भय समाप्त होता है।

मां कालरात्रि की पूजा विधि

शारदीय नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा में सुबह स्नान, साफ वस्त्र धारण और संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद चौकी सजाकर मां की तस्वीर पर रोली, अक्षत, धूप, दीप और लाल फूल चढ़ाएं। गुड़ का भोग लगाएं और दुर्गा चालीसा, सप्तशती का पाठ करें। फिर मां की आरती करें और मंत्र जप करें, जिससे सभी नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है।

स्नान और संकल्प: सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और फिर देवी की पूजा का संकल्प लें।

पूजा स्थान की तैयारी: मंदिर को गंगाजल से शुद्ध कर पूजा स्थान पर मां कालरात्रि की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें।

सजावट और पूजन सामग्री: माता को काले रंग की चुन्नी चढ़ाएं और फिर रोली, अक्षत, धूप, दीप और लाल फूल (जैसे गुड़हल या गुलाब) अर्पित करें।

भोग: मां कालरात्रि को गुड़ या गुड़ से बनी चीजों का भोग लगाएं।

पाठ: दुर्गा चालीसा या दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

मां कालरात्रि पूजा की शुभ मुहूर्त

मां कालरात्रि की पूजा सुबह और शाम दोनों समय की जाती है। नवरात्रि के सातवें दिन का शुभ मुहूर्त सुबह से ही शुरू हो जाता है।

मां कालरात्रि को क्या भोग लगाएं

मां कालरात्रि को गुड़ और गुड़ से बनी मिठाईयां जैसे गुड़ का हलवा, खीर और मालपुआ का भोग लगाना बहुत शुभ माना जाता है। उड़द की दाल और चावल भी एक प्रिय भोग है। ऐसा करने से मां प्रसन्न होती हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं, साथ ही सभी कष्टों और नकारात्मक शक्तियों को दूर करती हैं।

मां कालरात्रि के जाप के लिए मंत्र

मां कालरात्रि की पूजा के लिए आप 'या देवी सर्वभूतेषु मां कालरात्रि रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:' मंत्र का जाप कर सकते हैं, जो भय, नकारात्मकता और बाधाओं से मुक्ति दिलाता है। इसके अलावा 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं कालरात्र्यै नम:' बीज मंत्र का भी जाप कर सकते हैं।

मां कालरात्रि की आरती

मां कालरात्रि के लिए एक आम आरती कालरात्रि जय जय महाकाली, काल के मुंह से बचाने वाली से शुरू होती है, जिसमें दुष्टों का संहार करने और भक्तों को कष्टों से बचाने वाली मां की स्तुति की जाती है। यह आरती नवरात्र के सातवें दिन मां के सप्तम स्वरूप की पूजा के दौरान गाई जाती है।

सुनैना फौजदार ने ससुरालवालों से छुपाई थी शो में काम करने की बात

इस एक्ट्रेस ने कई टीवी शोज में काम किया है, पर इसे पहचान 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से मिली। इसने इसे घर-घर मशहूर कर दिया। लेकिन जिस रोल इस एक्ट्रेस को पहचान दिलाई, उसे ही इसने ससुरालवालों से छुपाकर रखा था। यह एक्ट्रेस पहले एयर होस्टेस थी, लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि पूरी जिंदगी बदल गई और यह एक्टिंग की दुनिया में आ गई। इस एक्ट्रेस ने कई टीवी शोज में काम किया है, पर इसे पहचान 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से मिली। इसने इसे घर-घर मशहूर कर दिया। लेकिन जिस रोल इस एक्ट्रेस को पहचान दिलाई, उसे ही इसने ससुरालवालों से छुपाकर रखा था।

यह एक्ट्रेस पहले एयर होस्टेस थी, लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि पूरी जिंदगी बदल गई और यह एक्टिंग की दुनिया में आ गई। एक्ट्रेस बनने से पहले सुनैना फौजदार एयर होस्टेस थीं और उन्होंने इसकी ट्रेनिंग भी ली थी। सुनैना ने बताया था कि उनकी मां भी एयर होस्टेस रहीं और 10-12 साल यह काम किया। मां को देखकर ही सुनैना ने एयर होस्टेस की ट्रेनिंग ली। टेस्ट क्लियर कर लिया और ट्रेनिंग भी शुरू कर दी थी।

लेकिन जब सुनैना बतौर ट्रेनी पहली फ्लाइट में थीं, तो तभी लोगों ने उन्हें पहचान लिया। दरअसल, सुनैना ने सिंगर बप्पी लाहिरी के एक गाने 'गोरी हैं कलाइयां' में काम किया था। उस गाने में सुनैना को काफी पसंद किया था गया था और उसी के कारण फ्लाइट में सवारियों ने सुनैना को पहचान लिया था। सुनैना के मुताबिक, फ्लाइट में कई लोगों ने उनसे पूछा कि आप यहां क्या कर रही हो? तभी सुनैना ने एयर होस्टेस की नौकरी छोड़ एक्टिंग में जाने का मन बना लिया। लेकिन जब सुनैना बतौर ट्रेनी पहली फ्लाइट में थीं, तो तभी लोगों ने उन्हें पहचान लिया। दरअसल, सुनैना ने सिंगर बप्पी लाहिरी के एक गाने 'गोरी हैं कलाइयां' में काम किया था। उस गाने में सुनैना को काफी पसंद किया था गया था और उसी के कारण फ्लाइट में सवारियों ने सुनैना को पहचान लिया था। सुनैना के मुताबिक, फ्लाइट में कई लोगों ने उनसे पूछा कि आप यहां क्या कर रही हो? तभी सुनैना ने एयर होस्टेस की नौकरी छोड़ एक्टिंग में जाने का मन बना लिया। सुनैना फौजदार ने फिर बताया कि उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में कौन सी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने बताया कि वह टाइपकास्ट की गईं

। डायरेक्टर्स अकसर लुक के आधार पर आंकते थे। सुनैना के मुताबिक, कई लोगों का मानना था कि अगर कोई एक्ट्रेस ग्लैमरस दिखती है, तो वह केवल विलेन का रोल ही निभा सकती है, जबकि एक साधारण दिखने वाली एक्ट्रेस पॉजिटिव रोल में फिट बैठती है। सुनैना बोलीं, 'काफी समय तक, मुझे लोगों को यह बताना पड़ा कि मैं हर तरह के किरदार निभा सकती हूँ। मैंने शो 'संतान' में एक मिडल क्लास की चॉल की लड़की के रोल से शुरुआत की। फिर मैंने बेहद नेगेटिव साइको कैरेक्टर निभाए, और अब मैं एक सिंपल और मॉडर्न हाउसवाइफ का रोल प्ले कर रही हूं। मैंने कॉमेडी और ड्रामा भी किया है। लेकिन उस इमेज को तोड़ना मुश्किल था क्योंकि लोग अकसर कहते थे कि अगर आपने एक किरदार अच्छी तरह से निभाया है, तो हम आपको फिर से उसी तरह के रोल में कास्ट करेंगे।'

सुनैना ने फिर बताया कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का एक्सपीरियंस शेयर किया और बताया कि जब उन्हें शो में अंजलि मेहता का रोल मिला, तो ससुराल में छुपाकर रखा था।

सुनैना बोलीं, 'रोल ऑफर होने से पहले मैं शो देखती थी, लेकिन मेरे ससुराल वाले इसके बड़े फैन थे। वो शो में दिखाए गए हर किरदार और समाज की हर बारीकी से वाकिफ थे। मैंने किसी को नहीं बताया कि मुझे यह शो मिल गया है। पहले हफ्ते तक, मेरे ससुराल वाले मुझसे पूछते रहे कि मैं कहां जा रही हूं, और मैं कहती कि मैं लुक टेस्ट के लिए जा रही हूं। और यही हुआ। शो को लेकर इतनी हाइप थी कि मैंने सोचा कि पहले इसे ऑन एयर हो जाने दो।' वहीं, सुनैना ने कुछ साल पहले कहा था कि उन्होंने काम का चुनाव करते वक्त कई गलतियां कीं और गलत शोज किए। यहां तक कि डायरेक्टर्स की गालियां भी खाईं। पर जो गलतियां कीं, उनसे काफी कुछ सीखा।

फिटनेस फ्रीक हैं करिश्मा तन्ना, नवरात्रि शो के बाद देर रात किया वर्कआउट

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना इन दिनों सूरत में हैं, यहां वह सबसे बड़े डांडिया कार्यक्रम की मेजबानी करने पहुंची हैं। इसकी मेजबानी करने के साथ ही वह अपनी फिटनेस का पूरा ख्याल रख रही हैं। शो को होस्ट करने के बाद करिश्मा तन्ना रात को 3 बजे भी जिम जाती दिखाई दीं। इसकी जानकारी उनके सोशल मीडिया अकाउंट से मिली। इसका एक वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह जिम जाती और ट्रेडमिल पर वॉक करती दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में वह सुबह 3 बजे अपने नवरात्रि के शो का पैकअप करती दिखाई दे रही हैं। देर रात तक काम करने और नींद की कमी के बावजूद अभिनेत्री सुबह जिम जाना नहीं भूलीं।

करिश्मा तन्ना ने हमेशा एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाई है, और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वो लगातार साझा करती रहती हैं। इनके जरिए वह फैंस को फिट रहने के लिए प्रेरित करती दिखाई देती हैं।

कुछ समय पहले अपने पति के साथ वह छुट्टियां मनाने विदेश गई थीं। इस दौरान भी वह जिम जाने से नहीं चूकीं। हाल ही में वो अहमदाबाद की ट्रिप पर गई थीं, इसके लिए भी उन्होंने प्लेन नहीं, ट्रेन की जर्नी चुनी थी।

यही नहीं, सूरत में अपने डांडिया प्रोग्राम के लिए भी वह ट्रेन से सफर कर वहां पहुंची। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी थी। करिश्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक कैरोसेल पोस्ट शेयर किया था जिसमें ट्रेन से सफर करती उनकी कई तस्वीरें थीं। करिश्मा एक तस्वीर में किताब पढ़ रही थीं और कैमरे के लिए पोज भी देते दिखाई दी थीं। सूरत से पहले करिश्मा अपने पति वरुण बंगेरा और परिवार के साथ महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की यात्रा पर गई थीं।

करिश्मा तन्ना को वेब सीरीज 'स्कूप' के लिए जाना जाता है। हंसल मेहता की इस सीरीज में उन्होंने एक जर्नलिस्ट का रोल प्ले किया था। यह सीरीज काफी हिट हुई थी। उन्हें विक्की कौशल और रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म 'संजू' में एक छोटी सी भूमिका में भी देखा गया था। इससे पहले वो कई टीवी सीरियल्स में दिखाई दी थीं।

फिल्म द ताज स्टोरी 31 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

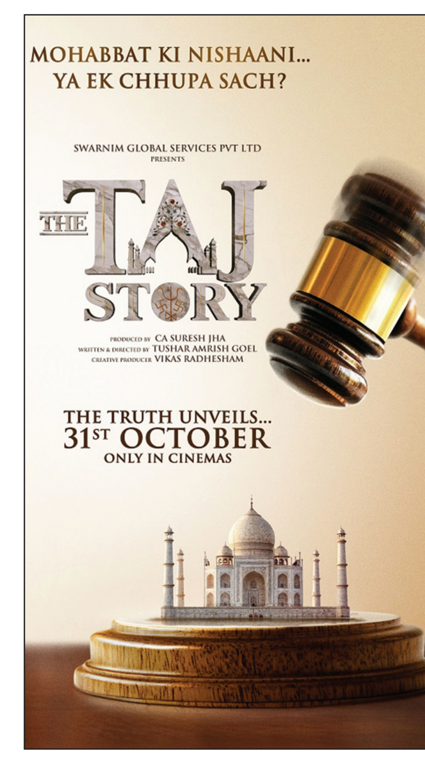

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा की फिल्म द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और डायरेक्ट किया है, और जिसमें परेश रावल मुख्य भूमिका में हैं, क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में विकास राधेशम का मार्गदर्शन है, ने लगातार जारी किए गए टीज़र पोस्टर्स के कारण सबका ध्यान खींचा है। आज, मेकर्स ने फिल्म का ऑफिशियल पोस्टर लॉन्च कर दिया है, जो निश्चित रूप से चर्चा में रहेगा। पोस्टर में ताज महल के ऊपर एक गैवल (सजग हथौड़ा) दिखाया गया है, जो दर्शकों में फिल्म को लेकर जिज्ञासा और बढ़ा देता है। मेकर्स स्पष्ट रूप से इस साहसिक सच्चाई को सबसे जबरदस्त तरीके से पेश करने के मूड में हैं, और हाल ही में जारी पोस्टर ने इसे पुष्टि भी कर दी है। पोस्टर कई सवाल खड़े करता है और दर्शकों को भारतीय इतिहास के उस अध्याय की ओर ले जाने का वादा करता है, जिस पर अब तक किसी ने बात नहीं की है।

परेश रावल के नेतृत्व में एक पावरहाउस कलाकारों की टीम-जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास-फिल्म में शामिल हैं। द ताज स्टोरी को एक सशक्त सोशल ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो हमारे समय के सबसे प्रगतिशील सवाल उठाता है: स्वतंत्रता के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? फिल्म का संगीत रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ ने तैयार किया है। यह सिर्फ एक साधारण पीरियड या ऐतिहासिक फिल्म नहीं है, बल्कि एक सिनेमा के माध्यम से बहस है।

फिल्म इस विवादित कथा में गहराई से उतरती है, सामाजिक टिप्पणियों और ऐतिहासिक तथ्यों के पुनर्मूल्यांकन को मिश्रित करती है, जिससे यह न केवल विचारोत्तेजक बल्कि नाटकीय भी बनती है। द ताज स्टोरी 31 अक्टूबर 2025 को देशभर में सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज़ होने के लिए तैयार है, और यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और शायद इतिहास और स्वतंत्रता को देखने के तरीके को फिर से समझने के लिए प्रेरित करेगा।

22 साल बाद भी ज़मीन हमें याद दिलाती है कि अभिषेक बच्चन क्यों पर्दे पर छा जाते हैं

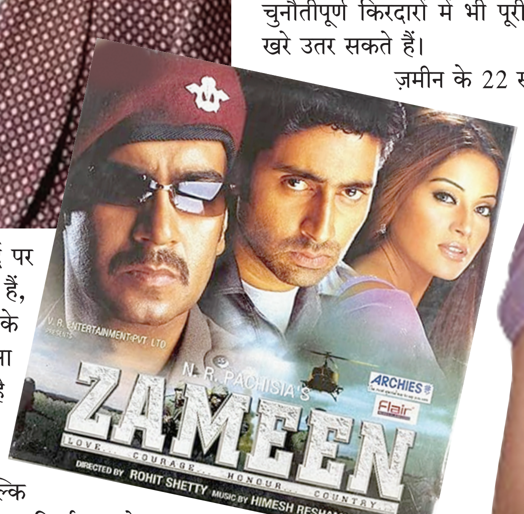

फिल्म ज़मीन को बड़े पर्दे पर आए 22 साल हो चुके हैं, लेकिन अभिषेक बच्चन के प्रदर्शन के लिए गर्व और प्रशंसा आज भी उतनी ही मजबूत है बल्कि समय के साथ और भी गहरी हो गई है। आज हम सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि अभिषेक के फिल्मी सफर के एक निर्णायक मोड़ का उत्सव मना रहे हैं - एक ऐसा पल जिसने उनकी उभरती प्रतिभा, करिश्मा और एक शानदार करियर की झलक दुनिया को दी।

26 सितंबर 2003 को रिलीज़ हुई और रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'ज़मीन', अभिषेक बच्चन के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई, जहाँ उन्होंने अपने अभिनय की इंटेंसिटी, आत्मविश्वास और संभावनाओं का अद्भुत प्रदर्शन किया।

'ज़मीन' में अभिषेक बच्चन ने एसीपी जयदीप जय राय की भूमिका निभाई - एक दृढ़ निश्चयी और साहसी अधिकारी, जिसे एक आतंकवादी साजिश को नाकाम करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। फिल्म में उन्होंने अजय देवगन (कर्नल रणवीर सिंह रणावत) और बिपाशा बसु (नंदिनी) के साथ स्क्रीन साझा की, अभिषेक ने अपने किरदार में इंटेंस और संवेदनशीलता का मिश्रण पेश किया, जिसने उन्हें फिल्म में सबसे बेहतरीन अभिनयों में से एक बना दिया।

यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें आतंकवादियों द्वारा एक इंडियन एयरलाइंस की एक विमान को हाईजैक कर उनके नेता बाबा ज़हीर खान की रिहाई की मांग की जाती है। दमदार एक्शन सीक्वेंस, बेहतरीन अभिनय और रोमांचकारी कहानी के साथ 'ज़मीन' ने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा, और यह साबित किया कि अभिषेक बच्चन जटिल और चुनौतीपूर्ण किरदारों में भी पूरी तरह खरे उतर सकते हैं।

ज़मीन के 22 साल पूरे होने पर, हम एक ऐसी फिल्म का सम्मान करते हैं जो आज भी प्रासंगिक है, और उस प्रदर्शन को सम्मान देते हैं जो आज भी प्रेरणा देता है। सलाम अभिषेक बच्चन को - उनके हुनर के लिए, उन किरदारों के लिए जिन्हें उन्होंने अमर बनाया, और उस विरासत के लिए जिसे वह आज भी सिनेमा के पर्दे पर गढ़ रहे हैं।

श्रुति हासन ने गायिकी के प्रति जताया प्यार

अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को अपनी गायिकी से हैरान कर दिया है। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी संगीतमय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में श्रुति पियानो की मधुर धुनों के साथ अपनी सुरीली आवाज में गाना गाती नजर आ रही हैं।

वीडियो में श्रुति ने काले रंग का स्टाइलिश स्लीवलेस बॉडीकॉन टॉप और जींस पहनी है, जिसमें वह बेहद आकर्षक लग रही हैं। उनके खुले बाल उनके लुक को और निखार रहे हैं। पियानो की धुनों के साथ वह अपनी मधुर आवाज में गाना बड़े मन से गा रही हैं। इस वीडियो ने उनके प्रशंसकों का दिल जीत लिया और उनकी बहुआयामी प्रतिभा को एक बार फिर उजागर किया।

श्रुति ने वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी रचनात्मक यात्रा के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, काफी समय हो गया है कोई नया गाना लिखे। सच कहूं तो, मैं लिख नहीं पा रही हूं। यह कभी परफेक्शन की खोज के बारे में नहीं था। जब दिल से भावनाएं निकलती हैं, तो सही समय पर सबकुछ अपने आप सिखा देती हैं। बस वही होना चाहिए जो मैं हूं और वहीं रहना चाहिए जहां मुझे होना चाहिए।

श्रुति हासन न केवल अपनी अभिनय कला के लिए जानी जाती हैं, बल्कि संगीत के क्षेत्र में भी उनकी गहरी रुचि रही है। उन्होंने अपनी आवाज में कई गाने भी गाए हैं और संगीत रचना में भी योगदान दिया है।सोशल मीडिया पर उनके इस पोस्ट को खूब सराहना मिल रही है और प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में बहुचर्चित फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने प्रीति राजशेखर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार रजनीकांत, तेलुगु सिनेमा के दिग्गज नागार्जुन अक्किनेनी, मलयालम एक्टर सौबिन शाहिर, और बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान भी नजर आए थे।

अब श्रुति जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'सालार पार्ट 2: शौर्यंगा पर्वम' में दिखाई देंगी। इसका पहला पार्ट 'सालार: पार्ट 1-सीजफायर' साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों से काफी प्यार मिला था। फिल्म में प्रभास लीड रोल में हैं और उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रेया रेड्डी, जगपति बाबू, और बॉबी सिम्हा समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 सितंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 06:07 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 06:18 तक
योग : शोभन रात्रि 01:03 तक
करण : बव सायं 06:07 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:05 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:57 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी, गण्डमूल प्रातः 06:18 तक

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार ने 90 प्रतिशत बजट घोषणाओं का किया क्रियान्वयन : भजनलाल

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की कार्य संस्कृति में विकास कार्यों की घोषणाओं को धरातल पर तेजी से क्रियान्वित करना है, ताकि आमजन समय पर योजनाओं एवं कार्यों से लाभान्वित हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने गत दो बजट की 90 प्रतिशत घोषणाओं को धरातल पर उतारा है और विकास कार्यों को अपेक्षित गति प्रदान की है। शर्मा सोमवार को जयपुर के सांगानेर स्टेडियम में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लगभग 171 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार राजस्थान को उत्कृष्ट और विकसित बनाने और अंत्योदय के संकल्प को साकार करने की दिशा में संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर राज्य सरकार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन कर रही है। इसके अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की शुरूआत की गई है, जिसके माध्यम से जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जरूरतमंदों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। प्रदेश के हर क्षेत्र का विकास और हर वर्ग को सेवाएं देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण से लेकर पेयजल और सीवरेज सुविधाओं के विस्तार के साथ सुनियोजित विकास की मजबूत नींव रखी जा रही है। आवासीय कॉलोनियों में भविष्य की आवश्यकता के अनुरूप आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलीवेटेड रोड, मानसरोवर में शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मिनी सचिवालय सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे है। साथ ही, यहां खुली जेल के पास चिकित्सालय का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों को त्वरित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यूनिटी मॉल का निर्माण हो रहा है। इसके लिए 15 हजार 187 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है, जहां प्रदर्शनी, कार्यशाला और सेमिनार आयोजित होंगे। इससे हमारे स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में राज्य सरकार प्राथमिकता से कार्य कर रही है। जयपुर मेट्रो के फेज 2 के अंतर्गत 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाड़ी एवं विद्याधर नगर टोडी मोड़ तक कार्य करवाया जा रहा है। इस मेट्रो फेज से दो बड़े औद्योगिक क्षेत्र कनेक्ट होंगे। उन्होंने कहा कि प्रतापनगर के कोचिंग हब में निर्मित आधारभूत संरचना का समुचित उपयोग करते हुए इसमें युवाओं को उच्च गुणवत्ता की तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आईआईटी–जोधपुर का कैंपस स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सांगानेर ब्लॉक प्रिंटिंग हमारी धरोहर है, जिसे प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'सांगानेर एक सम्पूर्ण परिक्रमा' पुस्तिका का विमोचन भी किया। नगरीय एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को विकसित और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूती से कार्य कर रहे हैं। इसी दिशा में मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने लगभग 700 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात दी है, जिसमें सांगानेर स्टेडियम में करीब 171 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है।

भजनलाल ने त्रिवेणी नगर आरओबी–गुर्जर की थड़ी एलिवेटेड रोड का किया शिलान्यास

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी तक निर्मित होने वाले एलिवेटेड रोड का त्रिवेणी नगर चौराहे पर शिलान्यास किया। शर्मा ने विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ परियोजना की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने परियोजना के मॉडल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश भी प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि इस फोरलेन एलिवेटेड रोड से गोपालपुरा बाईपास पर आवागमन सुगम होगा। परियोजना के पूर्ण होने पर 10बी, न्यू सांगानेर रोड, रिद्धी–सिद्धी, गुर्जर की थड़ी और इनसे जुड़े क्षेत्रों में यातायात दबाव भारी कमी आएगी। साथ ही, यह एलिवेटेड रोड मानसरोवर, अजमेर रोड और मालवीय नगर तक बेहतर कनेक्टिविटी भी प्रदान करेगा।

कार्यक्रम में नगरीय एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावट, जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। लगभग 218 करोड़ की लागत से इस 2160 मीटर लंबे और 17.20 मीटर चौड़े एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा। इस एलिवेटेड रोड में 88 पिलर्स होंगे। इस परियोजना के अंतर्गत महेश नगर जंक्शन पर 20 मीटर लंबाई का अंडरपास भी बनेगा।

प्रियंका गांधी रणथंभौर में टाइगर सफारी पर पहुंचीं

सवाई माधोपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व में टूरिज्म सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है, लेकिन उससे पहले ही नामी हस्तियों का आगमन शुरू हो गया है। इसी कड़ी में वायनाड सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार सुबह रणथंभौर पहुंचीं। उनका काफिला सड़क मार्ग से सवाई माधोपुर से रणथंभौर तक पहुंचा, जहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रियंका गांधी वाड्रा को पांच सितारा होटल शेर बाग में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचाया गया। होटल प्रबंधन की ओर से उनका भव्य स्वागत राजस्थानी परंपरा के अनुसार किया गया।

बताया जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा रणथंभौर में आगामी 3–4 दिन ठहरेंगी। इस दौरान वह रणथंभौर नेशनल पार्क में टाइगर सफारी का आनंद लेंगी। उनके दौरे के मद्देनजर सवाई माधोपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रियंका गांधी का रणथंभौर से गहरा लगाव है और वे हर साल 2–3 बार यहां आती हैं। उनका वन्यजीवों और पर्यावरण के प्रति विशेष प्रेम है। इससे पहले वर्ष 2022 में उन्होंने अपना जन्मदिन भी रणथंभौर में ही मनाया था।

उदयपुर में गैस रिसाव के बाद सिलेंडर फटा, चार सदस्य झुलसे

उदयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के बोरी गांव में एक परिवार की सुबह मौत और आग की भीषण चपेट से हुई। रातभर रिसते गैस सिलेंडर की चुपचाप ने जब सुबह घर में आग भड़काई, तो पति–पत्नी और उनकी दो मासूम बेटियों की जिंदगी खतरे में पड़ गई। दरअसल, पूरा परिवार छत पर सो रहा था। जैसे ही सुबह पत्नी गीता ने चाय बनाने के लिए गैस जलाई, ढीले रेगुलेटर से रिस रही गैस ने आग पकड़ ली और लपटों ने घर को घेर लिया। चीख–पुकार सुनकर आस–पड़ोस के लोग पहुंचे और घर में फंसे चारों को बाहर निकाला।

घटना में शंकरलाल मीणा (45), पत्नी गीता मीणा (40), बड़ी बेटी लोगरी (9) और छोटी मोनिका (7) झुलस गए। सबसे अधिक 70 फीसदी झुलसी गीता की हालत नाजुक बताई जा रही है। शंकरलाल और बड़ी बेटी 35 प्रतिशत झुलसे हैं, जबकि गीता और मोनिका 70 से 80 फीसदी झुलस गई हैं। सभी को एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कर इलाज चल रहा है।

सगतड़ी सरपंच ने बताया कि ढीले रेगुलेटर से रातभर गैस रिसती रही, और इसी चुपचाप ने सुबह परिवार के लिए आफत ला दी।

बाड़मेर में पोस्टर विवाद में तीन टीमें कर रही जांच

पूर्व विधायक मेवाराम जैन के शहर में लगे थे होर्डिंग्स, पुलिस टीम बालोतरा भी पहुंची

बाड़मेर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर के पूर्व विधायक मेवाराम जैन की कांग्रेस वापसी के बाद शहर में लगे आपत्तिजनक होर्डिंग्स व पोस्टरों की गुत्थी पुलिस अब तक नहीं सुलझा पाई है। हालांकि जांच में जुटी पुलिस की तीन टीमें लगातार सुराग तलाश रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस को बालोतरा से कुछ इनपुट मिला है। ऐसे में टीम वहां भी पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। इस मामले की मॉनिटरिंग एसपी नरेंद्र मीना कर रहे हैं। दरअसल, पूर्व विधायक मेवाराम जैन की करीब 21 माह बाद का निष्कासन रद्द कर 22 सितंबर को सदस्यता को बहाल कर दिया था। राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने ज्वाइन लेटर देकर पार्टी में वापसी करवाई।

इस मामले को लेकर पूर्व विधायक के विरोधियों ने दिल्ली में पहुंचकर विरोध भी दर्ज करवाया गया था। इधर, जब दोबारा कांग्रेस में एंट्री हुई तो शहर में उनके पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए गए थे इसके बाद दो मामले दर्ज किए गए थे।

प्रो. असीम कुमार घोष ने जम्मू–कश्मीर के विद्यार्थियों से किया संवाद

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर के कठुआ क्षेत्र के गुज्जर–बक्करवाल समुदाय के 25 विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल के साथ उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। लेफ्टिनेंट कर्नल अमरीक सिंह के नेतृत्व में 12 लड़कियों और 13 लड़कों का यह दल भारतीय सेना की 'राइजिंग स्टार कोर' द्वारा आयोजित ''सद्भावना यात्रा–2025–26'' के अंतर्गत राष्ट्रीय एकीकरण दौरे पर हैं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत से अध्ययन करने तथा जम्मू–कश्मीर सहित संपूर्ण राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का हर नागरिक उनके साथ है और उन्हें बेहतर भविष्य निर्माण के लिए हरसंभव अवसर उपलब्ध होंगे। ''ऑपरेशन सद्भावना'' के तहत आयोजित इस प्रेरक संवाद ने विद्यार्थियों को भारतीय लोकतंत्र, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता के साथ और गहराई से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।

भाजपा की नीतियों से नौजवानों की उम्मीदें हो रही खत्म: राज बब्बर

रेवाड़ी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व लोकसभा सदस्य राज बब्बर ने भाजपा की नीतियों को नौजवानों की उम्मीदें खत्म करने वाला बताया हैं। वह हरियाणा के रेवाड़ी पहुंचे थे। कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा पर उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अंतिम पड़ाव पर है और इसकी घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी।

राज बब्बर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से नौजवानों की सारी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। जहां इनकी सरकार है, वहां युवा सड़कों पर हैं। ये लोग जो भी वादे करते हैं, उसे पूरा नहीं करते हैं।उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा की सरकार है, उन राज्यों में नौजवानों का बुरा हाल है और वे सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। सरकार इन लोगों को सुन नहीं रही है, जिसकी वजह से युवाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

वोट चोरी पर बब्बर ने कहा कि आप लोगों ने भी देखा है कि कई जगहों पर वोट चोरी के सबूत भी मिले हैं। सबूत देखने के बाद कोई भी वोट चोरी की बात को नकार नहीं सकता है। वोट चोरी कई तरीकों से की जा रही है। कांग्रेस पार्टी में चल रही गुटबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर राज बब्बर ने कहा कि लोकतंत्र में गुटबाजी पार्टियों को मजबूत करती है। उन्होंने याद दिलाया कि जब से कांग्रेस पार्टी बनी है, तब से ही गुट हैं। पहले इन्हें नरम दल और गरम दल के नाम से जाना जाता था। उन्होंने कहा कि यह गुटबाजी कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगी। हालांकि उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय नेतृत्व और उनके फैसलों की बात आती है तो कोई गुटबाजी नहीं होती।

लोकतंत्र पर हमला, राहुल गांधी को दी गई मौत की धमकी असहनीय : सैलजा

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के एक प्रवक्ता द्वारा एक न्यूज चैनल पर लाइव कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दी गई मौत की धमकी अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, बल्कि हमारे संविधान, लोकतांत्रिक परंपराओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा आघात है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी और देश की जनता यह सवाल पूछ रही है कि क्या यह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है जो राहुल गांधी जैसे जननेता के खिलाफ रची जा रही है? क्या भाजपा अब खुलेआम हिंसा और डराने–धमकाने की राजनीति को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही है? क्या प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की चुप्पी इस घृणित कृत्य की मौन स्वीकृति नहीं है? कुमारी सैलजा ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने सरकार के समक्ष कुछ सवाल उठाए है तो सरकार को उनका जवाब देना चाहिए, केंद्र सरकार जनहित में उठाए गए सवालों से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

खेल के मैदान में खिलाड़ी हो या युद्ध के क्षेत्र में सैनिक, जीत हमेशा भारत की हुई : सैनी

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल के मैदान में हमारे खिलाड़ी हों या युद्ध के क्षेत्र में सैनिक, जीत हमेशा भारत की हुई है। एशिया कप में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को हराकर एक भव्य जीत दर्ज की है। मुख्यमंत्री सोमवार को लाडवा विधानसभा की बाबैन तहसील में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनाज मंडी में किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए प्रदेश सरकार पूरा ध्यान रख रही है। अनाज मंडियों में धान खरीद को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज के मशीनी युग में सारे काम मशीनों से होते हैं। पहले हाथ से कटाई में कई दिनों तक फसल खेतों में पड़ी रहती थी, जिसे नमी की मात्रा नियंत्रण में रहती थी, लेकिन अब मशीनों की कटाई के तुरंत बाद फसल अनाज मंडी में पहुंच रही है। धान खरीद से पहले फसल में नमी की मात्रा 17 प्रतिशत से ज्यादा न हो, इसके लिए किसानों से सहयोग की अपील है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गेट पास, फसल पंजीकरण से लेकर अन्य सभी सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इतना ही नहीं फसल खरीद के बाद भुगतान भी जल्द से जल्द करने के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि 3 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं, जो पहले सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और इसके बाद कुरुक्षेत्र में नए आपराधिक कानून की उपलब्धियां पर लगाई जाने वाली प्रदर्शनी में हिस्सा लेंगे।

इस मौके पर अंबाला कमिश्नर संजीव वर्मा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अशोक चौधरी के बयान पर प्रशांत किशोर ने किया पलटवार

जनसुराज का गुलाम मत बनिए, इस्तीफा दीजिए

पटना (एजेंसियां)। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर और सीएम नीतीश के करीबी व बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के बीच सियासी जंग जारी है। मंत्री अशोक चौधरी के जनुसराज की गुलामी वाले बयान पर प्रशांत किशोर ने पलटवार किया है। पटना के जनसुराज कैंप में सोमवार को प्रशांत किशोर ने प्रेस कांफ्रेंस कर अशोक चौधरी पर बड़ा हमला बोला। कहा कि हम अशोक चौधरी की संपत्ति को लेकर जो कहा गया है, उस पर कायम हैं। उन्होंने 200 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है।

पीके ने कहा कि अशोक चौधरी बताएं कि यह सब उनकी जमीन नहीं है। उनके नोटिस का जवाब दिए हैं। अब वो कह रहे हैं कि कानूनी रास्ता छोड़कर हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेंगे। लेकिन इससे बात नहीं बनेगी। इनको सीधी चुनौती दे रहे हैं कि अगर 7 दिन में नोटिस वापस नहीं लिए और माफ़ी नहीं मांगे तो हमलोग इनके खिलाफ राज्यपाल से लेकर कोर्ट तक जायेंगे। आगे उनके 500 करोड़ की संपत्ति का डॉक्यूमेंट समेत खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी के विभाग में बीते आठ महीने में 20 हजार करोड़ से ज़्यादा का कांट्रैक्ट दिया गया है। हर कांट्रैक्ट में इन्होंने 5% कमीशन लिया है। इसके बाद जब भी विभाग का पैसा रिलीज होता है, तब 0.5% कमीशन लिया जाता है। यह वही पैसा है जो विभाग के इंजीनियर के पास आता है और जो रकम बीते दिनों एक इंजीनियर के घर पर जलाई गई थी। अगली प्रेस कांफ्रेंस में हम उनलोगों को भी बिठायेंगे जिन्होंने 5-5% कमीशन दिया है।

पीके ने कहा कि हाल में ही अशोक चौधरी ने कैमरे पर कहा था कि अगर एक कट्ठा भी जमीन निकल जाए तो मैं जन सुराज का गुलाम बन जाऊंगा। अब जब कागज़ात सामने आ गए हैं तो आप कह रहे हैं कि यह जमीन आपकी नहीं है। अगर यह आपकी जमीन है तो जन सुराज का गुलाम मत बनिए, बिहार की जनता का गुलाम बनने की तैयारी कीजिए और इस्तीफा दीजिए। अगर इस्तीफा नहीं देंगे तो हम राज्यपाल और कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाएंगे। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी के विभाग में बीते आठ महीने में 20 हजार करोड़ से ज़्यादा का कांट्रैक्ट दिया गया है। हर कांट्रैक्ट में इन्होंने 5% कमीशन लिया है। इसके बाद जब भी विभाग का पैसा रिलीज होता है, तब 0.5% कमीशन लिया जाता है। यह वही पैसा है जो विभाग के इंजीनियर के पास आता है और जो रकम बीते दिनों एक इंजीनियर के घर पर जलाई गई थी। अगली प्रेस कांफ्रेंस में हम उनलोगों को भी बिठायेंगे जिन्होंने 5-5% कमीशन दिया है।

प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि हमारा सीधा-सीधा इल्जाम मानव वैभव विकास ट्रस्ट पर है। इससे जुड़े जियालाल आर्या जी बतायें कि अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी की सायन कुणाल से सगाई के बाद ही न्यास के अकाउंट से 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति खरीदी गई है। यह रकम कहां से आई है? इस ट्रस्ट से बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की सास भी जुड़ी हैं। ये लोग स्वर्गीय किशोर कुणाल के नाम को दागदार न करें। जियालाल आर्या जी, किशोर कुणाल की पत्नी अनिता कुणाल और मुख्य सचिव की सासू मां को प्रेस कांफ्रेंस कर बताना चाहिए कि न्यास के पास 100 करोड़ से ज़्यादा की संपत्ति खरीदने का पैसा कहां से आया? उन्हें अपने अकाउंट डिटेल्स सार्वजनिक करना चाहिए।

अशोक चौधरी ने कहा कि अगर प्रशांत किशोर को कोई आपत्ति है तो वे कोर्ट में शपथ पत्र देकर मामला दर्ज कराएं। मैं कोर्ट का ट्रायल करूंगा, मीडिया का नहीं। नया आरोप होगा, तो जवाब देने को तैयार हूं। अशोक चौधरी ने आगे कहा कि मैंने पोर्टल पर पहले ही जवाब दे दिया है। यदि कोई नया आरोप लगाया जाता है, तो उसका भी जवाब देने को तैयार हूं। अगर प्रशांत किशोर मेरे या मेरी पत्नी के नाम एक कट्ठा भी नाजायज जमीन साबित कर दें, तो मैं जनसुराज की गुलामी करूंगा।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चे समेत तीन की मौत

रोहतास (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें एक ही परिवार के दो बच्चों समेत तीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में टेंपो चालक चितरंजन यादव, सोनाक्षी कुमारी (10), आयुष कुमार (8) शामिल हैं।

वहीं, गंभीर रूप से घायल चितरंजन यादव की बहन सुनीता देवी (28) की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र अंतर्गत रेड़िया गांव के समीप की बताई जाती है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि आटो के कैसे परखच्चे उड़ गए हैं। घटना स्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है। यह दर्दनाक दृश्य देख लोग कांप उठे।

घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि एक टेंपो पर सवार परिवार के कुल चार सदस्य अपने गांव रेड़िया लौट रहे थे, तभी गांव के समीप ही राष्ट्रीय राजमार्ग 19 सी पर टेंपो की एक तेज रफ्तार ट्रक के साथ जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य को स्थानीय लोगों की मदद से स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

वहीं, हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई और कुछ देर के लिए सड़क पूरी तरह जाम हो गया। हालांकि हादसे की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची तिलौथू थाने की पुलिस ने टेंपो एवं ट्रक को जब्त करते हुए तीनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रिम कार्रवाई चल रही है और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

भाजपा के प्रचार रथ पर हमला पीएम मोदी के पोस्टर भी फाड़े गए

गयाजी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच गया जी जिले में भाजपा के प्रचार रथ पर हमला किया गया है। यह हमला रविवार देर शाम असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया है। इसके बाद से सियासी पारा गर्म हो गया। जानकारी के अनुसार, प्रचार वाहन विभिन्न गांवों में कार्यक्रम पूरा कर लौट रहा था। इसी दौरान पहाड़पुर रेलवे फाटक के पास दो बाइक पर सवार चार बदमाश पहुंचे और वाहन चालक से अभद्रता करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने पीएम मोदी का पोस्टर फाड़ने की कोशिश की और फिर मौके से फरार हो गए।

मामले की सूचना फतेहपुर थाना को दी गई। थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस बल भेजा गया, लेकिन तब तक वाहन वहां से निकल चुका था। फिलहाल इस मामले में किसी की ओर से लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

भाजपा नेताओं का कहना है कि इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र और चुनावी माहौल को बिगाड़ने वाली हैं। मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ने आरोप लगाया कि इस वारदात के पीछे राजद समर्थक हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस को जल्द से जल्द हमला-वरों की पहचान कर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उधर, पुलिस का कहना है कि लिखित शिकायत मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

गौरतलब है कि पिछले साल उपचुनाव के दौरान भी इमामगंज थाना क्षेत्र में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रचार वाहन को नुकसान पहुंचाया गया था और पोस्टर फाड़े गए थे। हाल ही में एक एनडीए समर्थक के घर पर भी देर रात फायरिंग की घटना हुई थी, जिस पर एनडीए ने कड़ा विरोध जताया था।

प्रशांत किशोर ने डिप्टी सीएम पर लगाया आरोप

शिल्पी गौतम हत्याकांड में सम्राट चौधरी अभियुक्त थे

पटना (एजेंसियां)। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने फिर से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर बड़ा आरोप लगाया है। पटना में सोमवार दोपहर प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी बिहार सबसे चर्चित शिल्पी हत्याकांड में संदिग्ध अभियुक्त थे। उस समय सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल में थे। साधु यादव के साथ इन्हें भी अभियुक्त बनाया गया था। इस केस की जांच सीबीआई ने भी की।

सीबीआई की टीम ने सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार से पूछताछ की थी। उनका सैंपल भी लिया था। लेकिन, उस वक्त लालू प्रसाद यादव सरकार में थे। उन्होंने साधु यादव को बचाने के लिए पूरा केस खत्म करवा दिया। लेकिन, बिहार की जनता इस केस के बारे में जानती है। पीके ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार सम्राट चौधरी को गिरफ्तार करवाए या फिर जिन पर हत्या का आरोप है उनको जेल से बाहर करवा दें।

प्रशांत किशोर ने कहा कि सम्राट चौधरी पर छह लोगों की हत्या का आरोप है। मुंगेर में उनपर कांग्रेस नेता की हत्या का आरोप लगा था। उस वक्त कोर्ट ने उन्हें केवल नाबालिग होने के नाम पर राहत दी थी। लेकिन, बरी नहीं किया था। हत्या के आरोपी सम्राट चौधरी लेकिन, फिर से वह डिप्टी सीएम हैं। पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को फौरन उनसे इस्तीफा लेना चाहिए। सम्राट चौधरी से मेरा सवाल है कि वह कब बताएंगे कि आपका नाम शिल्पी गौतम केस में था? सीबीआई ने सम्राट चौधरी से उसमें पूछताछ की थी या नहीं? यह बात भी वह स्पष्ट करें। क्योंकि, अगर वह ऐसा नहीं करेंगे तो अगली बार में सीबीआई की पूरी रिपोर्ट जारी करूंगा।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर प्रशांत किशोर ने बड़ा आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी का पहला नाम सम्राट कुमार मौर्य है। 1998 में कांग्रेस के बड़े नेता सदानंद सिंह की हत्या कर दी गई। इस हत्या का आरोप सम्राट चौधरी पर लगा कि इन्होंने बम मारकर सदानंद सिंह समेत छह लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद केस हुआ। सम्राट चौधरी जेल गए। छह महीने बाद नाबालिग होने के नाम पर वह जेल से निकले। जनता को मैं बता रहा हूं कि आपका उपमुख्यमंत्री मर्डर का अभियुक्त है। वह जेल गए हैं। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि पहली बार मंत्री बनने के बाद सम्राट पर उम्र घोटाला का आरोप लगा। केस भी हुआ। इसके बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा।

बिहार को मिली सात नई ट्रेनों की सौगात

पहले 1000 था, अब दस हजार करोड़ का बजट है : अश्विनी वैष्णव

पटना (एजेंसियां)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए सरकार ने बिहार को सात नई ट्रेनों की सौगात दी है। इनमें चार पैसेंजर और तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फेंसिंग के जरिए इन सात ट्रेनों का शुभारंभ किया। पटना जंक्शन पर रेलवे की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इन सात ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। लोगों को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि वर्षों तक कुछ काम नहीं होता था, वो सारे प्रोजेक्ट्स मोदी जी ने पूरे किए। पटना रेल कम रोड ब्रिज-28 किलोमीटर, मुंगेर रेल कम रोड ब्रिज-15 किलोमीटर का, कोसी ब्रिज जो कि बहुत पुराना एक बड़ा सपना था, उसे पीएम मोदी ने पूरा किया।

बिहार में पहले जहां मात्र 1000 करोड़ रुपये का बजट होता था, आज वहां पर 10,000 करोड़ रुपये का बजट है। पीएम मोदी ने देश के विकास के लिए, बिहार के विकास के लिए एक बहुत बड़ी अवधारणा हमारे सामने रखी है।

उन्होंने कहा कि आज से बिहार में चार नई पैसेंजर ट्रेनें शुरू हो गई हैं। इनमें झाझा से दानापुर, पटना से बक्सर, नवादा से पटना और पटना से इस्लामपुर पैसेंजर ट्रेन शामिल हैं। वहीं मुजफ्फरपुर-हैदराबाद (चर्लपल्ली), छपरा-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा-अजमेर (मदार) अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का भी शुभारंभ हो चुका है।

रेल सुविधाओं को और मजबूत बनाने के लिए पटना जंक्शन पर नया टर्मिनल, फतुहा में मेगा कोचिंग टर्मिनल और झाझा-डीडीयू के बीच तीसरी व चौथी लाइन के निर्माण कार्य की तैयारी की जा रही है। साथ ही, बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड के दोहरीकरण और सुल्तानगंज-कटोरिया नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है। गंगा नदी पर भी कई रेल सह सड़क पुलों का निर्माण हो रहा है। बिक्रमशिला के पास नया पुल, मोकामा में राजेंद्र सेतु के समानांतर पुल और भागलपुर के पास बिक्रमशिला और कटरिया के मध्य गंगा नदी पर एक और पुल के निर्माण से उत्तर और दक्षिण बिहार का जुड़ाव और मजबूत होगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 3,164 करोड़ रुपये की लागत से बिहार के 98 स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप देने का कार्य चल रहा है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि रेलवे बिहार के विकास की रीढ़ है और आने वाले वर्षों में राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा

मशाल जुलूस में गरजे मजदूर यूनियन के नेता, एनडीए पर साधा निशाना

भ्रष्टाचार में डूबी ये सरकार

सिवान (एजेंसियां)। सिवान में बीते दिन 28 सितंबर को मशाल जुलूस निकाला गया। भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर रविवार को सिवान शहर में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), इंकलाबी नौजवान सभा और ऐक्टू के बैनर तले यह मशाल जुलूस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस जुलूस का नेतृत्व कर रहे मजदूर यूनियन के राज्य सचिव अमित शाह ने केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने जिस आजाद और समृद्ध भारत का सपना देखा था, वह आज अधूरा है। उन्होंने आर-ोप लगाया कि एनडीए सरकार संविधान को कमजोर करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में लगी है। मजदूर यूनियन के नेता अमित शाह ने कहा, 'एनडीए सरकार के मंत्री 71 हजार करोड़ के घोटाले में शामिल हैं। छात्र-नौजवान अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज दबाने के लिए उन पर लाठियां बरसाई जा रही हैं।' उन्होंने दावा किया कि भ्रष्टाचार में डूबी इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है और इंडिया गठबंधन की सरकार बनने की उम्मीद है। आइसा के जिला अध्यक्ष ने भी सरकार पर नौजवानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिहार में नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा, जबकि सरकार ने हजारों एकड़ जमीन अडानी ग्रुप को पावर प्लांट के लिए दे दी, लेकिन गरीबों के लिए जमीन का अभाव है।

जुलूस में आरवाइए के जिला उपाध्यक्ष विशाल यादव, प्रखंड अध्यक्ष सोनू कुशवाहा, सचिव नीरज कुमार, आइसा जिला सहसचिव सुनील यादव, अनीश कुशवाहा, संजीव कुमार, रवि कुमार, रोहित कुमार, कल्लू बासफोर, नीतीश कुमार और सोनू यादव सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे। जुलूस के दौरान भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों को याद किया गया और उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया गया।

बिहार में शराबबंदी पर सवाल : पूर्णिया में शराब से लदी कार ने 3 नाबालिगों को रौंदा, दो मेधावी छात्राओं की मौत

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया जिले में दधमदाहा-भवानीपुर स्टेट हाइवे पर सोमवार को भीषण हादसा हुआ। शराब माफियाओं की तेज रफ्तार कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकले तीन नाबालिगों को रौंद दिया। इस भीषण हादसे में दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक छात्र गंभीर रूप से घायल है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 19 वर्षीय राजनंदनी कुमारी, पिता सुरेश हेंब्रम, निवासी सखुआ टोला और 11 वर्षीय मोनिका कुमारी, निवासी सकुवा टोला के रूप में हुई है। राजनंदनी बीएचयू की मेधावी छात्रा थीं, जबकि मोनिका नवोदय विद्यालय में पढ़ाई कर रही थी।

हादसे में घायल छात्र की पहचान गंगाराम हेंब्रम के पुत्र रूपक हेंब्रम के रूप में हुई है, जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों बच्चे सड़क किनारे टहल रहे थे, तभी धमदाहा की ओर से आ रही शराब से लदी कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शराब माफिया गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर शराब माफियाओं की गिरफ्तारी और प्रशासनिक सख्ती की मांग की। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इलाके में इस घटना को लेकर गुस्सा साफ दिख रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शराबबंदी के बावजूद शराब माफियाओं का तांडव जारी है और इसकी लापरवाही का खामियाजा मासूम बच्चों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com